सेंसेक्स
76,693.36 +1,618.85
डॉलर
83.525 +0.059
रांची सर्राफा
10 ग्राम 67,400
01 किलो 96,000

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 04, संवत 2081 | रांची, सोमवार, 10 जून 2024, वर्ष-25, अंक-128, पृष्ठ-16 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज 16

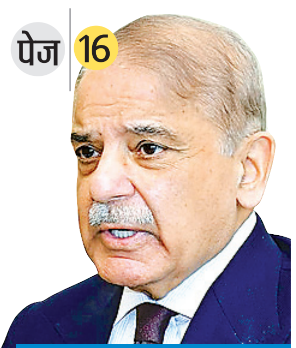

पाकिस्तान सरकार पर उनके साथी दल...

तीसरी बार पीएम बनकर मोदी ने रचा इतिहास

1951-52 के आम चुनाव स्वतंत्र भारत में पहले थे, जो अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक हुए थे। नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस विजयी हुई, उसने लोकसभा की 489 सीटों में से 364 सीटें हासिल की। यह कुल सीटों का लगभग 75 प्रतिशत था। 1957 के चुनावों ने भारतीय राजनीति में नेहरू के प्रभुत्व को मजबूत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी ने ऐतिहासिक शपथ के साथ की नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने रविवार (9 जून) शाम को राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति भवन में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए भारत के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली, और पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की उपलब्धि की बराबरी की। पीएम मोदी भारत के इतिहास में लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1952, 1957 और 1962 के आम चुनावों में जीत हासिल की थी। लोकसभा चुनाव 2024 में कड़े मुकाबले में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम को शपथ दिलाई।

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता दिवस से 27 मई, 1964 तक सत्ता में रहे, जब दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। मोदी के विपरीत, नेहरू को मजबूत विरोध का सामना नहीं करना पड़ा क्योंकि उस समय एकमात्र राज्य और राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टी कांग्रेस ने सर्वोच्च शासन किया था। उन्होंने केंद्र में अपने तीन कार्यकाल भारी बहुमत से जीते। हालाँकि, 1962 के लोकसभा चुनाव में एक और शानदार जीत के बावजूद, नेहरू को कांग्रेस के भीतर और बाहर, विशेषकर क्षेत्रीय दलों से, उनके अधिकार पर सवाल उठाते हुए चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

1951-52 के आम चुनाव स्वतंत्र भारत में पहले थे, जो अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक हुए थे। नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस विजयी हुई, उसने लोकसभा की 489 सीटों में से 364 सीटें हासिल कीं। यह कुल सीटों का लगभग 75% था। 1957 के चुनावों ने भारतीय राजनीति में नेहरू के प्रभुत्व को मजबूत किया। कांग्रेस ने लोकसभा की 494 सीटों में से 371 सीटें जीतीं, जो पिछले चुनाव से थोड़ी अधिक है। न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि राज्यों में भी कांग्रेस का शासन 1957 तक निर्विवाद रहा, जब वह केरल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) से हार गई।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी से लगातार तीसरी बार सांसद निर्वाचित हुए मोदी का जन्म गुजरात के वडनगर में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जब वे 8 साल के थे तो वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। साल 1970 में वह संघ के प्रचारक बन गये। 1975 संघ द्वारा मोदी को 'गुजरात लोक संघर्ष समिति' का महासचिव नियुक्त किया गया था। आपातकाल के दौरान गिरफ्तारी से बचने के लिए मोदी को अंडरग्राउंड होने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह सरकार का विरोध करने वाली पम्फलेट की प्रिंटिंग में शामिल थे। सूरत एवं वडोदरा में होने वाले संघ के कार्यक्रमों में वे बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगे। वर्ष 1979 में वह संघ के संभाग प्रचारक बनाए गए। 1987 में मोदी को भाजपा की गुजरात इकाई के संगठन सचिव का दायित्व मिला। मोदी को 1996 में भाजपा के महासचिव (संगठन) के रूप में पदोन्नत दिया गया। मोदी ने 1990 में लालकृष्ण आडवाणी की राम रथ यात्रा और 1991 में मुरली मनोहर जोशी की एकता यात्रा आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2001 केशुभाई पटेल का स्वास्थ्य खराब हुआ और भाजपा ने उप चुनावों में कुछ राज्य विधानसभा सीटें खो दी। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने पटेल की जगह मोदी को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की कमान सौंप दी। सात अक्टूबर 2001 को मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 24 फरवरी 2002 को उन्होंने राजकोट विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव जीता। तब से लेकर लगातार मई 2014 तक वह गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहे। इसके बाद वे 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री बने।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्हें 'एक तिहाई पीएम' कहा। कांग्रेस नेता के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार के समर्थन के बिना मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बन पाते। नरेंद्र मोदी को 2024 के चुनावों में विनाशकारी व्यक्तिगत क्षति, राजनीतिक हार और नैतिक पराजय का सामना करना पड़ा है। वह एक तिहाई प्रधानमंत्री हैं, क्योंकि नायडू और नीतीश कुमार के बिना, वह प्रधानमंत्री नहीं होते। जयराम रमेश ने एएनआई से कहा कि 240 सीटों के साथ प्रधान मंत्री बने हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के अलावा भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी लोकसभा सीट से जीत की हैट्रिक लगाई। उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी अजय राय को डेढ़ लाख से अधिक वोटों से हराया। पीएम मोदी तीसरी बार वाराणसी लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरे। पीएम नरेंद्र मोदी को 6,12,970 वोट मिले। वहीं, कांग्रेस के अजय राय को 4,60,457 और बसपा के अतहर जमाल लारी को 33,766 मत प्राप्त हुए है। पीएम मोदी वाराणसी सीट पर 1 लाख 50 हजार 513 वोट से चुनाव में विजयी हुए।

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा नीत एनडीए के खाते में 293 सीटें आई हैं। जबकि, इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने 234 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, अन्य के खाते में 17 सीटें आई। भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा ने 240 सीटों पर जीत हासिल की है।

परिचय
नाम : राजनाथ सिंह
उम्र : 73 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : अमित शाह
उम्र : 59 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : नितिन गडकरी
उम्र : 67 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : शिवराज चौहान
उम्र : 64 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : जेपी नड्डा
उम्र : 63 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : पीयूष गोयल
उम्र : 59 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : निर्मला सीतारमण
उम्र : 64 वर्ष
दल : भाजपा

परिचय
नाम : एस. जयशंकर
उम्र : 69 वर्ष
दल : भाजपा

इस बार शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी ने पहनी नीली जैकेट इस रंग का क्या है मतलब!

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार पद और गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ 71 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया। पीएम मोदी ने इस बार राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में रॉयल ब्लू (शाही नीला) रंग की जैकेट पहनी हुई थी। पीएम मोदी हमेशा एक खास तरह की जैकेट पहनते हैं, जो अब 'मोदी जैकेट' के नाम पर फेमस हो गई है। पीएम मोदी ने हर बार शपथ ग्रहण समारोह में अलग-अलग रंग की जैकेट पहनकर शपथ ली। पीएम मोदी की यह सारी जैकेट खासतौर पर अहमदाबाद में ही सिली जाती रही है। ऐसे में तीसरी बार पीएम पद की शपथ ले रहे नरेंद्र मोदी ने जैकेट शाही नीले रंग का चुना। ज्योतिष के अनुसार यह बेहद गहरा और शक्तिशाली रंग माना जाता है। यह रंग स्थिरता, ज्ञान, आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक गहराई का प्रतीक माना गया है। यह रंग भावनाओं, ज्ञान और संवेदनशीलता को दशार्ने वाला है। नीला रंग मन को शांति देने वाला और संतुलन प्रदान करने वाला माना गया है। यह शक्ति और शांति को भी प्रदर्शित करता है। पहली बार जब 2014 में 26 मई को पीएम मोदी ने शपथ लिया था तो उन्होंने लाइट ब्राउन रंग की जैकेट पहनी थी। यह लाइट ब्राउन रंग ताकत और व्यावहारिक स्वभाव को दशार्ता है। इस रंग के प्रभाव में रहने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि ऐसे लोग भरोसेमंद, मेहनती और जमीन से जुड़े होते हैं। वहीं, 2019 में जब पीएम मोदी ने दूसरी बार शपथ ग्रहण किया तो उन्होंने लाइट ग्रे कलर की जैकेट पहनी थी। इसके साथ ही पीएम मोदी हर बार सफेद रंग का कुर्ता पहने शपथ लेने पहुंचे।

मोदी 2.0 के समय में मंत्री रहे 34 पार्टी नेताओं को इस बार नहीं मिल पाई मंत्रिमंडल में जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ ग्रहण किया और इसके साथ ही मोदी 3.0 में 71 मंत्रियों को भी शपथ दिलाई गई। लेकिन, मोदी 2.0 के 34 ऐसे मंत्री थे, जिनको इस बार मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पाई। इनमें से कई चेहरे ऐसे रहे जो इस बार के लोकसभा चुनाव में अपनी सीट बचाने में कामयाब नहीं रहे।

नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मंत्री रहे साध्वी निरंजन ज्योति, स्मृति ईरानी, अजय मिश्रा टेनी, महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव बालियान, भानु प्रताप वर्मा और कौशल किशोर लोकसभा चुनाव हार चुके हैं। मोदी 3.0 में जिन नेताओं को कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया। उसमें स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, राजीव चंद्रशेखर, अजय मिश्रा टेनी, जनरल वीके सिंह, अश्विनी चौबे और नारायण राणे का नाम शामिल है। इसी तरह से अजय भट्ट, साध्वी निरंजन ज्योति, मीनाक्षी लेखी, राजकुमार रंजन सिंह, आरके सिंह, अर्जुन मुंडा, निशीथ प्रमाणिक, सुभाष सरकार, जॉन बारला, भारती पंवार, रावसाहेब दानवे, कपिल पाटिल, नारायण राणे और भगवत कराड को भी कैबिनेट में जगह नहीं दी गई है।

अजय भट्ट, अनुराग ठाकुर और नारायण राणे तो ऐसे नेता हैं, जो अपनी-अपनी सीटों पर भारी मतों से विजयी हुए हैं। इसके बाद भी उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं मिल पाई है।

जबकि, साध्वी निरंजन, आरके सिंह, अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, राजीव चंद्रशेखर, निशीथ प्रमाणिक, अजय मिश्र टेनी, सुभाष सरकार, भारती पंवार, राव साहेब दानवे और कपिल पाटिल को इस बार चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा है। जबकि, पार्टी ने मीनाक्षी लेखी, राजकुमार रंजन सिंह, जनरल वीके सिंह, जॉन बारला और अश्विनी चौबे को इस बार टिकट नहीं दिया।

नरेंद्र मोदी 3.0 मंत्रिमंडल में अब जिन 34 चेहरों को आप नहीं देख पाएंगे उनमें अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, नारायण तातु राणे, राज कुमार सिंह, महेंद्र नाथ पांडे, पुरुषोत्तम रूपाला, फग्गनसिंह कुलस्ते, अश्विनी कुमार चौबे, वीके सिंह, दानवे रावसाहेब, निरंजन ज्योति, संजीव कुमार बालियान, राजीव चन्द्रशेखर, भानु प्रताप सिंह, दर्शना हरदोश, वी. मुरलीधरन, मीनाक्षी लेखी, सोम प्रकाश, कैलाश चौधरी, रामेश्वर तेली, नारायण स्वामी, कौशल किशोर, अजय कुमार, कपिल पाटिल, सुभाष सरकार, प्रतिमा भौमिक, भागवत कराड, राजकुमार रंजन सिंह, भारती पवार, बिश्वेश्वर टुडू, डॉ. मुंजापारा, जॉन बारला, निशीथ प्रमाणिक शामिल हैं।

सेंसेक्स
76,693.36 +1,618.85
डॉलर
83.525 +0.059
रांची सर्राफा
10 ग्राम 67,400
01 किलो 96,000

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 04, संवत 2081 | रांची, सोमवार, 10 जून 2024, वर्ष-25, अंक-128, पृष्ठ-16 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rasriyanaveenmail.com

पेज 16
पाकिस्तान सरकार पर उनके साथी दल...

मोदी 3.0 कैबिनेट में इन मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम मोदी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। पीएम मोदी ने शपथ ग्रहण करने के साथ देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर ली, जो इससे पहले लगातार तीन बार देश के पीएम रह चुके हैं। नरेंद्र मोदी के बाद दूसरे नंबर पर राजनाथ सिंह और तीसरे नंबर पर अमित शाह ने केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में नितिन गडकरी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, एस. जयशंकर ने केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया। वह करनाल लोकसभा सीट से जीतकर पहली बार संसद पहुंचे हैं।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मोदी 3.0 में कैबिनेट मंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। भाजपा नेता पीयूष गोयल ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। वह मोदी सरकार में तीसरी बार मंत्री बने हैं।

इसके अलावा धर्मेंद्र प्रधान, जीतनराम मांझी ने मोदी 3.0 में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। मांझी पहली बार केंद्रीय में मंत्री बने हैं। जेडीयू नेता और बिहार के मुंगेर से सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं।

असम के पूर्व मुख्यमंत्री और असम के डिब्रूगढ़ से भाजपा सांसद सबार्नंद सोनेवाल, एमपी के टीकमगढ़ से भाजपा सांसद वीरेंद्र कुमार, आंध्र प्रदेश की श्रीकाकुलम से लोकसभा सीट से तेलुगु देशम पार्टी के सांसद राममोहन नायडू, भाजपा नेता प्रल्हाद जोशी, जुएल उरांव कैबिनेट मंत्री बने। गिरिराज सिंह, अश्विनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अन्नपूर्णा देवी, किरेन रिजिजू, हरदीप सिंह पुरी, मनसुख मांडविया, जी. किशन रेड्डी, चिराग पासवान, सीआर. पाटिल ने एनडीए सरकार में मंत्री पद की शपथ ली।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

राव इंद्रजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, अर्जुन राम मेघवाल, प्रताप राव जाधव, जयंत चौधरी, जितिन प्रसाद, श्रीपद यशो नाइक, पंकज चौधरी, कृष्णपाल गुर्जर, रामदास अठावले, रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, अनुप्रिया पटेल, वी. सोमन्ना, चंद्रशेखर सम्मानी, एसपी सिंह बघेल, शोभा करांदलाजे, कीर्तिवर्धन सिंह, बनवारी लाल वर्मा, शांतनु ठाकुर, सुरेश गोपी, एल मुरुगन, अजय टम्टा, बी. संजय कुमार, कमलेश पासवान, भागीरथ चौधरी, सतीश दुबे, संजय सेठ, रवनीत सिंह बिट्टू, दुगार्दास उइके, रक्षा खडसे, सुकांत मजूमदार, सावित्री ठाकुर, तोखन साहू, राजभूषण निषाद, भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, हर्ष मल्होत्रा, नीमूबेन बमभानिया, मुरलीधर मोहोल, जॉर्ज कुरियन, पबित्रा मार्गेरिटा। प्रधानमंत्री मोदी की नई टीम में इस बार 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री शामिल हैं। ये सभी मंत्री देश के 24 राज्यों के साथ-साथ सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

पीएम मोदी के नए मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी, 10 एससी, 5 एसटी, 5 अल्पसंख्यक मंत्री शामिल हैं। इसमें 18 वरिष्ठ मंत्री भी शामिल हैं। नए मंत्रिमंडल में 11 एनडीए सहयोगी दलों से मंत्री बनाए गए हैं। इसमें से 43 ऐसे सांसद मंत्री बने हैं, जो संसद में तीन या उससे अधिक कार्यकाल तक सेवा दे चुके हैं। इसके साथ ही 39 ऐसे मंत्री बनाए गए हैं, जो पहले भी भारत सरकार में मंत्री रह चुके हैं। मंत्रिमंडल में कई पूर्व मुख्यमंत्री, 34 राज्य विधानसभाओं में सेवा दे चुके सदस्य और 23 राज्यों में मंत्री के रूप में काम कर चुके सदस्यों को भी सांसद चुने जाने के बाद जगह दी गई है।

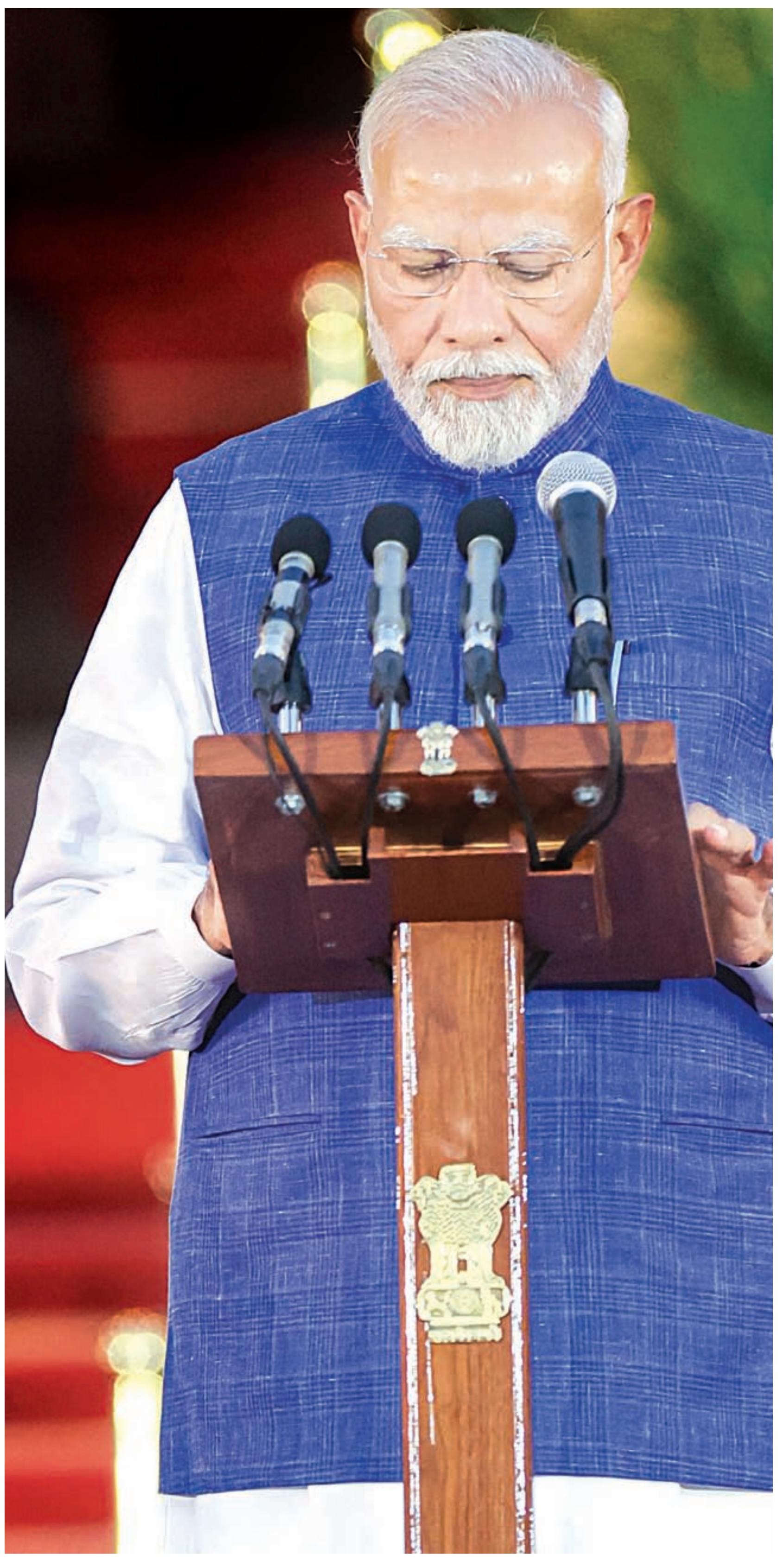

ज्योतिष के अनुसार फरवरी 2025 से फरवरी 2026 तक एनडीए सरकार पर संकट

बच गई तो पांच साल पूरा करेगी

-आरपी सिंह

नई दिल्ली। नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने नौ जून रविवार की शाम को 7 बजकर 15 मिनट पर प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। ज्योतिषि उनकी व भाजपा की कुंडली देखकर उनके तीसरे कार्यकाल के बारे में कई तरह की बात कर रहे हैं। मोदी ने पुनर्वसु नक्षत्र में शपथ लिया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटें जीतीं हैं, जो कि पूर्ण बहुमत 272 के आंकड़े से 32 कम है।

भाजपा का जन्म या स्थापना दिल्ली में 6 अप्रैल 1980 में दोपहर 11:45 बजे हुई थी। मिथुन लग्न की इस कुंडली में दशम भाव में दिग्बली सूर्य बैठे हैं, जिस वजह से यह पार्टी सत्ता के शिखर पर सवार हैं। लग्नेश बुध भाग्य धर्म के नवें भाव में मित्र राशि में बैठे हैं। इसके कारण इसकी धार्मिक पहचान बनी है। फि लहाल बीजेपी की चंद्र में बुध की अंतर्दशा में चल रही है। चंद्रमा द्वितीयेश होकर अपनी नीच राशि में छठे भाव में बैठे हैं और बुध लग्नेश होकर नवम भाव में बैठे हैं। चंद्रमा पर राशि मंगल की दृष्टि है, जो राजयोग का निर्माण कर रही है। छठा भाव संघर्ष का होता हैं, जो मजबूत है। षष्ठेश मंगल दशमेश गुरु के साथ हैं इसलिए इस पार्टी को संघर्ष से सफलता मिली है। बुध पर चूंकि बहुत से बुरे ग्रहों का प्रभाव है इसलिए इस बार कि सफलता में कुछ कमी रह गई है। बुध के बाद केतु की अंतर्दशा आएगी, जो जुलाई 2025 से फरवरी 2026 तक रहने वाली है। यह समय भाजपा के लिए काफी उठा पटक वाला रहेगा। इस अवधि में पार्टी में काफी आंतरिक कलह क्लेश हो सकता है, जो किसी धार्मिक मुद्दे को लेकर होने की संभावना है। अप्रैल 2026 से दिसंबर 2026 के दौरान इस पार्टी के साथ कुछ अन्य दल भी जुड़ सकते हैं। बीजेपी के लिए सबसे मुश्किल समय 2026 के अक्टूबर से सितंबर 2027 तक का समय रहेगा। इस अवधि में सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में इसका प्रदर्शन काफी कमजोर होने की आशंका बन रही है। तब हो सकता है नेतृत्व बदले और कुछ अन्य दल इसे समर्थन दें, तभी एनडीए सरकार बचेगी और अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी, वरना खतरा है।

मोदी की कुंडली के अनुसार

17 सितंबर 1950 को दोपहर के समय वडनगर, मेहसाणा गुजरात में पैदा हुए नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की जन्म कुंडली वृश्चिक लग्न की है, जिसमें जन्म लग्न में लग्नेश और षष्टेश (रोग और शत्रु) मंगल का नवमेश (भाग्य) चंद्रमा से एक बड़ा राजयोग बन रहा है। जनता में लोकप्रियता के कारक ग्रह शनि दशम भाव में शुभ ग्रह शुक्र से युत होकर पंचमेश गुरु से दृष्ट है। लेकिन दशमेश (राज सत्ता) सूर्य का पाप ग्रह केतु और अष्टमेश बुध से युत होगा, उनके कुछ सहयोगियों के कारण आने वाले समय में किसी विपदा में पड़ने का ज्योतिषीय योग है। 5 जून 2024 से 5 जून 2025 तक चलने वाली बेहद चुनौतीपूर्ण छठे भाव के स्वामी मंगल की महा दशा में अष्टम भाव के अधिपति बुध की अन्तर्दशा कुछ विवादों और राजनीतिक षड्यंत्रों की ओर ज्योतिषीय संकेत दे रही है। बाद में वर्ष 2025 के अंत में मंगल में केतु की अशुभ दशा में विवादों और स्वास्थ्य कारणों के चलते उनको इस्तीफा भी देना पड़ सकता है। मोदी की शपथ ग्रहण कुंडली से देखें तो उसमें 20 फरवरी 2025 तक गुरु की दशा चलेगी, जिसमे उन पर कम दबाव होगा लेकिन 20 फरवरी 2025 के बाद अशुभ ग्रह शनि की दशा उनकी शपथ ग्रहण कुंडली में होगी, जो कि सहयोगी दलों के अड़ियल रुख और हठधर्मिता से उनको विचलित कर सकती है।

राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ताओं पर विश्वास जताने के लिए : सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के सांसद संजय सेठ को रविवार को मोदी कैबिनेट में मंत्री बनाए जाने पर सांसद सेठ ने राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ताओं पर विश्वास जताने के लिए दिल की गहराइयों से आभार। सेठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, प्रदेश नेतृत्व प्रदेश के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, सहित सभी प्रदेश पदाधिकारी, देव तुल्य रांची लोकसभा के कार्यकर्ता, रांची की जनता का आभार जताया है। सेठ ने कहा रांची की जनता का विश्वास जिन्होंने मुझे दोबारा विजयी बनाया और आज रांची लोकसभा सहित पूरे देश की सेवा करने का जो अवसर मिला है इसके लिए देवतुल्य जनता और कार्यकर्ताओं को दिल की गहराइयों से नमन करता हूं। राष्ट्रीय नेतृत्व ने जिस विश्वास और आशा के साथ मुझे जो नई जिम्मेदारी दी है। उसे सबके आशीर्वाद से पूरा करने का प्रयास करूंगा। रांची लोकसभा का विकास मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। वैश्विक नेता और नवभारत के निमार्ता देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुझे काम करने का जो सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उसके द्वारा प्राप्त ऊर्जा और उनके मार्गदर्शन में दिन-रात काम करूंगा। साथ ही उन्होंने देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी है।

केंद्र में दूसरी बार मंत्री बनीं अन्नपूर्णा देवी

कोडरमा। स्थानीय सांसद अन्नपूर्णा देवी लगातार दूसरी बार सांसद बनकर नरेंद्र मोदी कैबिनेट में दूसरी बार मंत्री भी बनी हैं। अब एक बार फिर स्थानीय लोगों के साथ ही झारखंड के लोगों की अपेक्षाएं बढ़ी हैं। कोडरमा लोकसभा सीट से इस बार भाजपा की अन्नपूर्णा देवी ने 376240 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। उन्होंने महागठबंधन की ओर से भाकपा माले प्रत्याशी विनोद सिंह को पराजित किया। इसके पहले 2019 में भी कोडरमा सीट पर भारतीय जनता पार्टी की अन्नपूर्णा देवी ने परचम लहराया था। उन्होंने तब जेवीएम के बाबूलाल मरांडी को 455600 वोटों से हराया था। साल 1998 में पति रमेश प्रसाद यादव के निधन के बाद राजनीति में आने वाली अन्नपूर्णा देवी ने गृहिणी से विधायक, मंत्री, सांसद और केंद्रीय मंत्री तक का सफर तय किया है। कोडरमा विधानसभा और लोकसभा दोनों का प्रतिनिधित्व कर चुकीं हैं। बिहार सरकार और झारखंड सरकार में मंत्री रहीं और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में भी मंत्री बनीं। अन्नपूर्णा देवी ने 2019 का लोकसभा चुनाव झारखंड की कोडरमा सीट से लड़ा और जीत दर्ज की। 2019 से पहले वह लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की प्रदेश अध्यक्ष थीं। उनके पति रमेश प्रसाद यादव वर्ष 1990 से 98 तक कोडरमा के विधायक रहे थे। पति के निधन के बाद 1998 में उन्होंने पहली बार विधानसभा का उपचुनाव लड़ा और बड़े अंतर से जीत हासिल की।

भारत के टुकड़े करने वाले स्वयंभू भगवान

इंडिया

सुनील बादल

यूपी और बिहार के अलावा कुछ अन्य हिंदी भाषी राज्यों में इनकी जड़ें भले अभी जम रहीं हैं पर दक्षिण भारत, उत्तरपूर्व भारत और कुछ पश्चिमी भागों में ये सनातन विरोधी शक्तियां सक्रिय हैं।

सोशल मीडिया पर किसी ने लिखा कि पैसा कमाने का सबसे तेज और आसान तरीका है भगवान बनना। इधर कुछ दशकों से स्वयंभू भगवान और उनकी तस्वीर लगी ताबीज पहने भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। इन भगवानों के प्रार्थना केंद्र और आध्यात्मिक केंद्र शहरों के महंगे इलाकों के अलावा दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में फैले हैं। इनमें कुछ तो इतने बड़े हैं कि सैंकड़ों लोगों के आवासीय प्रशिक्षण की व्यवस्था निःशुल्क होती है या सांकेतिक रकम ली जाती है। यह नहीं कहा जा सकता कि ये गलत है और कुछ आपत्तिजनक है क्योंकि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार सभी को है पर इन आध्यात्मिक केंद्रों की स्थापना, महंगी भूमि की खरीद और संचालन में आने वाले करोड़ों रुपए कहां से क्यों आ रहे हैं? सूत्रों के अनुसार इनको आर्थिक सहायता देने वाले ऐसे देश हैं जिनमें भारत विरोधी गतिविधियां चलाई जाती हैं। इन केंद्रों में सदस्यता लेने वाले लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान के अलावा व्यवसाय करने के लिए पैसे या साधन दिए जाते हैं जिस कारण इनसे जुड़ने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। हिन्दी पट्टी में धर्म भीरु गरीब और पिछड़ी जातियों को ये अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से जोड़ रहे हैं जिन्हें राष्ट्रीय स्तर के कैम्पों में किसी बड़े फार्म हाउस में पूरा खर्च देकर बुलाया जाता है और वहां भगवान स्वरूप गुरुजी घुमा फिराकर यह बताते हैं कि हिंदू धर्म पाखंड है जिसमें ब्राह्मणवादी व्यवस्था हावी है और उन्हें निम्नस्तरीय समझा जाता है। गुरुजी के बारे में चमत्कारों की

कहानी फैलाई जाती है जिससे उनकी बातों का जादुई असर होता है। यूपी और बिहार के अलावा कुछ अन्य हिंदी भाषी राज्यों इनकी जड़ें भले अभी जम रहीं हैं पर दक्षिण भारत, उत्तरपूर्व भारत और कुछ पश्चिमी भागों में ये सनातन विरोधी शक्तियां सक्रिय हैं जो सार्वजनिक रूप से वर्जित खानपान और उल्टे काम कर नफरत फैलाने का प्रयास करती हैं। बिहार के सासाराम में लगभग चार वर्षों तक नौकरी के सिलसिले में था तब यूपी से सासाराम के शादी विवाहों के निमंत्रण देखकर चौंका था क्योंकि वे बिना मुहूर्त के हो रहीं थीं और पारंपरिक सनातनी रिवाजों से हटकर भी। वहां की कई दुकानों में गुरुजी के कैलेंडर लगे देखे थे। एक बार ट्रेन में सामने की बर्थ पर एक महिला अपनी पुत्री के साथ दिल्ली से आ रही थी जो गुरुग्राम के किसी बड़े फार्महाउस से गुरुजी के शिविर से लौट रही थी। सरल हृदय महिला और उनकी पुत्री ने हमें बताया कि जैसा सुना था वैसा नहीं मिला। गुरुजी सर पर हाथ रखकर सभी बीमारियों और गरीबी दूर करने वाले थे पर हजारों की भीड़ में संभव नहीं हुआ पर एक बात ठीक बोले कि पूजा पाठ बंद करो और बिना मुहूर्त शादी विवाह करो खर्चा कम हो जाएगा। एक चौथाई में मैरेज हॉल बैंड सब मिलता है। इस पर रिसर्च करने पर कुछ लोगों ने बताया कि पुराने सदस्यों को ही कैंपों में ले जाया जाता है जहां समान विचारधारा वाली पार्टियों को वोट करने के लिए प्रेरित किया जाता है ताकि पाखंड का अंत हो। अंदर की बात क्या है और ये तथाकथित भगवान क्या करते हैं गहन जांच का विषय है पर इतना अवश्य कहा जा सकता है कि यदि ये सुधारवादी अच्छे उद्देश्य से काम कर रहे हैं तो खुद को भगवान क्यों बता रहे हैं? क्या इस संसार की रचना करने संचालित करने की शक्तियां किसी नश्वर इंसान के पास है जैसा वे दावा करते हैं? विभेद से विचारों से भारत के टुकड़े करने वाले इन भगवानों की गतिविधियों या कुकृत्य जब मीडिया में आते हैं तब इन्हें हिंदू संत कहा जाता है जबकि ये अपना एजेंडा चलाते हैं। इनपर सरकारों को नजर रखनी चाहिए। विशेष रूप से इन्हें मिलने वाली विदेशी सहायता और प्रशिक्षण के मॉड्यूल पर नजर रखी जानी चाहिए। संभावना व्यक्त की जाती है कि ये एक नए प्रकार का अभियान है आसाराम राम रहीम जैसी घटनाओं के बाद जिसपर संदेह किया जा सकता है।

भारतीय लोकतंत्र को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है। इसमें त्रिस्तरीय चुनाव होते हैं- लोकसभा, विधानसभा तथा नगर/ग्राम पंचायत चुनाव। 1952 से आज तक हुए लोकसभा चुनावों की दिलचस्प जानकारी राष्ट्रीय नवीन मेल दे रहा है। जनता से चुने गए प्रतिनिधियों से मिलकर लोकसभा बनी होती है, जिन्हें वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा चुना जाता है। संविधान में उल्लिखित सदन की अधिकतम क्षमता 552 सदस्यों की है, जिनमें 530 सदस्य राज्यों का व 20 सदस्य केंद्रशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं और 2 सदस्यों को आंग्ल-भारतीय समुदायों के प्रतिनिधित्व के लिए राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किया जाता है।

लोकसभा सफरनामा

पहली लोकसभा : 1952-1957

कुल सीट **499**

कांग्रेस **364** (44.87 प्रतिशत)

सीपीआई **49**

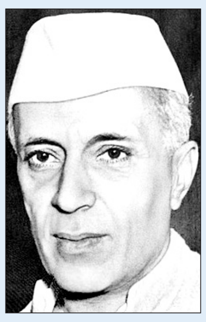

जवाहर लाल नेहरू

कांग्रेस पार्टी

जी.वी. मावलंकर पहली लोकसभा के अध्यक्ष बने थे।

कांग्रेस पार्टी 364 सीटों के साथ विजयी हुई, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) 49 में से 16 सीटें हासिल करके दूसरे स्थान पर रही। सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) ने जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया के साथ मिलकर 254 सीटों पर चुनाव लड़ा जिसमें से मात्र 12 सीटें हासिल कीं। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन (एससीएफ) जिन 35 सीटों पर चुनाव लड़ा उनमें से केवल दो सीटें ही सुरक्षित कर पाया और अम्बेडकर स्वयं चुनाव हार गये। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) 364 सीटों के साथ पहले लोकसभा चुनावों के बाद सत्ता में आई। इसके साथ पार्टी ने कुल पड़े वोटों का 45 प्रतिशत प्राप्त किया था।

स्वतंत्र भारत में चुनाव होने के पूर्व ही नेहरू के दो पूर्व कैबिनेट सहयोगियों ने कांग्रेस के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए अलग राजनीतिक दलों की स्थापना कर ली थी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक ओर जहां अक्टूबर, 1951 में जनसंघ की स्थापना की, वहीं दूसरी ओर दलित नेता बी.आर. आम्बेडकर ने अनुसूचित जाति महासंघ (जिसे बाद में रिपब्लिकन पार्टी का नाम दिया गया) को पुनर्जीवित किया।

उपलब्धियां

पंडित जवाहरलाल नेहरू को 'आधुनिक भारत का निमार्ता' कहा जाता है। उन्होंने शिक्षा से लेकर उद्योग जगत को बेहतर बनाने के लिए कई काम किए। उन्होंने आईआईटी, आईआईएम और विश्वविद्यालयों की स्थापना की। साथ ही उद्योग धंधों की भी शुरूआत की। उन्होंने भाखड़ा नांगल बांध, रिहंद बांध, हैवी इलेक्ट्रिकल कारपोरेशन (एचईसी) और बोकारो इस्पात कारखाना की स्थापना की थी। वह इन उद्योगों को देश के आधुनिक मंदिर मानते थे। जवाहरलाल नेहरू ने अपनी दूरदृष्टि और समझ से जो पंचवर्षीय योजनाएं बनाईं उनसे देश को आज भी लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री नेहरू के नेतृत्व में पहली पंचवर्षीय योजना कृषि क्षेत्र को ध्यान में रखकर बनाई गई तो दूसरी (1956-61) में औद्योगिक क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया। जिसके तहत देश के विभिन्न भागों में बड़े-बड़े उद्योगों की स्थापना की गई साथ ही देश में कई बड़े डैम बनाए गए।

चुनौतियां

सबसे पहली चुनौती देश की एकता की स्थापना थी। 1952 में नेहरू ने स्वयं कहा था कि देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य राष्ट्रीय एकता की स्थापना है। फिर 1957 में नेहरू ने कहा कि देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य आर्थिक विकास नहीं अपितु देश के लोगों का भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक एकीकरण है। जिस समय देश आजाद हुआ उस समय हमारे देश के नेता सबसे अधिक चिंतित राष्ट्रीय एकता के बारे में थे क्योंकि बिना राष्ट्रीय एकता के देश की स्वतंत्रता की रक्षा नहीं हो सकती थी। जवाहरलाल नेहरू का यह स्पष्ट रूप से मानना था कि बिना लोकतंत्र की स्थापना के देश में राष्ट्रीय एकता स्थापित नहीं की जा सकती। भारत विविधताओं वाला देश था और नेहरू के अनुसार इस देश को लोकतंत्र के ढांचे में ही बांधा जा सकता था। उनका मानना था कि हम बहुत ही खतरनाक युग में जी रहे हैं और इस युग में हम लोकतंत्र से ही अपनी रक्षा कर सकते हैं।

पहली पंच वर्षीय योजना के दौरान विकास दर 3.6 फीसदी दर्ज की गई। इसके अलावा प्रति व्यक्ति आय सहित अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ोतरी हुई। पहली पंचवर्षीय योजना कृषि क्षेत्र को ध्यान में रखकर बनाई गई तो दूसरी (1956-61) में औद्योगिक क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया। इस योजना के दौरान विकास दर 3.6 फीसदी दर्ज की गई, इसके अलावा प्रति व्यक्ति आय सहित अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ोतरी हुई।

दूसरी लोकसभा : 1957-1962

कुल सीट **505**

कांग्रेस **371** (47.78 प्रतिशत)

सीपीआई **29**

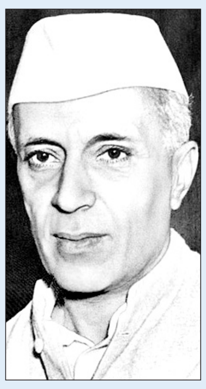

जवाहर लाल नेहरू

कांग्रेस पार्टी

पहली लोकसभा यानी 1952 की अपनी सफलता की कहानी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 1957 में आयोजित हुए दूसरे लोकसभा चुनावों में भी दोहराने में कामयाब रही। कांग्रेस के 490 उम्मीदवारों में से 371 सीटें जीतने में कामयाब रहे। पार्टी ने कुल 5,75,79,589 मतों की जीत के साथ 47.78 प्रतिशत बहुमत सुरक्षित रखा। अच्छे बहुमत के साथ पंडित जवाहरलाल नेहरू सत्ता में वापस लौटे।

11 मई, 1957 को एम. अनंथसायनम आयंगर को सर्वसम्मति से नई लोकसभा अध्यक्ष चुना गया।

1957 में निर्दलीयों को मतदान का 19 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

कांग्रेस की सदस्य फिरोज गांधी का उदय भी इस चुनाव में हुआ। जिन्होंने प्रधानमंत्री नेहरू की बेटी इंदिरा से शादी की थी। उन्होंने अनारक्षित सीट जीतने के लिए उत्तरप्रदेश के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नंदकिशोर को 29,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। 1957 के चुनाव की दिलचस्प बात यह रही कि इसमें एक भी महिला उम्मीदवार मैदान में नहीं थी।

उपलब्धियां

जवाहर लाल नेहरू चाहते थे कि भारत किसी भी देश के दबाव में न आए और विश्व में उसकी स्वतंत्र पहचान हो। जवाहरलाल नेहरु की विदेश नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा था उनका पंचशील का सिद्धांत जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता बनाए रखना और दूसरे राष्ट्र के मामलों में दखल न देने जैसे पांच महत्वपूर्ण शांति-सिद्धांत शामिल थे। नेहरू ने गुटनिरपेक्षता को बढ़ावा दिया। गुटनिरपेक्षता का मतलब यह है कि भारत किसी भी गुट की नीतियों का समर्थन नहीं करेगा और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बरकरार रखेगा। यह अब तक हमारे विदेश नीति का मुख्य आधार बना हुआ है। 1962 में नेहरू सरकार ने सैनिक कार्रवाई कर गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया और इसे भारत का अभिन्न अंग बनाया। इसे लेकर कई वर्षों से आंदोलन चल रहा था।

चुनौतियां

'द्रविड़ कड़गम' पहली गैर राजनीतिक पार्टी थी जिसने द्रविड़नाडु बनाने की मांग रखी। नेहरू की अगुवाई में कैबिनेट ने 5 अक्टूबर 1963 को संविधान का 16वां संशोधन पेश कर दिया और इसी के साथ अलगावादियों की कमर टूट गई। संविधान के इस संशोधन के बाद द्रविड़ कड़गम को द्रविड़नाडु की मांग को हमेशा के लिए भूलना पड़ा। इसी कार्यकाल में जवाहर लाल नेहरू सरकार ने जम्मू और कश्मीर मामले में कई फैसले लिए जिनकी जमकर आलोचना हुई। उन्होंने संविधान में अनुच्छेद 370 जोड़कर कश्मीर को लगभग स्वायत्ता प्रदान कर दी। जिससे वहां के शासन में केंद्र सरकार की भूमिका लगभग गौण हो गई, जो बाद में वहां उग्रवाद और धार्मिक अलगाववाद का कारण बना।

संसद में नेहरू विपक्षी नेताओं की बात ध्यान से सुनते थे। 1963 में अपनी पार्टी के सदस्यों के विरोध के बावजूद भी उन्होंने अपनी सरकार के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा कराना मंजूर किया। अटल जी ने पंडित नेहरू से कहा था कि उनके अंदर चर्चिल भी है और चैंबरलिन भी है। लेकिन नेहरू उनकी बात का बुरा नहीं माने।

तीसरी लोकसभा : 1962-1967

कुल सीट **508**

कांग्रेस **361** (44.72 प्रतिशत)

सीपीएम **9.94%**

स्वतंत्र पार्टी **7.89%**

जवाहर लाल नेहरू

कांग्रेस पार्टी

लालबहादुर शास्त्री

कांग्रेस पार्टी

गुलजारीलाल नंदा

कांग्रेस पार्टी

इंदिरा गांधी

कांग्रेस पार्टी

कांग्रेस को 1957 के चुनावों में जवाहरलाल नेहरू ने बहुमत के साथ शानदार जीत दिलाई थी। सदमे से पीड़ित हुए जवाहर लाल नेहरू का दिल का दौरा पड़ने से 27 मई 1964 को उनका निधन हो गया। तदोपरांत 2 सप्ताह के लिए वयोवृद्ध कांग्रेसी नेता गुलजारीलाल नंदा ने उनकी जगह ली। शास्त्री जी 9 जून से 11 जनवरी 1966 तक प्रधानंत्री रहे।

शास्त्री जी के निधन के उपरांत 24 जनवरी 1966 को इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी। पुराने कांग्रेसी नेता मोरारजी देसाई ने इसका कड़ा विरोध किया था इसके बावजूद इंदिरा गांधी 24 जनवरी 1966 को प्रधानमंत्री बनीं। वास्तव में यह समय कांग्रेस के लिए सबसे अच्छा नहीं था। पार्टी आंतरिक संकटों से जूझ रही थी और देश हाल में लड़े गए दो युद्धों के प्रभाव से उबर रहा था।

उपलब्धियां

9 जून, 1964 को, लाल बहादुर शास्त्री भारत के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय अभियान श्वेत क्रांति को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने के लिए हरित क्रांति को भी बढ़ावा दिया। उन्होंने देश जय जवान-जय किसान जैसा अमर नारा भी दिया। शास्त्री ने नेहरू की गुटनिरपेक्ष नीति को जारी रखा, लेकिन सोवियत संघ के साथ धनिष्ठ भी संबंध बनाए रखा। 1964 में, उन्होंने सीलोन में भारतीय तमिलों की स्थिति के संबंध में श्रीलंका के प्रधानमंत्री सिरीमावो बंदरानाइक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। 1965 में भारत ने पाकिस्तान से एक और आक्रामण का सामना किया। उन्होंने जवाबी कार्रवाई करने के लिए सुरक्षा बलों को स्वतंत्रता दी और कहा कि शत्रु से फोर्स के साथ मुलाकात की जाएगी और भारतीय सेना को नया मनोबल दिया।

चुनौतियां

साल 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद, देश आर्थिक रूप से कमजोर हो गया था। जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद, शास्त्री प्रधानमंत्री बने। उन दिनों देश में खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो गया था और खाद्य पदार्थों का आयात बढ़ गया था। उनके सामने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित करने की दोहरी चुनौती थी। आजादी के बाद भारत के लोगों को भूखमरी से निकालने के लिए किसान की आर्थिक स्थिति सुधारने, फसल उत्पादन और पशुपालन में बदलाव करने के लिए उन्होंने हरित क्रांति और दूध के लिए श्वेत क्रांति की नींव रखी। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान, अमेरिका ने पी-एल 480 स्कीम के तहत गेहूं आपूर्ति रोकने की धमकी दी। इसके बाद लाल बहादुर शास्त्री ने अमेरिका को जवाब देते हुए खुद ही अमेरिका से गेहूं लेना बंद कर दिया।

23 सितंबर, 1965 को भारत-पाक युद्ध समाप्त हो गया, 10 जनवरी, 1966 को रूसी प्रधानमंत्री कोश्गीन ने लालबहादुर शास्त्री और उनके पाकिस्तानी समकक्ष अयूब खान से ताशकंद घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने की पेशकश की। लाल बहादुर शास्त्री ताशकंद गए 11 जनवरी, 1966 की रात रहस्मय परिस्थितियों में वहीं उनका निधन हो गया। उन्हें 1966 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

चौथी लोकसभा : 1967-1970

कुल सीट **523**

कांग्रेस **283** (56 प्रतिशत)

स्वतंत्रता पार्टी **44%**

जनसंघ **35%**

इंदिरा गांधी

कांग्रेस पार्टी

देश अप्रैल 1967 में आजादी के बाद चौथी चुनाव पूर्व की राजनीतिक गतिविधियों से गुजर रहा था। जिस कांग्रेस ने अब तक चुनावों में 73 प्रतिशत से कम सीटें नहीं जीती थीं, आगे आने वाला समय उसके लिए और बुरा साबित होने वाला था। कांग्रेस के आंतरिक संकट का प्रभाव 1967 के चुनाव परिणामों में साफ दिखाई दिया। पहली बार कांग्रेस ने निचले सदन में करीब 60 सीटों को खो दिया है, उसे 283 सीटों पर जीत प्राप्त हुई। 1967 तक सबसे पुरानी पार्टी ने विधानसभा चुनावों में भी कभी 60 प्रतिशत से कम सीटें नहीं जीती थीं। यहां भी कांग्रेस को एक बड़ा झटका सहना पड़ा, क्योंकि बिहार, केरल, उड़ीसा, मद्रास, पंजाब और पश्चिम बंगाल में गैर-कांग्रेसी सरकारें स्थापित हुईं।

इस सब के साथ इंदिरा गांधी को, जो रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गईं थीं, 13 मार्च को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। असंतुष्ट आवाजों को शांत रखने के लिए उन्होंने मोरारजी देसाई को भारत का उपप्रधानमंत्री और भारत का वित्तमंत्री नियुक्त किया।

उपलब्धियां

शास्त्रीजी की अप्रत्याशित मृत्यु के बाद 24 जनवरी, 1966 को भारत के प्रधान मंत्री का पद संभालकर इंदिरा गाँधी ने योगदान दिया। इसके बाद उन्होंने गरीबी हटाने के लिए नई योजनएं बनाईं। बैंकों का राष्ट्रीय करण उनके इस कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक रहा। इसके बाद पार्टी में आंतरिक विरोध के बाद 1969 में इंदिरा गांधी को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। अपने निष्कासन के बाद इंदिरा गांधी ने अधिकांश पार्टी के सदस्यों के समर्थन से, कांग्रेस के भीतर एक अलग समूह के रूप में नई कांग्रेस का गठन कर चुनाव लड़ा और सत्ता में वापसी की। इसके बाद देश ने एक मजबूत प्रधानमंत्री का कार्यकाल देखा।

पांचवीं लोकसभा : 1971-1977

कुल सीट **521**

कांग्रेस **352** (67 प्रतिशत)

सीपीआई **25%**

इंदिरा गांधी

कांग्रेस पार्टी

1971 में इंदिरा गांधी ने कांग्रेस को भारी बहुमत से जीत दिलाई। 'गरीबी हटाओ' (गरीबी को खत्म करो) के चुनावी नारे के साथ प्रचार करते हुए वे 352 सीटों के साथ संसद में वापस आईं। पिछले चुनावों की 283 सीटों के मुकाबले यह उल्लेखनीय सुधार था। दिसंबर 1971 में भारत की जीत का सभी भारतीयों द्वारा स्वागत किया गया, क्योंकि यह चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से राजनयिक विरोधों का सामना करते हुए प्राप्त हुई थी। उस समय तत्कालीन सोवियत संघ और पूर्वी ब्लॉक के देशों को छोड़कर शायद ही किसी अन्य देश ने भारत का अंतरराष्ट्रीय समर्थन किया था।

1971 युद्ध, आपातकाल की घोषणा

- 1971 में इंदिरा गांधी ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान साहसिक निर्णय लिया जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश मुक्त हो गया।
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को चुनावी भ्रष्टाचार के आधार पर उनके 1971 के चुनाव को अवैध ठहरा दिया।

उपलब्धियां

न्यू कांग्रेस समूह ने 1971 के लोकसभा चुनावों में रूढ़िवादी पार्टियों के गठबंधन को हराकर भारी जीत हासिल की। लोकसभा में भारी बहुमत हासिल करने के बाद, पूर्वी पाकिस्तान के मुद्दे पर अपना मजबूत समर्थन देकर इंदिरा गाँधी ने योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेशका निर्माण हुआ। पाकिस्तान पर भारत की जीत और बांग्लादेश के निर्माण ने उन्हें अत्यधिक लोकप्रियता दिलाई। मार्च 1972 में, उनकी पार्टी ने बड़ी संख्या में राज्य चुनावों में जीत हासिल की। लेकिन बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार के कारण लोगों में रोष बढ़ने लगा। जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश में आंदोलन का नया दौर चल पड़ा।

बढ़ते लोकतंत्र की झलकियां

स्वतंत्रता के बाद प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा में अपना प्रसिद्ध 'ट्रिस्ट विथ डेस्टिनी' भाषण दिया।

पहले पंचवर्षीय योजना को अंतिम रूप देते प्रधानमंत्री नेहरू। इसी के साथ पंचवर्षीय योजनाएं देश में शुरू हुईं।

1962 में चीन ने भारत पर हमला कर दिया, इससे नेहरू को गहरा झटका लगा, एक मोर्चे पर सैनिकों से बात करते नेहरू।

हरित क्रांति का आगाज, प्रधानमंत्री शास्त्री और डॉ. एमएस स्वामीनाथन के नेतृत्व में किसानों को मिली नई राह।

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1969 में देश के 14 प्रमुख बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया, इसका लोगों ने समर्थन किया।

1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना ने भारत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और बांग्लादेश नया राष्ट्र बना।

भारतीय राजनीति में 1977 से लेकर 1998 तक के दौर को गठबंधन सरकार चलाना सीखने के दौर के रूप में देखा जा सकता है। इस पूरे कालखंड में सिर्फ इंदिरा गांधी की 1980 की सरकार और राजीव गांधी की 1984 की सरकार पूर्ण बहुमत की सरकार रही। 1989 में वीपी सिंह के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनी, लेकिन गठबंधन की मजबूरियों के कारण सरकार गिर गई। वही हाल चंद्रशेखर सरकार की भी हुई। नरसिम्हा राव सरकार पांच साल तो चली, लेकिन कई करतब करने पड़े। उसके बाद वाजपेयी की दो सरकारें, देवगौड़ा और गुजराल की सरकार भी नहीं चल पाई।

लोकसभा सफरनामा

छठी लोकसभा : 1977-1980

कुल सीट **544**

जनता पार्टी **295**

54.2 प्रतिशत

कांग्रेस **154**

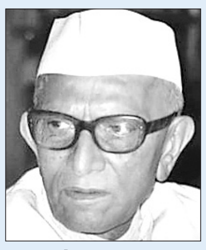

मोरारजी देसाई

जनता पार्टी

सीपीएम **22**

राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक नागरिक स्वतंत्रताओं को समाप्त कर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने व्यापक शक्तियां अपने हाथ में ले ली थीं। आपातकाल की वजह से इंदिरा गांधी की लोकप्रियता कम हुई और चुनावों में उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ी। कांग्रेस की लगभग 200 सीटों पर हार हुई। चार विपक्षी दलों- कांग्रेस (ओ), जनसंघ, भारतीय लोकदल और समाजवादी पार्टी ने जनता पार्टी बनाई और मोरारजी देसाई के नेतृत्व में 298 सीटें जीतीं। इंदिरा गांधी, जो 1966 से सरकार में थीं और उनके बेटे संजय गांधी चुनाव हार गए।

उपलब्धियां

मोरारजी देसाई पहले भारतीय प्रधानमंत्री थे जो कांग्रेस पार्टी से नहीं थे। वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति थे (और आज भी हैं)। अपने दो साल के कार्यकाल में उन्होंने कई बड़े सुधार किए। 16 जनवरी 1978 को उन्होंने 1,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये के नोटों को बंद करने का निर्णय लिया है। भारतीय खुफिया विभाग 'रॉ' के कार्य को उन्होंने शिथिल कर दिया। शांति सक्रियता का समर्थन किया और पाकिस्तान के साथ शांति वार्ता शुरू की। वे विदेशी उद्योगों के प्रति भी सख्त रहे।

चरण सिंह (28 जुलाई, 1979- 14 जनवरी, 1980)

किसानों के चैंपियन माने जाने वाले चौधरी चरण सिंह ने कुछ ही समय तक पद संभाला। भारत के विकास से निपटने के लिए नवीन रणनीतियां प्रस्तुत कीं, पिछड़े वर्गों के उत्थान के बारे में चरण सिंह काफी मुखर रहे।

चुनौतियां

जनता सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती आसी सामंजस्य का था। कई नेता ऐसे थे जो एक दूसरे को नीचा दिखाने में ज्यादा व्यस्थ रहते थे। वहीं जनता सरकार के आर्थिक नीतियों के कारण भी सरकार में आंतरिक विरोध बढ़ता जा रहा था। चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व में दूसरी सरकार का गठन हुआ। तमाम दलों और विचाराधारा से मिलकर बनी जनता पार्टी ही उसके बिखराव का असल कारण बनी। जनसंघ से जनता पार्टी में आए नेताओं की दोहरी सदस्यता अहम मुद्दा बना, उनपर आरएसएस से नाता तोड़ने का दबाव बढ़ा। यह विवाद इतना गहरा गया कि 1980 के आम चुनाव में जनता पार्टी की हार के बाद पुराने जनसंघियों ने फैसला किया कि एक नई छवि वाली नई पार्टी बनाई जाए. इसके नतीजे में बीजेपी वजूद में आई। वहीं मूल जनता पार्टी कई दलों में टूट गई। कई क्षेत्रीय पार्टियां अस्तित्व में आईं और सभी जनता पार्टी के तर्ज पर राजनीति करती रहीं।

सातवीं लोकसभा : 1980-1984

कुल सीट **531**

कांग्रेस **353**

66.4 प्रतिशत

जनता पार्टी **41**

इंदिरा गांधी

कांग्रेस पार्टी

सीपीआई **37**

आपातकाल के दौरान मानवाधिकार हनन की जांच के लिए जो अदालतें सरकार ने गठित की थीं वे इंदिरा गांधी के खिलाफ प्रतिशोधपूर्ण दिखाई पड़ीं थीं। इंदिरा ने स्वयं को एक परेशान महिला के रूप में चित्रित करने का कोई मौका नहीं गंवाया। जनता पार्टी के नेताओं के बीच की लड़ाई और देश में फैली राजनीतिक अस्थिरता ने कांग्रेस (आई) के पक्ष में काम किया जिसने मतदाताओं को इंदिरा गांधी की मजबूत सरकार की याद दिला दी। कांग्रेस ने लोकसभा में 351 सीटें जीतीं और जनता पार्टी या बचे हुए गठबंधन को 32 सीटें मिलीं।

उपलब्धियां

1980 में, गांधी ने एक नई पार्टी-कांग्रेस (आई) के तहत चुनाव प्रचार किया और प्रधानमंत्री के रूप में अपने चौथे कार्यकाल के लिए चुनी गईं। यह कार्यकाल उनके लिए काफी कठिनाई से भरा था। 1984 में, पंजाब के अमृतसर में स्थित पवित्र स्वर्ण मंदिर पर सिख उग्रवादियों ने कब्जा कर लिया था, जो एक स्वायत्त राज्य की मांग कर रहे थे। जवाब में, गांधी ने बलपूर्वक मंदिर को वापस पाने के लिए भारतीय सैनिकों को भेजा। इसके बाद हुई गोलीबारी में सैकड़ों सिख मारे गए, जिससे सिख समुदाय के भीतर विद्रोह भड़क उठा। देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ने लगी। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में टैक्स प्रणाली में परिवर्तन किया, आयकर दरों में भी परिवर्तन कर मध्यम वर्ग को राहत देने की कोशिश की गई।

चुनौतियां

1980 से 1984 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दूसरे चरण के दौरान, इंदिरा गांधी को एक जटिल आर्थिक परिदृश्य का सामना करना पड़ा, जिसमें घरेलू चुनौतियों और वैश्विक अनिश्चितताओं दोनों की विशेषता थी। गांधी को एक ऐसी अर्थव्यवस्था विरासत में मिली जो मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और बढ़ते राजकोषीय घाटे से जूझ रही थी। उसी समय वैश्विक तेल संकट और पड़ोसी देशों के साथ बढ़ते तनाव जैसे बाहरी दबाव की भी चुनौती थी। इधर देश के अंदर भी पंजाब में उग्रवाद चरम पर था। वहां से लोग पलायन कर रहे थे। वहीं विदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। चुनौतियों के बीच उन्होंने काम शुरू किया लेकिन 31 अक्टूबर 1984 में उनकी हत्या हो गई।

आठवीं लोकसभा : 1984-1989

कुल सीट **516**

कांग्रेस **414**

80.2 प्रतिशत

टीडीपी **30**

राजीव गांधी

कांग्रेस पार्टी

सीपीएम **22**

बीजेपी **02**

31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या ने कांग्रेस के लिए ऑक्सीजन का काम किया तथा उसके लिए सहानुभूति मत बनाए। इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद लोकसभा को भंग कर दिया गया और राजीव गांधी ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। चुनाव प्रचार के दौरान राजीव गांधी ने लोगों को अपने परिवार के योगदान की याद दिलाई और खुद को एक सुधारक के रूप में प्रस्तुत किया। इस चुनाव में कांग्रेस ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। तेलुगुदेशम पार्टी 30 सीटों के साथ संसद में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई।

उपलब्धियां

40 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव रखने की दिशा में काम किया। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 में देश के प्रधानमंत्री बने। उन्हें भारत की आईटी क्रांति में सबसे अधिक योगदान देने का श्रेय दिया जाता है। 1984 में भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना के लिए सेंटर पार डिवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स की स्थापना हुई। भारतीय रेलवे में टिकट जारी होने की कंप्यूटरीकृत व्यवस्था भी शुरू हुई। उनके कार्यकाल में लाइसेंस राज में कमी लाई गई। वोट देने की उम्र 18 वर्ष कर युवाओं को मताधिकार दिया। राजीव गांधी ने देश में पंचायतीराज व्यवस्था को सशक्त किया। पंचायतीराज व्यवस्था का मकसद सत्ता का विकेंद्रीकरण रहा। 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की। इसके साथ ही नवोदय विद्यालय की स्थापना की गई। इसमें कक्षा छह से 12 वीं तक की मुफ्त शिक्षा दी जाती है।

चुनौतियां

1984 में इंदिरा गांधी की मौत के बाद राजीव गांधी का एक बयान आया था, जिसमें उन्होंने कहा था, जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। इस ब्यान को 1984 के सिख विरोधी दंगों से जोड़कर देखा जाता रहा। शाह बानो केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने पर घोर किरकिरी हुई। इसे मुस्लिम तुष्टीकरण से जोड़कर उनपर हमेशा विरोधी हमले करते रहे। 1984 के भोपाल गैस कांड के आरोपी वारेन एंडरसन को केंद्र सरकार के संरक्षण में सुरक्षित भगाया दिया गया। 1986 में भारत का स्वीडिश कंपनी एबी बोफोर्स से सौदा हुआ था। सौदे की कीमत 1437 करोड़ रुपए थी, सौदे के तहत भारतीय सेना को 400 होवित्जर तोप मिलनी थीं। लेकिन इस सौदे में भ्रष्टाखर का आरोप राजीव गांधी सहित कई लोगों पर लगे।

नौवीं लोकसभा : 1989-1991

कुल सीट **531**

कांग्रेस **197**

37 प्रतिशत

जनता दल **143**

वी.पी. सिंह

जनता दल, 2 दिसंबर से 10 दिसंबर 1990

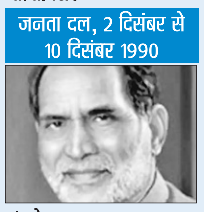

चंद्रशेखर

सजपा, 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991

बीजेपी **85**

11 अक्टूबर, 1988 को जन मोर्चा, जनता पार्टी, लोकदल और कांग्रेस (एस) के विलय से जनता दल की स्थापना हुई ताकि सभी दल एकसाथ मिलकर राजीव गांधी सरकार का विरोध करें। जल्द ही द्रमुक, तेदेपा और अगप सहित कई क्षेत्रीय दल जनता दल से मिल गए और नेशनल फ्रंट की स्थापना की। पांच पार्टियों वाला नेशनल फ्रंट, भारतीय जनता पार्टी और दो कम्युनिस्ट पार्टियों भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (सीपीआई-एम) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के साथ मिलकर 1989 के चुनाव मैदान में उतरा। जनता दल ने 143 सीटें जीतीं।

उपलब्धियां

वीपी सिंह ने भ्रष्टाचार को पहली बार राष्ट्रीय राजनीति का मुद्दा बनाया और देश का एक आम चुनाव इसी मुद्दे पर लड़ा गया। राजीव गांधी की कैबिनेट में रहते हुए उन्होंने बोफोर्स और एचडीडब्ल्यू पनडुब्बी सौदों में रिश्वतखोरी का मामला उठाया। इस सवाल पर राजीव गांधी सरकार से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। 1989 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई और कम्युनिस्टों और बीजेपी के समर्थन से वीपी सिंह प्रधानमंत्री बने। उन्होंने मंडल कमीशन की रिपोर्ट की एक सिफारिश लागू करके ओबीसी को केंद्र सरकार की नौकरियों में आरक्षण दिया। ये रिपोर्ट 1980 से केंद्र सरकार के पास पड़ी थी। आर्थिक चुनौतियां अभी भी सरकार के पास थीं लेकिन सरकार मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करने के बाद इसके विरोध से निपटने में व्यस्त हो गई।

चुनौतियां

मंडल कमीशन लागू होते ही ये सब बदल गया। सवर्ण हिंदू चट्टान की तरह एकजुट हो गए। कट्टरपंथी से लेकर सेकुलर, मार्क्सवादी से लेकर गांधीवादी, शहरी से लेकर ग्रामीण सभी सवर्ण इस मुद्दे पर जिस तरह इकट्ठा हुए, वैसी एकता किसी और मुद्दे पर नहीं बनी थी। कई जगह छात्रों ने उग्र आंदोलन शुरू कर दिया। कई छात्रों ने आत्मदाह कर लिया। मंडल रिपोर्ट तो वीपी सिंह ने लागू किया लेकिन पहचान बनी मुलायम सिंह यादव, लालू,नीतीश जैसे नेताओं की। इसी समय राम मंदिर के मुद्दे पर लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से रथ यात्रा प्रारंभ कर दिया। भाजपा ने घोषणा कर दी कि आडवाणी के रथ को रोका गया तो वे सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे। बिहार में आडवाणी का रथ रोक लिया गया और वीपी सिंह सरकार गिर गई।

दसवीं लोकसभा : 1991-1996

कुल सीट **508**

कांग्रेस **232**

45.6 प्रतिशत

बीजेपी **120**

नरसिम्हा राव

कांग्रेस

जनता दल **59**

चुनावों के परिणामों के बाद एक त्रिशंकु संसद बनी जिसमें 232 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और 120 सीटों के साथ भाजपा दूसरे स्थान पर रही। जनता दल सिर्फ 59 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। 21 जून को कांग्रेस के पी.वी. नरसिंहराव ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। राव, नेहरू-गांधी परिवार के बाहर दूसरे कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। नेहरू-गांधी परिवार के बाहर पहले कांग्रेसी प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री थे। इस बार के संसदीय चुनावों में अब तक का सबसे कम मतदान हुआ, इसमें केवल 53 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राष्ट्रीय मोर्चे में फैली अव्यवस्था ने कांग्रेस की वापसी के संकेत दे दिए थे।

उपलब्धि

भारतीय आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले नरसिम्हा राव ने भारत के विकास और वैश्वीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में भारत ने अपने आर्थिक मॉडल में बदलाव का अनुभव किया; मिश्रित अर्थव्यवस्था से बाजार अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं। 1991 के भारत के आर्थिक संकट का प्रबंधन किया, लाइसेंस राज समाप्त किया, विदेशी निवेश के लिए इक्विटी बाजार खोले गए।

ग्यारहवीं लोकसभा : 1996-1998

कुल सीट **545**

बीजेपी **161**

29.5 प्रतिशत

कांग्रेस **140**

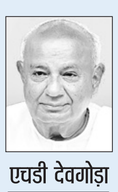

एचडी देवगौड़ा
जनता दल सेक्यूलर

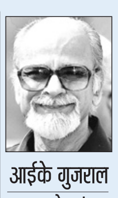

आईके गुजराल
यूनाइटेड फ्रंट

अटल बिहारी वाजपेयी

भाजपा

जनता दल **46**

11वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव परिणामों से एक बार फिर त्रिशंकु संसद बनी और 2 वर्ष तक राजनीतिक अस्थिरता रही जिसके दौरान देश के 3 प्रधानमंत्री बने। जनता दल के नेता देवेगौड़ा ने 1 जून को एक संयुक्त मोर्चा गठबंधन सरकार का गठन किया। उनकी सरकार 18 महीने चली। देवेगौड़ा के विदेश मंत्री इंद्रकुमार गुजराल ने प्रधानमंत्री के रूप में अप्रैल 1997 में पदभार संभाला, भाजपा ने 161 सीटें जीतीं और कांग्रेस ने 140 संसद की सीटें जीतीं।

उपलब्धि

भारत के सबसे प्रसिद्ध राजनेताओं में से एक, वाजपेयी पूरे कार्यकाल तक पद पर बने रहने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। उनके कार्यकाल में, भारत एक नए युग में प्रवेश कर गया और बहुत सारे बदलाव देखे। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं। भारत ने पोखरण द्वितीय परमाणु परीक्षण किया। निजी क्षेत्र और विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया गया, कार्यान्वित राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना, सर्व शिक्षा अभियान का क्रियान्वयन किया।

बढ़ते लोकतंत्र की झलकियां

संपूर्ण क्रांति आंदोलन के तहत पटना में जय प्रकाश नारायण की गिरफ्तारी के लिए पटना में पहुंची पुलिस।

ये इमरजेंसी के दौर में ली गई ऐतिहासिक तस्वीर है। जार्ज फर्नांडिस को पुलिस बेड़ियों में जकड़ कर ले जा रही है।

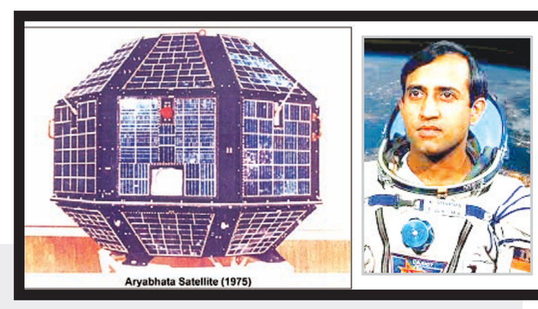

आर्यभट्ट भारत में डिजाइन किया गया पहला उपग्रह था, वहीं राकेश शर्मा देश के पहले अंतरिक्ष यात्री थे।

पोखरन 1 या लाफिंग बुद्धा के नाम से प्रसिद्ध परमाणु परीक्षण के बाद स्थल मुआयना करतीं इंदिरा गांधी।

पोखरन 2 के नाम से प्रसिद्ध परमाणु परीक्षण के बाद स्थल मुआयना करते प्रधानमंत्री वाजपेयी व जार्ज।

कारगील युद्ध में पाकिस्तान को तगड़ी शिकस्त देने के बाद जश्न मनाते भरतीय सेना के जवान।

भारतीय राजनीति में 1999 के बाद का दौर परिपक्व गठबंधन की राजनीति का दौर रहा है। दो बार गठबंधन सरकार की ठोकर खाने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने 1999 से 2004 तक राजग की गठबंधन सरकार का सफल नेतृत्व किया। फिर यही क्रम मनमोहन सिंह की यूपीए 1 और यूपीए 2 में देखने को मिला। हां, इन सरकारों में भी सहयोगी दलों के तोलमोल और दबाव का खेल चला। लेकिन, 2014 से अगले दस साल तक राजग की ऐसी मजबूत गठबंधन सरकार देखने को मिली, जिसमें एक दल के पास बहुमत होने के बावजूद गठबंधन सरकार चली।

लोकसभा सफरनामा

बारहवीं लोकसभा : 1998-1999

कुल सीट
545
बीजेपी
182
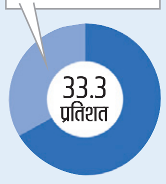

कांग्रेस
141

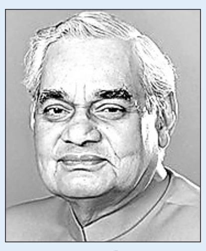
अटल बिहारी वाजपेयी
भाजपा
सीपीआई
32

12वीं लोकसभा केवल 413 दिन चली, जो उस तिथि तक का सबसे कम समय था। एक व्यवहार्य विकल्प के अभाव के कारण तब विघटन हो गया, जब 13 महीने पुरानी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को 17 अप्रैल को केवल 1 मत से बेदखल कर दिया गया। ऐसा 5वीं बार हुआ था, जब लोकसभा को अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले भंग कर दिया गया। पिछली बार आम चुनाव अप्रैल/मई 1996 में आयोजित हुए थे। चुनाव पश्चात गठबंधन की रणनीति ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 265 सीटों का कार्यकारी बहुमत प्रदान किया।

उपलब्धियां

गठबंधन के भीतर राजनीतिक अस्थिरता के कारण प्रतिनिधि सभा का अब यह तक का सबसे छोटा सत्र था। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व ने भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि हासिल करने में मदद की। भारत के सबसे करिश्माई राजनेताओं में से एक, सत्तारूढ़ भाजपा में नेतृत्व के स्वर्णिम मानक, वाजपेयी ने 1998 में परमाणु परीक्षण का आदेश दिया और 1999 में एक भव्य कूटनीतिक इशारे में बस से पाकिस्तान की यात्रा की। वह पहले राजनेता थे जिन्होंने वास्तव में कांग्रेस, महान पुरानी पार्टी की विरासत को चुनौती दी, क्योंकि वह पूर्ण कार्यकाल तक चलने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। उन्होंने कई विकास योजनाएं शुरू कीं। लेकिन गठबंधन हमेशा उनकी गति में रोड़े डालता रहा। जिस कारण कई योजनाएं पूरी तरह से काम नहीं कर पाईं। उन्होंने विश्वास मत के दौरान पोखरन शक्ति परीक्षण पर सोनिया गांधी के कटाक्ष का करारा जवाब भी दिया।

चुनौतियां

अटल बिहारी वाजपेयी भारत के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों में से एक रहे हैं। वह तीन बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन उनका पहला कार्यकाल महज 13 दिन और दूसरा कार्यकाल 13 महीनों का रहा। अटलजी की सरकार के गिरने के पीछे जिस सांसद को जिम्मेदार माना जाता है, वो थे ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री गिरिधर गोमांग। इन्होंने अटलजी की सरकार के खिलाफ वोट किया था। लोकसभा में वोटिंग के दौरान पक्ष में 269 वोट डले थे। वहीं विपक्ष में गिरधर गोमांग के वोट डालते ही वोटों की संख्या 270 हो गई और महज एक वोट से अटलजी की सरकार गिर गई। राजनीतिक घटनाक्रम में 13 महीनों बाद एआईडीएमके ने सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद अटल सरकार अल्पमत में आ गई और राष्ट्रपति ने सरकार को बहुमत साबित करने के लिए कहा। भाजपा 182 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी लेकिन बहुमत से वे एक कम रह गए।

तेरहवीं लोकसभा : 1999-2004

कुल सीट
545
बीजेपी
182
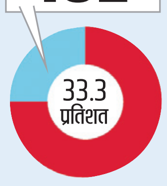

कांग्रेस
114

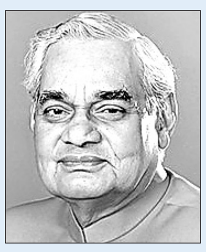
अटल बिहारी वाजपेयी
भाजपा
सीपीआई
33

राजनीतिक विस्तार के आधार पर 1991, 1996 और 1998 के चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगियों ने लगातार प्रगति की और क्षेत्रीय विस्तार के कारण राजग प्रतिस्पर्धी बन गया और यहां तक कि उसने कांग्रेस की बहुलता वाले क्षेत्रों जैसे उड़ीसा, आंध्रप्रदेश और असम में भी सबसे ज्यादा वोट प्राप्त किए थे। ये कारक 1999 के चुनाव परिणामों में निर्णायक साबित हुए थे। 6 अक्टूबर को आए परिणाम में राजग को 298 सीटें मिलीं तथा कांग्रेस और उसके सहयोगियों को 136 सीटों पर विजय प्राप्त हुई। वाजपेयी ने 13 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लिया और अपना 5 साल कार्यकाल पूरा किया।

उपलब्धियां

वाजपेयी सरकार ने चुनावों में पारंपरिक मतपत्रों के साथ-साथ पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का प्रयोग भी देखा गया। इसी समय पाकिस्तान ने कारगिल युद्ध शुरू कर दिया। जिसमें वाजपेयी ने दृढ़ता का परिचय देते हुए सेना का मनोबल बढ़ाया और हमारी सेना विजयी हुई। 2001 में संसद पर हमला, 2002 के गुजरात दंगे और बीजेपी के भीतर वैचारिक दरार ने बाद में एनडीए के लिए मुसीबत बढ़ी। बावजूद इसके वाजयेपी सरकार ने भारत के सड़क नेटवर्क का विस्तार करते हुए स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरूआत की। इससे पूरे देश में सड़कों की जाल बिछाने का काम शुरू हुआ। आतंकवादी व खासकर के 2001 में लोकसभा पर हमले के बाद पोटा कानून लाया गया।

चुनौतियां

वाजपेयी सरकार अचछी तरह चल रही थी। सभी क्षेत्रों में सरकार का प्रदर्शन अच्छा था। 2004 में लोकसभा चुनाव के पहले सरकार ने तीन राज्यों में शानदार जीत दर्ज की थी। इससे उत्साहित पार्टी के रणनीतिकारों ने साइनिंग इंडिया का नारा दिया और हर क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम को दर्शाते हुए चुनाव में उतरे। वहीं कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने सरकार को घेरने के लिए आपसी सामंजस्य बनाकर से चुनाव लड़ा। जिसमें वाजपेयी सरकार परास्त हो गई। इस चुनाव में हार के बाद वाजपेयी ने स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया। पार्टी का नेतृत्व अब उनके लंबे समय से साथी रहे लाल कृष्ण आडवाणी के हाथों आ गई। उन्हें 2015 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

चौदहवीं लोकसभा : 2004-2009

कुल सीट
545
कांग्रेस
145
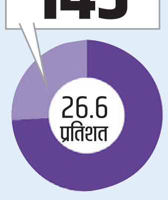

बीजेपी
138

डॉ. मनमोहन सिंह
कांग्रेस पार्टी

राष्ट्रीय मुद्दों की बजाय लोग अपने आसपास के मुद्दों जैसे पानी की कमी, सूखा आदि के बारे में ज्यादा चिंतित थे और भाजपा के सहयोगी सत्ता विरोधी भावनाओं का सामना कर रहे थे। 13 मई को भाजपा ने हार को स्वीकार किया और कांग्रेस अपने सहयोगियों की मदद और सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में 543 में से 335 सदस्यों (बसपा, सपा, एमडीएमके और वाम मोर्चा के बाहरी समर्थन सहित) का बहुमत प्राप्त करने में सफल रही। चुनाव के बाद हुए इस गठबंधन को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) कहा गया और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने।

उपलब्धियां

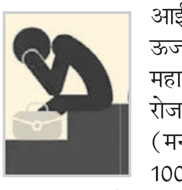

बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए मनमोहन सरकार रोजगार गारंटी योजना लेकर आई थी, जिसने देश को नई ऊर्जा दी। मनमोहन सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत साल भर में 100 दिनों का रोजगार और हर दिन 100 रुपये न्यूनतम मजदूरी तय की गई। यह योजना 2 फरवरी 2006 को 200 जिलों में शुरू की गई, 1 अप्रैल 2008 तक इसे भारत के सभी 593 जिलों में इसे लागू कर दिया गया। मनमोहन सरकार के दौरान ही देश में 6 से 14 वर्ष के हर बच्चे को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा आधिकार अधिनियम 2009 बनाया। यह पूरे देश में अप्रैल 2010 से लागू किया गया। महत्वपूर्ण सूचना का अधिकार भी मनमोहन सरकार की ही देन है।

चुनौतियां

2004 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 145, जबकि बीजेपी को 138 सीटें मिली थीं। ऐसे में एनडीए को सत्ता में आने से रोकने के लिए कांग्रेस ने अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर यूपीए का गठन किया। यूपीए के गठन में कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी और सीपीएम के दिवंगत महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत की अहम भूमिका रही। तब विपक्षी दलों को कांग्रेस के साथ लाने का जिम्मा हरकिशन सिंह सुरजीत ने उठाया था। 2004 में यूपीए गठन के समय कांग्रेस को 14 पार्टियां ने समर्थन दिया। कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत यह गठबंधन बना था। गठबंधन सरकार होने के कारण सरकार के सामने कई चुनौतियां थीं। सहयोगी दल सरकार पर दबाव देकर अपने हित में फैसले करवाते थे, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता गया।

पंद्रहवीं लोकसभा : 2009-2014

कुल सीट
545
कांग्रेस
206
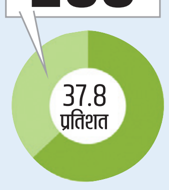

बीजेपी
116

मनमोहन सिंह
कांग्रेस पार्टी
सीपीएम
16

कांग्रेस ने 2009 के आम चुनाव में पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन किया और सहयोगी दलों के साथ मिलकर फिर से सरकार बनाई जबकि वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर मैदान में उतरी भारतीय जनता पार्टी कोई करिश्मा नहीं कर सकी। कांग्रेस ने इस चुनाव में मनमोहन सिंह को ही प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था और वह लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। इस चुनाव में भी यद्यपि किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला लेकिन कांग्रेस की सीटें बढ़कर 206 हो गईं और उसके नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की फिर से सरकार बनी।

उपलब्धियां

देश में भुखमरी आज भी बड़ी चुनौती है, यूपीए सरकार में 10 सितंबर, 2013 को इससे निपटने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम को लागू किया। इस स्कीम के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिये ग्रामीण क्षेत्रों में 75 फीसदी तक और शहरी क्षेत्रों की 50 फीसदी तक की आबादी को सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया। खाद्य सुरक्षा कानून बनने से देश की दो तिहाई आबादी को सस्ते में अनाज मिल रहा है। मनमोहन सरकार ने 1 जनवरी, 2013 को सब्सिडी को गलत हाथों में जाने से बचाने के लिए डायरेक्ट बेनिफिट स्कीम (डीबीटी) की शुरूआत की थी। इसका मुख्य लक्ष्य पारदर्शिता बढ़ाते हुए सब्सिडी वितरण में होने वाली धांधलियों को रोकना था। आज इसका दायरा काफी बढ़ चुका है।

चुनौतियां

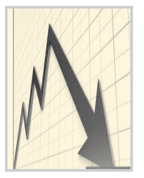

आर्थिक नजरिये से यूपीए-2 सरकार के समय आर्थिक मोर्चे पर निराशा का माहौल। 2007-2008 में तमाम देश वैश्विक आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे थे जिसने 2009 के बाद यानी यूपीए-2 सरकार के दौरान भारत को प्रभावित करना शुरू किया। इसका असर सरकारी खर्च में खासी वृद्धि करके लोगों और अर्थव्यवस्था का समर्थन करना पड़ा, इसका राजकोषीय घाटे पर असर पड़ना स्वाभाविक ही था। इसी बीच सरकार एक के बाद एक कई घेटालों के आरोप लगे। कई मंत्रियों को जेल जाना पड़ा। सबसे चर्चित 2 जी घोटाला, कोयला घोटला, कॉमन वेल्थ गेम घोटाला में लाखों करोड़ के घोटाले के आरोप लगे। इससे सरकार की स्थिति काफी कमजोर हो गई। जिसका असर 2014 के चुनाव में देखने को मिला।

बढ़ते लोकतंत्र की झलकियां

1991 में राव सरकार के समय देश की आर्थिक स्थिति काफी खराब थी, वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने नई आर्थिक नीति लाई।

1999 की वाजपेयी सरकार ने देश को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए गोल्डन क्वाडरेंगल योजना शुरू की।

अटल बिहारी वाजपेयी की मौत की खबर से पूरे देश में लोग गम में डूब गए। उनकी अंतिम यात्रा में पीएम मोदी।

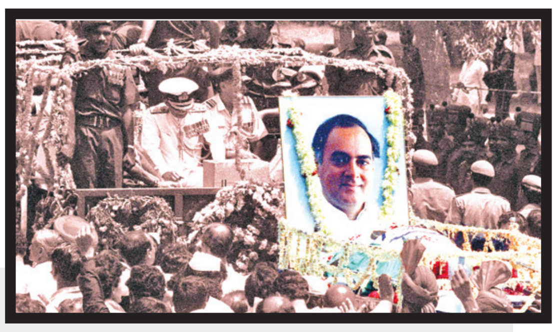
1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिल विद्रोहियों ने हत्या कर दी थी।उनकी अंतिम यात्रा में उमड़े लोग।

2014 में चुनाव जीतकर पहली बार संसद पहुंचने पर पीएम मोदी ने सदन की सीढ़ियों पर सिर नवाया।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद अयोध्या में 2024 में भव्य राम मंदिर बनकर लगभग तैयार हो चुका है।

सोलहवीं लोकसभा : 2014-2019

कुल सीट
545
बीजेपी
282
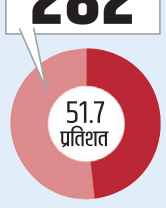

कांग्रेस
37

नरेंद्र मोदी
भाजपा

भारत में सोलहवीं लोकसभा के लिए आम चुनाव 7 अप्रैल से 12 मई 2014 तक 9 चरणों में संपन्न हुए। यह पहला अवसर था जब 9 चरणों में लोकसभा चुनाव संपन्न हुआ। सभी नौ चरणों में औसत मतदान 66.38% के आसपास रहा जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। सर्वाधिक मतदान की बात हो या फिर सबसे लंबे चुनाव की, इस चुनाव में कई कीर्तिमान रचे गए। इस चुनाव के परिणाम भी चौंकाने वाले रहे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 336 सीटों के साथ सत्ता में आया, जबकि भाजपा 282 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी।

उपलब्धियां

जन धन योजना - 28 अगस्त, 2014
कौशल भारत मिशन - 28 अगस्त, 2014
मेक इन इंडिया - 28 सितम्बर, 2014
मिशन स्वच्छ भारत - 2 अक्टूबर, 2014
सांसद आदर्श ग्राम योजना - 11 अक्टूबर, 2014
श्रमेव जयते योजना - 16 अक्टूबर, 2014
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ - 22 जनवरी, 2015
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना - 8 अप्रैल, 2015
उजाला योजना - 1 मई, 2015

सत्रहवीं लोकसभा : 2019-2024

कुल सीट
545
बीजेपी
303
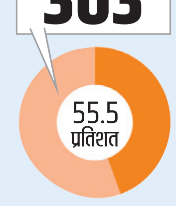

कांग्रेस
37

नरेंद्र मोदी
भाजपा

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को 303 सीटें मिली और पूर्ण बहुमत के साथ नरेंद्र मोदी लगातार दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। 17 जून 2019 को 17वीं लोक सभा की पहली बैठक हुई थी। इस लिहाज से देखें तो 17वीं लोक सभा के तीन साल पूरे हुए हैं और बीते तीन सालों में कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के बावजूद हमने संसद की सुनहरी तस्वीर देखी है जो भारत में संसदीय लोकतंत्र की मजबूती को दशार्ता है। इन तीन वर्षों में ही लोक सभा में 139 विधेयक पेश हुए, जबकि 149 विधेयक सदन से पारित हुए हैं।

उपलब्धियां

मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में सबसे एतिहासिक फैसला जम्मू-कश्मीर को लेकर लिया जो जनसंघ के जमाने से उसकी प्राथमिकता रहा है। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाने का कदम उठाने के साथ-साथ राज्य को दो हिस्सों में बांटने का काम भी इसी कार्यकाल में हुआ। इसके साथ राम मंदिर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। यह कार्यकाल आधारभूत संरचना में विकास और रेलवे के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम के लिए याद किया जाएगा।

मेधावी छात्रों के सम्मान से प्रतिभाओं में होता है ऊर्जा का संचार : महुआ माजी

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने 170 बच्चों को प्रतिभा सम्मान पुरस्कार से किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार ने की। समारोह का उद्घाटन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने श्री गणेश जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य डॉ महुआ माजी ने विभिन्न परीक्षाओं में सफलता पाने वाले सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सफलता प्राप्ति के लिए अपने लक्ष्य पर सतत ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, परिश्रम एवं विनम्रता एक छात्र का मूल मंत्र है। स्वयं पर विश्वास, लक्ष्य के प्रति ईमानदारी, सच्चा लगन, धैर्य एवं दृढ़ संकल्प लक्ष्य पाने की सबसे बड़ी कुंजी है। मेधावी छात्र को सम्मान देने से प्रतिभाओं में ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने आज भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि तथा महाराणा प्रताप के जन्म दिवस पर दोनों विभूतियों को नमन किया। उन्होंने मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए जा रहे शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य सभी जनसेवा कार्यों की सराहना की।

प्रतिभा सम्मान समारोह में सीबीएसई व आईसीएसई- 2024 की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 170 मारवाड़ी समाज के छात्र-छात्राओं को प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रोफेशनल डिग्री पाने वालों में यूपीएससी में हर्षिता चामरिया, जेएसएससी में आयुषी सर्राफ, एमबीबीएस में संस्कार वोडा एवं रितिका मारू, एमबीए में यश गोकुलका एवं मुस्कान चितलांगिया, सीए में हर्ष अग्रवाल, बीटेक में हर्षित मावाडिंया, किट्स नाइसा पटवारी, आईआईएम में अनंत अग्रवाल व यशु अग्रवाल, सिद्धार्थ अग्रवाल के अलावे कराटे के गोल्ड मेडलिस्ट सखी बागड़ को सम्मानित किया गया। सभी छात्र-छात्राओं को मोमेंटो, प्रशस्ति-पत्र, पुस्तक एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज ने सदैव आगे बढ़कर हमेशा सशक्त और सकारात्मक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चे शिक्षा के हर क्षेत्र में पूरे देश में सफलता के परचम लहरा रहे हैं। यह एक सुखद सकारात्मक परिवर्तन है, इससे समाज के युवाओं को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार ने रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा चलाए जा रहे जनसेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। सम्मान समारोह में आए सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत सम्मेलन के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर एवं शाल ओढ़ाकर किया। कार्यक्रम का संचालन मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक विकास अग्रवाल एवं विशाल पाड़िया ने की। धन्यवाद ज्ञापन मारवाड़ी सम्मेलन के जिला महामंत्री विनोद कुमार जैन ने किया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के प्रायोजक मेसर्स बाबूलाल प्रेम कुमार थे।

जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि कार्यक्रम में भागचंद पोद्दार, अनिल अग्रवाल, पवन पोद्दार, पवन शर्मा, चंडी प्रसाद डालमिया, डॉ ओमप्रकाश प्रणव, कमल कुमार केडिया, मनोज चौधरी, विनोद जैन, अशोक नारसरिया, सुरेश अग्रवाल, अरुण छावछरिया, रमन बोडा, कौशल राजगढ़िया, अरुण बुधिया, रामकुमार कटारिया, संजय सर्राफ, आशीष अग्रवाल, अंजय सरावगी, मनीष लोधा, सुनील पोद्दार, कमल खेतावत, सुरेश जैन, प्रमोद अग्रवाल, धर्मेंद्र जैन, विश्वनाथ जाजोदिया, निर्मल बुधिया, नारायण विजयवर्गीय, विजय खोवाल, मुकेश काबरा, दीपेश निराला, श्याम सुंदर शर्मा, किशन पोद्दार, प्रमोद बगड़िया, नरेंद्र गंगवाल, पंकज पांडिया, महेंद्र जैन, रमेश शर्मा, प्रकाश बजाज, किशन शर्मा, अशोक लाठ, प्रेम कटारूका, नरेश बंका, नारायण पटवारी, किशन अग्रवाल, लक्ष्मण राजगढ़िया, सुभाष पटवारी, राजेश भरतिया, मुकेश जाजोदिया, विमल अग्रवाल, नीरज भट्ट, राखी जैन, विकास अग्रवाल, विशाल पाड़िया, के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

उपायुक्त ने की नगड़ी सीओ के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नौकरी के कागजात वेरिफाई कराने पहुंचे अभ्यर्थी के साथ नगड़ी सीओ ने बदसलूकी की थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले को लेकर रांची के उपायुक्त राहुल सिन्हा की ओर से सीओ राकेश कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ राज्य सरकार से रविवार को कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। इसकी पुष्टि उपायुक्त ने की है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की जांच कराकर स्पष्टीकरण देकर सरकार के पास भेजा गया है। मामले में अग्रतर कार्रवाई राज्य सरकार की ओर से की जाएगी।

युवक नीकू महतो ने बताया था कि आद्रा रेल मंडल में चतुर्थ श्रेणी पद पर नौकरी लगी है। उसे 13 जून तक ज्वॉइनिंग के लिए कैरेक्टर सर्टिफिकेट जमा करना है। इसे लेकर वह अंचल और प्रखंड कार्यालय की दौड़ लगा रहा था। लेकिन, अंचलकर्मी उसे टहला रहे थे। 29 मई को नीकू नगड़ी सीओ राकेश श्रीवास्तव से मिला। इस पर सीओ ने कहा कि वह पुलिस अधीक्षक से कैरेक्टर सर्टिफिकेट बनवा कर लाए। उसके बाद ही उसके कागजात पर वह हस्ताक्षर करेंगे। निकू की मानें तो वह एसपी के यहां से कैरेक्टर सर्टिफिकेट बनवा कर फिर से सीओ के पास पहुंचा। इस पर सीओ ने उसे डांट कर भगा दिया। साथ ही, उसे बर्बाद करने की धमकी भी दे दी। बाद में सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सीओ ने उसके कैरेक्टर सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर कर दिया था।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर 'ऐ वतन मेरे वतन' फिल्म का प्रदर्शन

रांची। प्रदेश राजद कार्यालय में रविवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर दिल्ली से मुख्य अतिथि प्रख्यात लोहियावादी समाजवादी चिंतक, प्रचारक व नेता रघु ठाकुर ने भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि पर प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने उपस्थित मुख्य अतिथि रघु ठाकुर को अंग वस्त्र व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत पार्टी कार्यालय में देश की आजादी के लिए ब्रिटिश शासन प्रशासन के खिलाफ सन 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा घोषित भारत छोड़ो आंदोलन का एलान कर करो या मरो के नारा और प्रखर समाजवादी नेता डॉ राममनोहर लोहिया एवं उषा मेहता के ऊपर आधारित 'ऐ वतन मेरे वतन' फिल्म प्रदर्शन किया गया।

ठग विद्या व भ्रम फैलाने में झामुमो कांग्रेस और राजद पारंगत : बाउरी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने चंपाई सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ठग विद्या और भ्रम फैलाने में पारंगत झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार का नया एजेंडा सुनिए, हेमंत सोरेन अपनी ही सरकार के जेल के अंदर खतरे में हैं, झारखंड में सरकार किसकी है? फिर भी खतरा?

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन खुद साप्ताहिक रूप से जेल जाकर हेमंत सोरेन के सामने हाजिरी लगाते हैं। फिर भी खतरा? जेल को राज्य सरकार चलाती है या नहीं? गृह एवं कारा विभाग का प्रभार तो स्वयं मुख्यमंत्री के पास है। फिर भी खतरा? अगर सरकार में रहकर खुद के नेता के जान को खतरा है, तो मुख्यमंत्री जी अपने पद से इस्तीफा दें और अगर यह कोई एजेंडा है तो झामुमो-कांग्रेस-राजद भ्रम फैलाने के लिए राज्य की जनता से माफी मांगे, चुनाव के

पश्चात भाजपा सरकार में हेमंत सोरेन सुरक्षित रहेंगे।

कल्पना सोरेन ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में खतरा होने की बात सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा था। कल्पना ने लिखा था, जैसे सबसे कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाने वाले फादर स्टेन को संस्थागत उपेक्षा और अन्याय से चुप कराया गया, आज उसी तरह का जुल्म हेमंत सोरेन पर हो रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फादर स्टेन स्वामी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तस्वीर भी साझा की है।

ईटीवी ग्रुप के चेयरमैन रामोजी राव को दी श्रद्धांजलि

रांची। भारत के मीडिया मुगल कहे जाने वाले ईटीवी ग्रुप के चेयरमैन और रामोजी फिल्म सिटी के मालिक पद्म विभूषण रामोजी राव के निधन पर रांची प्रेस क्लब में रांची के पत्रकार समूह ने पुष्पांजलि अर्पित की उन्हें श्रद्धांजलि दी। भारतीय मीडिया के युगपुरुष रहे दिवंगत रामोजी राव के सम्मान में दो मिनट का मौन भी रखा गया। रांची प्रेस क्लब में आयोजित शोक सह श्रद्धांजलि सभा में क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन, सचिव अमरकांत सहित बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लिया। दिवंगत रामोजी राव के श्रद्धांजलि देते हुए रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष और पूर्व ईटीवीयन सुरेंद्र सोरेन ने रामोजी राव के व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि रामोजी राव सबके लिए बहुत सहज रहने वाले व्यतित्व के धनी व्यक्ति थेद्ध पिछले वर्ष झारखंड विधानसभा के मीडिया शिष्टमंडल के साथ हैदराबाद में रामोजी राव से हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए सुरेंद्र सोरेन ने कहा कि उन्होंने पत्रकारिता में उच्च मापदंड तय किया ।

मांडर थाना क्षेत्र के हातमा जंगल और पिठोरिया घाटी में हुई सड़क दुर्घटना

मामा-भांजा सहित 3 की गई जान

हातमा के पास हुए हादसे में दो अन्य व्यक्ति भी घायल हुए

रारहा के समीप हुई दुर्घटना में स्टंट कर रहा था बाइक सवार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के अलग-अलग थाना क्षेत्र में दो सड़क हादसों में रविवार को तीन लोगों की मौत हो गई। पहली सड़क दुर्घटना मांडर थाना क्षेत्र के हातमा जंगल में हुई। इस सड़क दुर्घटना में मामा-भांजे की मौत हो गई है। दोनों कार से अपने एक रिश्तेदार के यहां सगाई में जा रहे थे। इसी दौरान यह दुर्घटना घटी। जिनकी मृत्यु हुई है, उनके नाम सालीस अंसारी (26) और मंसूर आलम (26) बताया जाता है।

जानकारी के अनुसार रांची के मांडर थाना क्षेत्र के कंजिया के रहने वाले सालीस अंसारी (26) और बुढ़मू निवासी मंसूर आलम सहित चार लोग रविवार को अपनी कार से बुढ़मू के लिए निकले थे। बुढ़मू में सभी को एक रिश्तेदार के यहां सगाई के कार्यक्रम में शामिल होना था। मंसूर आलम कार चला रहा था। इसी दौरान मांडर के हातमा जंगल के पास तीखे मोड़ पर

कार अनियंत्रित हो गई और एक पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, कार में बैठे अन्य दो लोग भी घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों की सहायता से मांडर पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजवाया।

मांडर थाना प्रभारी राहुल ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले दोनों शख्स रिश्ते में मामा-भांजा थे। घायलों का स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज कर रिम्स भेज दिया गया है।

वहीं, रविवार की सुबह दूसरी दुर्घटना पिठोरिया घाटी में हुई, जिसमें एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक सवार स्टंट कर रहा था। इसी दौरान रारहा के समीप बाइक सवार ने टर्बो ट्रक में टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार युवक मुरूम गांव निवासी निखिल उरांव (19) की मौके पर मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है।

भगवान बिरसा मुंडा की शहादत की याद में किया गया पौधरोपण

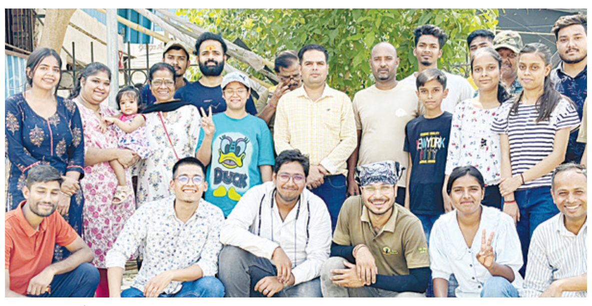

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस की याद में रविवार को पौधरोपण किया गया। सामाजिक संस्था टीम ग्रीन, भाजयुमो और खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर एवं मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम खेल संघ के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान कचहरी रोड स्थित जयपाल सिंह स्टेडियम में युवाओं और खिलाड़ियों ने भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, नीलांबर पीतांबर, सिदो कान्हू, अलबर्ट एक्का सहित कई वीर सपूतों की याद में पौधे लगाकर उनकी रक्षा का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुनचुन राय, भाजयुमो कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी, मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम खेल संघ के अध्यक्ष दीपक वर्मा, जन सेवा मंच के निशांत यादव, युवा नाट्य संगीत अकादमी के निदेशक ऋषिकेश लाल सहित कई लोग उपस्थित थे।

हमें भगवान बिरसा के दिखाए रास्ते पर चलने की आवश्यकता : सुदेश महतो

रांची। ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा हमारे प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका साहस, नेतृत्व और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए बलिदान, हमें सदा प्रेरित करता रहेगा। हम सभी को उनके विचारों को आत्मसात करने और उनके दिखाए रास्ते पर चलने की आवश्यकता है।

आजसू के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो रविवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होने कोकर रांची स्थित भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में आजसू पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा वीरता और साहस की प्रतिमूर्ति हैं, वे भावी पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। भगवान बिरसा मुंडा के उलगुलान को नहीं भुलाया जा सकता। वीर सपूतों के बलिदान का ध्यान हम सबों को सदैव रहेगा। वंचितों, गरीबों के उत्थान की दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना है। भगवान बिरसा मुंडा ने सिर्फ जनजातीय समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण देश में राष्ट्रीयता की चेतना पैदा की।

मॉर्निंग वाकर्स एसोसिएशन ने मनाई महाराणा प्रताप की जयंती

रांची। मॉर्निंग वाकर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने महाराणा प्रताप की जयंती उनके फोटो पर पुष्प अर्पित कर उनके वीरता, शौर्य, त्याग, पराकर्म और अटूट प्रण पर चर्चा करके मनाई। लोगों ने उनके जीवन से प्रेरणा लिया। महाराणा प्रताप का जन्म 1540 में हुआ था। उनकी जयंती विक्रम संवत के अनुसार ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया, जो इस वर्ष 9 जून है, को हर वर्ष मनाई जाती है। मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष नेमी चंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश जैन, सचिव सुनील माथुर, अमरजीत गिरधर, प्रदीप राजगढ़िया, अरुण बुधिया, ललित पचीसिया, जय प्रकाश अग्रवाल, प्रेम मित्तल, ओपी लाल, ललित पचीसीया, अरुण केजरीवाल, गोपाल अग्रवाल, राजू अग्रवाल, पवन गोयल, राजेंद्र अग्रवाल, नारायण महेश्वरी, प्रेम मित्तल आदि उपस्थित थे।

राज्य के सभी स्कूलों का समय बदला

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी स्कूलों के संचालन का समय बदल दिया है। इस आशय का आदेश स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के संयुक्त सचिव नंदकिशोर लाल ने रविवार को जारी किया। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है और 15 जून तक प्रभावी रहेगा।

विभागीय आदेश में कहा गया है कि राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त वगैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में कक्षा केजी से कक्षा-8 तक की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे तक संचालित था। कक्षा-9 से ऊपर की कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक संचालित किए जाने से सबंधित आदेश निर्गत किया गया था। राज्य में गर्मी के प्रभाव को

देखते हुए उपरोक्त सभी विद्यालयों में कक्षा केजी से कक्षा- 12 तक की कक्षाएं 15 जून तक सुबह सात बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे तक संचालित की जाएंगी। इस अवधि के उपरांत सभी कक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित समय पर सचालित होंगी। निजी विद्यालयों का संचालन संबंधित विद्यालय के दिशा-निर्देश के अनुरूप आरटीई अधिनियम एवं प्रबंधन के प्रावधानों के तहत संचालित होंगे। पूर्व निर्गत आदेशों को संशोधित समझा जाए। इस पर विभागीय प्रभारी सचिव का अनुमोदन प्राप्त है।

रांची के सांसद का केंद्र में मंत्री बनना ऐतिहासिक क्षण : विजयवर्गीय

रांची। रांची के पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय ने रविवार को कहा कि रांची लोकसभा चुनाव में जो मेहनत की गई थी, आज वह रंग लाई है। चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं की निरंतर मेहनत से संजय सेठ ने लगभग 1,20,000 वोटों से शानदार जीत दर्ज की और पुनः सांसद बने। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में उन्हें केंद्रीय मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि रांची के सांसद बने केंद्रीय मंत्री, यह एक ऐतिहासिक क्षण है। यह रांची के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। साथियों के साथ की गई लगातार तीन महीनों की मेहनत सफल हुई। सांसद संजय सेठ के नेतृत्व में रांची में कई विकासात्मक कार्य किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री बनने पर हम सभी रांचीवासियों की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि सेठ ने हमेशा अपनी मेहनत और समर्पण से रांची की जनता की सेवा की है।

चुट्टू गांव में झूलन कार्यक्रम के साथ मंडा पूजा संपन्न

नवीन मेल संवाददाता। रांची

चुट्टू गांव में मंडा पूजा का झूलन कार्यक्रम के साथ रविवार को समापन हो गया। यह मंडा पूजा विगत 30 मई को शुरू हुई थी। इस मंडा पूजा कार्यक्रम में विगत 8 जून को शिव भक्तों ने लोटन सेवा और होड़न सेवा कर शिव के प्रति अपनी भक्ति भाव को प्रकट किया। रात्रि 8:00 बजे शिव भक्तों ने फुलखुंदी कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दहकते अंगारों के बीच चलते हुए भगवान शिव के प्रति अपने आस्था व्यक्त की।

इसके बाद शिव पूजा के समय श्रद्धालुओं के लिए छऊ नृत्य का आयोजन किया गया। छऊ नृत्य कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं पूर्व प्रमुख प्रेमचंद महतो ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में संतोष महतो, कन्हैया लाल गुप्ता, जगत मुंडा, चुट्टू पंचायत की मुखिया लक्ष्मी देवी, संरक्षक मंडल के शत्रुघ्न महतो ने उपस्थित होकर शिव भक्तों की हौसला अफजाई की।

रविवार को प्रातः 8:30 बजे से शिव भक्तों के झुलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उसके उपरांत गांव के पाहन राजेश मुंडा ने रूढ़िवादी तरीके से पूजा-पाठ कर मुंडा पूजा कार्यक्रम संपन्न किया। ज्ञात हो कि चुट्टू गांव का मंडा पूजा कार्यक्रम आसपास के सभी गांव में प्रसिद्ध है और यहां के अनुशासन तथा पूजा परंपरा का लोग अनुकरण करते हैं।

मंडा पूजा कार्यक्रम की समाप्ति पर शिव पूजा समिति चुट्टू के अध्यक्ष प्रतुल मुंडा ने सभी 130 शिव भक्तों, गांव, पंचायत तथा पास-पड़ोस के सभी गांव के सभी श्रद्धालुओं को पूजा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया। प्रतुल मुंडा ने कार्यक्रम में अनुशासन बनाए रखने के लिए बीआईटी थाना एवं मीडिया के लोगों का भी विशेष आभार जताया। प्रतुल मुंडा ने शिव पूजा समिति के सभी सदस्यों सुरेश महतो, जलेश्वर महतो, अनिल महतो, चारो मुंडा, राजू मुंडा, राजकुमार मुंडा, बिपिन करमाली, राकेश करमाली, सुनील मुंडा, नंदकिशोर मुंडा, सोनू उराव, अनुराज करमाली एवं अन्य सभी कार्यकर्ताओं के प्रति उनके व्यक्तिगत योगदान, अनुशासन एवं विचार के लिए कृतज्ञता प्रकट की और कहा कि उनके त्याग के बिना यह कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता था।

1100 लोगों ने ग्रहण किया श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार को 153वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा सत्संग एवं भजन के साथ भक्तिभाव से संपन्न हुआ। लगभग 1100 से ज्यादा भक्तों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया। ज्ञात हो कि श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में प्रत्येक रविवार को श्री कृष्ण भंडारे का आयोजन किया जाता है।

परमहंस संत शिरोमणि डॉ श्री श्री 108 श्री सदानंद जी महाराज के आशीर्वाद से एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान एवं कार्यक्रम संयोजक विशाल जालान के नेतृत्व में रमेश सीमा चितलांगिया ने अपनी पुत्री भिलवाड़ा निवासी

अंकिता चितलांगिया, कृतिका चितलांगिया संग मंदिर में लगे भगवान की तस्वीर एवं मूर्ति के रूप मे विराजमान श्री राज श्यामा महारानी को भंडारे का भोग अर्पित कर आरती की। संस्था के निर्मल जालान, सज्जन पाड़िया, मनीष सोनी, चिरंजीलाल खंडेलवाल ने भगवान के दर पर भोग लगाते हुए भजन गायन कर भोग लगाया। इसके बाद चितलांगिया परिवार ने श्री राजश्यामा जी को भोग अर्पित किया। भोग लगे प्रसाद को चितलांगिया परिवार ने विशाल भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर में उपस्थित पुरोहित को प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद श्री राज श्यामा जी महाराज की जय जयकारों के साथ मंडल के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल के नेतृत्व में उपाध्यक्ष निर्मल जालान ने चितलांगिया परिवार के श्री कृष्ण भंडारे का प्रसाद का वितरण किया।

एक नजर

कुरमी/कुड़मी समन्वय समिति ने किसर रांची जिला प्रभारी मनोनीत

सिल्ली। कुरमी/कुड़मी (महतो) समन्वय समिति झारखंड बंगाल एवं उड़ीसा के फाउंडर सदस्यों एवं प्रभारियों के निर्णयानुसार मानगर मानिक चांद महतो (पुपूनकीआश्रम चास जिला बोकारो) को झारखंड समन्वय समिति का संगठन प्रभारी एवं मानगर मृत्युंजय महतो (सावडीह सोनाहातु रांची) को रांची जिला प्रभारी मनोनीत किया जाता है तथा समाज को अनुसूचित जनजाति के सूची में सूचीबद्ध करने केलिए ईमानदारी पूर्वक काम करते हुए अपने अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने कि दिशा में कार्य किया जाए।

मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर तोरपा में आतिशबाजी

खूंटी। नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की खुशी में रविवार शाम को भाजपा कार्यकताओं ने जश्न मनाया। जैसे ही मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर आये। ब्लॉक चौक पर उन्होंने जमकर आतिशबाजी की। कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य संतोष जायसवाल और रामानंद साहू ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकास तेजी से होगा. मौके पर शशांक शेखर राय,भागीरथ राय, विनोद भगत, आनंद राम, नीरज जयसवाल, पवन जयसवाल, सीताराम भगत, भगीरथ राय, रौशन जायसवाल, बिरजू महतो, मुकेश गुप्ता, महादेव साहू आदि उपस्थित थे।

साबिर हुसैन एपीजे अब्दुल कलाम अचीवर अवार्ड से हुए सम्मानित

रांची। चैंबर ऑफ कॉमर्स के सभागार में रविवार को एपीजे अब्दुल कलाम अचीवर अवार्ड का आयोजन किया गया. जिसमें मो साबिर हुसैन को सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार उन्हें कला तथा फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया है. यह पुरस्कार उनके समर्पण और उच्च स्तरीय प्रदर्शन का प्रमाण है. इस अवसर पर, साबिर हुसैन ने कहा कि हम इस सम्मान को पाकर गर्वित और उत्साहित महसूस कर रहे हैं. हम भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत रहेंगे. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री अशोक भगत, दुलीचंद धावक, अर्जुना अवार्डी तथा अध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स किशोर मंत्री मौजूद थे. उन्हीं के हाथों पुरस्कार दिया गया. कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया. पुरस्कार पाकर मो साबिर हुसैन ने हैप्पी मोमेंट ऑफ इंडिया का धन्यवाद दिया, खासकर उनके फाउंडर पंडा का शुक्रिया अदा किया।

सीओ व थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपने पर भी नहीं हुआ बिजली सुधार

आक्रोशित लोगों ने सबस्टेशन के समक्ष किया धरना-प्रदर्शन

धरना प्रदर्शन से पूर्व ही उपभोक्ताओं ने लिखित रूप से सिल्ली अंचल पदाधिकारी और सिल्ली थाना प्रभारी को लिखित रूप से ज्ञापन सौंपा था

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली
सिल्ली प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रविवार के दिन लचर विद्युत व्यवस्था को सुधारने के लिए उपभोक्ताओं के द्वारा विद्युत सब स्टेशन रामडेरा में धरना प्रदर्शन किया गया। बताते चले की फिलहाल सिल्ली मुरी में विद्युत की आपूर्ति क्षेत्र में नगण्य मात्रा में हो रही है, जिसके कारण उपभोक्ता काफी परेशान होकर रविवार को धरना-प्रदर्शन के लिए विवश हो गए। धरना प्रदर्शन से पूर्व ही उपभोक्ताओं ने लिखित रूप से सिल्ली अंचल पदाधिकारी और सिल्ली थाना प्रभारी को लिखित रूप से ज्ञापन सौंपा था। परंतु बिजली के मामले में कोई सुधार नहीं हो पाया। उपभोक्ताओं द्वारा धरना प्रदर्शन सुबह लगभग 11 बजे शुरू किया गया। धरना प्रदर्शन की सूचना बिजली विभाग के एसडीओ और कनिष्ठ अभियंता को मिलते ही मौके पर पहुंचे और उपभोक्ताओं की आठ सूत्री मांगों के बारे में जानकारी प्राप्त किया और आश्वासन दिया कि यह सभी मांगे शीघ्र ही पूरी कर दी जाएगी। उपभोक्ताओं ने लिखित रूप से मांग की है कि बिजली आपूर्ति कम से कम 20 घंटे होनी चाहिए। कनीय अभियंता की उपस्थिति सिल्ली में अनिवार्य होनी चाहिए। लो वोल्टेज की समस्या को दूर किया जाए एवं सिल्ली मुरी में लचर तार व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। प्रखंड के सारे ट्रांसफार्मर में ए वी स्विच की व्यवस्था अविलंब की जाए। उपभोक्ताओं के द्वारा कनीय अभियंता एवं वरीय अभियंता तथा स्थानीय कर्मचारियों को फोन रिसीव कर सही जानकारी उपलब्ध कराने की बातें कहीं। बिजली मीटर रीडिंग नहीं लेने के कारण उपभोक्ताओं को सही ढंग से बिल प्राप्त नहीं होती है इसक समाधान शीघ्र किया जाए।

धमधमिया में बिरसा मुंडा को पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता। खलारी
खलारी के धमधमिया बिरसा चौक में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 124वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बिरसा मुंडा के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उपस्थित सभी लोगों ने बारी बारी से पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। वक्ताओं ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने जागीरदारों तथा ब्रिटिश शासको के शोषण के विरुद्ध आंदोलन का बिगुल फूंका। बिरसा मुंडा ने अपनी प्राणों की आहुति दे दी। श्रद्धांजलि देने वालों में पुरनाडीह परियोजना पदाधिकारी शकील अहमद, बहुरा मुंडा, रामेश्वर भोगता, महेंद्र उरांव, बालेश्वर उरांव, प्रदीप उरांव, पंकज मुंडा, किसुन मुंडा, शत्रुघ्न मुंडा, उमेश लोहरा, विजय उरांव, उमाकांत सिंह, गोपाल सिंह, गीता उरांव, संगीता उरांव, रामप्रसाद उरांव, एसएन सिंह आदि शामिल थे।

न्यूज बॉक्स

जेईई एडवांस में डीपीएस की तमन्ना स्टेट टॉपर

रांची। जेईई एडवांस 2024 का परिणाम रविवार को जारी हुआ। जेईई एडवांस 2024 में डीपीएस रांची के छात्र छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। स्कूल की तमन्ना कुमारी ऑल इंडिया रैंक (एआइआर) 305 के साथ आईआईटी भुवनेश्वर जोन की गर्ल्स टॉपर एवं झारखंड की स्टेट टॉपर बनने का तमगा हासिल किया है। तमन्ना कुमारी ऑल इंडिया रैंक 305 के साथ आईआईटी भुवनेश्वर जोन (झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान और निकोबार) की गर्ल्स टॉपर एवं झारखंड की स्टेट टॉपर बनी है।

तमन्ना ने विद्यालय का किया नाम रौशन : विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्राचार्य डॉ. राम सिंह हर्षित एवं अभिभूत दिखे। उन्होंने छात्रों के साथ इस बेशकीमती पल को साझा किया और विद्यार्थियों के सराहनीय प्रदर्शन के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को बधाई दी। साथ ही सफल प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

जंगली भालू ने मजदूर की हत्या कर की वन विभा ने मृतक के परिजनों को दिया मुआवजा

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के दोलैचा गांव स्थित डुमरडीहा जंगल के पास कौआ खोह के पास जंगली भालू ने हमला कर दोलैचा निवासी 55 वर्षीय बन्धु मुंडा के ऊपर हमला कर उसे नोच कर एवं काट कर बुरी तरह मार डाला। बंधु ने अपनी मौत से पहले भालु से बचने के लिए खूब चीखा और चिल्लाया लेकिन कोई उसे बचाने नहीं आया। जंगली भालु ने बंधु मुंडा को अपने कब्जे में लेकर उसकी खोपडी.उजाड़ दी। घटनास्थल स्थल पर ही बंधु ने दम तोड़ दिया। बंधु हाल ही में असम से अपने गांव दोलैचा लौटा था। बंधु दो दिन पहले ही इसी जगह आकर दातुन तोड़ा और आम के पेड़ से आम भी तोड़ा। 2 दिन बाद आज वह इसी जगह पर पहुंचा था। संभवतः उसकी मौत यहां उसे खींच लाई थी। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक प्रतिनिधि सह कांग्रेस पार्टी के युवा अध्यक्ष जन्मेजय पाठक ने फोरेस्ट आफिसर भुपेंद्र को फोन कर घटना की सूचना दी। भुपेंद्र ने जन्मेंजय पाठक के साथ मिलकर बन्धु मुंडा के भाई जगन मुंडा को दस हजार रुपए का अग्रिम मुआवजा के रूप सहयोग राशि दी। इस मौके पर वनविभाग के रामकिशोर सिंह, विधायक प्रतिनिधि किशोर सिंह, मुखिया प्रतिनिधि गंदुर उरांव सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे। वही लापुंग पुलिस ने बंधु मुंडा के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

चक्रधरपुर मंडल में विकास कार्य को लेकर हटिया से संबलपुर के बीच ट्रेनें प्रभावित

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में विकास कार्य को लेकर कई ट्रेनें 11-12 जून को प्रभावित रहेंगी। हटिया से संबलपुर के बीच कई ट्रेनें रद्द रहेंगी।

ट्रेनें रद्द रहेंगी : ट्रेन संख्या 18175/18176 हटिया - झारसुगुड़ा -हटिया मेमू एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ 12.06.2024 को रद्द रहेगी।

ट्रेनों के प्रस्थान समय में परिवर्तन : - ट्रेन संख्या 18311 विशाखापत्तनम - बनारस द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ 12.06.2024 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 2 घंटे 45 मिनट विलंब से विशाखापत्तनम से प्रस्थान करेगी।

◆ ट्रेन संख्या 06066 धनबाद - ताम्बरम स्पेशल यात्रा प्रारंभ दिनांक 12.06.2024 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 4 घंटे विलंब से धनबाद से प्रस्थान करेगी।

◆ट्रेन संख्या 06092 बरौनी - कोच्चुवेली स्पेशल यात्रा प्रारंभ 11.06.2024 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 4 घंटे विलंब से बरौनी से प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों का आशिक समापन/प्रारंभ : ट्रेन संख्या 18452 पुरी - हटिया तपस्विनी एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ 11.06.024 का संबलपुर स्टेशन पर आंशिक समापन होगा तथा इस ट्रेन का संबलपुर से हटिया के बीच परिचालन रद्द रहेगा।

◆ट्रेन संख्या 18451 हटिया - पुरी तपस्विनी एक्सप्रेस का यात्रा प्रारंभ 12.06.2024 को हटिया के स्थान पर संबलपुर स्टेशन से आशिक प्रारंभ होगा तथा इस ट्रेन का हटिया से संबलपुर के बीच परिचालन रद्द रहेगा।

◆ट्रेन संख्या 15028 गोरखपुर - संबलपुर मौर्य एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ 11.06.2024 का हटिया स्टेशन पर आंशिक समापन होगा तथा इस ट्रेन का हटिया से संबलपुर के बीच परिचालन रद्द रहेगा।

बेड़ो में बिजली की लो वोल्टेज की समस्या से लोग परेशान

ग्रामीणों ने विद्युत पावर सब स्टेशन में किया तालाबंदी

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो
भीषण गर्मी के साथ लो वोल्टेज की समस्या से जूझ रहे बेड़ो प्रखंड मुख्यालय के ग्रामीणों ने अंकित कुमार सोनी के नेतृत्व में रविवार की सुबह विद्युत सब स्टेशन बेड़ो में तालाबंदी की। मौके पर मौजूद आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि अनियमित विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इसके अलावा भिषण गर्मी में आम जन बेहाल है। बिजली होने के बावजूद वोल्टेज लो के कारण कोई भी ग्रामीण का किसी भी तरह का कोई काम नहीं हो रहा है। वही खेतों में लगी फसल सिंचाई नहीं होने से मर रहे है। क्षेत्र की छोटी बड़ी कुटीर उद्योग बिजली के अनियमित बिजली आपूर्ति से बंद पड़े हैं। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिसे लेकर ग्रामीणों ने विद्युत सब स्टेशन में तालाबंदी की जिसके बाद विभाग के अधिकारियों के आश्वासन के पश्चात तालाबंदी खोल दी गई।

सरकार के शपथ की खुशी में खलारी भाजपा ने मनाई होली दिवाली

संजय सेठ को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने से कार्यकर्ताओं में हर्ष

नवीन मेल संवाददाता। खलारी
केंद्र में एनडीए सरकार के शपथ लेने की खुशी में खलारी के भाजपा कार्यकर्ताओं ने होली दिवाली एक साथ मनाया। कार्यकर्ताओं ने पूर्व से ही तैयारी कर रखी थी। रविवार को शाम पांच बजे से ही कार्यकर्ता खलारी के केडी हिन्दूगढ़ी चौक पर जुटने लगे। बैंड बाजे के साथ हाथों में पार्टी का झंडा लिए जिन्दाबाद के नारे लगाते कार्यकर्ता हिन्दूगढ़ी चौक से केडी मार्केट होते हुए शहीद चौक तक गए और पुनः वापस हिन्दूगढ़ी चौक लौट आए। कार्यकर्ता और समर्थकों ने एक दूसरे को खूब गुलाल लगाया। खूब लड्डू बांटा गया। पार्टी की महिला कार्यकताएं बैंड बाजे के धुन पर खूब थिरकती दिखी। भाजपा खलारी मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा ने कहा कि तीसरी बार लगातार हमलोगों के प्रिय नेता नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने की खुशी तो थी ही, स्थानीय सांसद संजय सेठ के मंत्रिमंडल में शामिल होने से खुशी दोगुनी हो गई है। संजय सेठ का मंत्री बनना हम सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान है। खशी का जश्न मनाने वालों में शैलेन्द्र शर्मा, अरविन्द सिंह, फुलेश्वर महतो, जिप सदस्य सरस्वती देवी, किरण देवी, ममता देवी, विकास दुबे, रामसूरत यादव, आनंद सिंह, सुशील अग्रवाल, दिलीप पासवान, कृष्णा चौहान, प्रदीप ठाकुर, शत्रुंजय सिंह, पंकज मिश्रा, चतुरगुण भुइयां, प्रदीप प्रमाणिक, कुलदीप लोहरा, मुकेश सिंह, राजू गुप्ता (राय), प्रताप यादव, रवीन्द्र पासवान, शिव चौधरी, भोला चौहान, नवीन ठाकुर, मयंक सिंह, लालू महतो, अनिता देवी, सरिता देवी, प्रमोद प्रजापति, राजू गुप्ता, प्रदीप लोहरा, डीएन शर्मा सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक शामिल थे।

पार्टी की महिला कार्यकर्ता बैंड बाजे के धुन पर खूब थिरकती दिखीं और कहा कि संजय सेठ को मंत्रिमंडल में शामिल होने से दूगुनी हो गयी है खुशी

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर खूंटी में भाजपाइयों ने मनाया जश्न

खूंटी। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने रविवार शाम खूंटी में जमकर जश्न मनाया। इस ऐतिहासिक अवसर के लिए शहर के प्रमुख नेताजी चौक स्थित देवी गुड़ी मंदिर के बाहर एक बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई थी, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने शपथ ग्रहण समारोह का लाइव प्रसारण देखा। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण करते ही वहां जमे लोग भारत माता की जय, जय श्री राम और मोदी-मोदी नारे लगाने लगे। साथ ही जमकर पटाखे फोड़े गए, लड्डू बांटे गए फिर बाजे गाजे के साथ हर्षोल्लास के साथ वहां से भगत सिंह चौक तक जुलूस निकाला गया। इस आयोजन में ज्योतिष भगत, रमेश मांझी, मदन मोहन मिश्रा, जितेंद्र कश्यप, मनोज कुमार, बालमुकुंद कश्यप, जयप्रकाश भाला,मुकेश जायसवाल, राजू गुप्ता, भीम साहू, दामोदर प्रसाद सहित बड़ी संख्या में अन्य भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए।

एनडीए की सरकार बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

हमें प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को साकार करना है : सन्नी टोप्पो

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो / लापुंग
देश में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए के सरकार बनने और नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को लेकर बेड़ो एवं लापुंग प्रखंड के भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। मांडर विधानसभा क्षेत्र के युवा भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने मंत्रिमंडल के शपथ लेने के बाद खुशी मनायी और कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अब विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार शपथ ग्रहण कर भारत में इतिहास रच दिया है। इससे पहले मात्र जवाहरलाल नेहरू ही देश में तीन बार प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया। सन्नी टोप्पो ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करना है। वहीं दूसरी ओर देर रात मंडल अध्यक्ष आलोक मिश्रा और बेड़ो प्रखंड के दिघिया पंचायत के तुको गांव में मोदी जी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के खुशी में मंडल महामंत्री बलराम सिंह के नेतृत्व में आतिशबाजी कर और मुह मीठा कराकर खुशी मनाया गया। इसमें मुख्य रूप आदित्य ताम्रकार अनिल साहु ,सुखदेव उरांव, हिरो उरांव, परना साहू, राजा लाल रामप्रसाद गुप्ता, उदय लाल, अनुप लाल, अनिल लाल, बिरन लाल, सुमित कुमार, बादल कुमार, पंकज लाल, बोलतु कुमार, विशाल कुमार, राजकुमार गुप्ता, मुकेश कुमार, भागवत कुमार, सचिन कुमार, श्रवण कुमार दिघीया पंचायत के सभी बूथ अध्यक्ष पदाधिकारी गण एवं सभी कार्यकर्ता गण सड़कों पर निकल कर जश्न मनाया। उधर नरकोपी मंडल में कुमोद कुमार वर्मा के नेतृत्व में मंडल के कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई।

जवाहरलाल नेहरू के बाद मोदी ही ऐसे नेता हैं जो देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हुए हैं

झारखंड पार्टी के समक्ष अस्तित्व बचाने की चुनौती

खूंटी। झारखंड अलग राज्य आंदोलन की बुनियाद रखने वाली झारखंड पार्टी, जिसके कभी बिहार विधानसभा में 32 विधायक हुआ करते थे, उसी झारखंड पार्टी के समक्ष आज अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। 1952 से 1972 तक खूंटी सुरक्षित संसदीय क्षेत्र में झारखंड पार्टी एकछत्र राज्य हुआ करता था। उसके उम्मीदवारों ने लगातार जीत हासिल की थी।

खूंटी खासकर तोरपा, कोलेबिरा जैसे विधानसभा क्षेत्र में दूसरी पार्टियों के चुनाव प्रचार वाहन तक नहीं जाते थे। वहीं मारंग गोमके जयपाल सिंह और बाद में एनई होरो की एक आवाज से पूरा गांव एकजुट हो जाता था, आज उसी पार्टी के समक्ष अपनी पहचान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। पार्टी के घटते जनाधार इसका अनुमान सिर्फ इस बात से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी एक फीसदी लोगों का भी समर्थन पाने में बुरी तरह विफल रही। इसके पहले 2014 के संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी दूसरे स्थान पर थी।

श्रद्धांजलि

किसान सभा ने मनाया शहीद बिरसा मुंडा का उलगुलान दिवस

जल, जंगल और जमीन की रक्षा का लिया शपथ

नवीन मेल संवाददाता। राहे
रविवार को झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में शहीद बिरसा मुंडा उलगुलान दिवस राहे, नुरू, इरिसेरेंग , कंताटोला गांव में शहीद बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल पर मनाया गया एवं जल, जंगल, जमीन की रक्षा का शपथ लिया गया।जल, जंगल,जमीन हमारा है। झारखंड से कारपोरेट को भगाना है,बिरसा के रास्ते बढ़ेंगे, लड़ेंगे, बिरसा उलगुलान अमर रहे आदि नारे लग रहे थे। शहीद बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात
मुख्य वक्ता के रूप संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने बिरसा के जीवनी पर विस्तृत रूप में चर्चा करते हुए कहा बिरसा के जन्मस्थली में किसान विरोधी केन्द्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा सहित 20 केन्द्रीय मंत्रीओं को हराकर किसान आन्दोलन में बर्बर दमन का किसानों ने बदला चुकाया। लिखित समझौता के दो साल बाद भी अन्न दाता किसानों के फसलों के लिए एम एस पी की कानूनी गारंटी पूरा नहीं कर देश के करोड़ों किसानों के साथ विश्वासघात के खिलाफ बिरसा के रास्ते किसान आन्दोलन और तेज होगा। संविधान, लोकतंत्र,व देश की रक्षा के लिए लोकसभा चुनाव में उभरे मजबूत विपक्ष मोदी सरकार की तानाशाही पर लगाम लगाएगा। इसके अलावे माकपा राज्य कमिटी सदस्य सह महिला नेत्री रंगोवती देवी, जिला कमिटी सदस्य जयपाल सिंह मुंडा, भुवनेश्वर मुंडा, जिला कौंसिल सदस्य सनातन मुंडा,लोकल कमिटी सदस्य श्रवन मुंडा, शंकर मुंडा, पांडू मुंडा, पंचानन मुंडा,मुखिया संतोष मुंडा, दामोदर प्रजापति, मदन मुंडा, महावीर प्रजापति, पोली गोंझू,राजू मुंडा सोमवारी देवी, रामसिंह मुंडा, सुकु मुंडा आदि ने संबोधित किया। काफी संख्या में आदिवासी किसान, महिला, पुरुष उपस्थित थे।

जेआइआइटी एकेडमी कम्प्यूटर सेंटर में दक्षता जांच परीक्षा का आयोजन

खूंटी। तोरपा रोड, खूंटी टोली स्थित जेआइआइटी एकेडमी कम्प्यूटर सेंटर में रविवार को छह माह का डिप्लोमा कम्प्यूटर कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थियों के बीच दक्षता जांच परीक्षा का आयोजन किया गया। इसमें 75 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस संबंध में संचालक बिरेंद्र नाग ने बताया कि यहां न्यूनतम शुल्क में डिप्लोमा कोर्स के बाद विद्यार्थियों के लिए और भी कई कोर्स हैं जैसे एक वर्ष का एडवांस डिप्लोमा कोर्स, डीटीपी, प्रोग्रामिंग, कार्यालय कार्य से संबंधित, इंटरनेट, कार्यालय सहायक कोर्स, हिन्दी-अंग्रेजी टाइपिंग, फोटोशोप, टैली आदि। जो विद्यार्थी आगे का कोर्स करेंगे, उन्हें फीस में विशेष छूट दी जाएगी और विद्यार्थियों के संबंधियों को भी न्यूनतम शुल्क में कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जायेगा।

स्थानीय ग्रामीणों को नौकरी दे आउटसोर्सिंग कंपनियां

15 जून को कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय हड़ताल करेंगे मजदूर

नवीन मोल संवाददाता। खलारी
एनके एरिया में आउटसोर्सिंग में काम करने वाले असंगठित मजदूरों की बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता अरविंद कुमार ने की। बैठक में मजदूरों की समस्या को लेकर चर्चा किया गया। उपस्थित मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी ने कहा कि खलारी में सीसीएल की कोयला खदाने हैं। स्थानीय सभी बेरोजगार ग्रामीणों को सीसीएल में नौकरी नहीं मिल सकती है। ऐसे में आउटसोर्सिंग कंपनियों में ही रोजगार मिल सकता है। परंतु आउटसोर्सिंग कंपनियां स्थानीय ग्रामीणों को योग्यता रहने के बावजूद नियोजन देने में आनाकानी कर रही है। अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें स्थानीय युवकों को रोजगार देना होगा। जो भी कंपनियां आ रही हैं वह दूसरे राज्यों के मजदूरों को रोजगार दे रही है। कहा कि झारखंड में भरपूर खनिज संपदा होने के बाद भी युवकों को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है। कहा कि आउटसोर्सिंग कंपनियों का प्रबंधन मनमानी बंद कर स्थानीय ग्रामीणों को नौकरी दे। सीएमपीएफ का पैसा भुगतान नहीं होने के कारण मजदूरों में आक्रोश है। सालों से सीएमपीएफ का पैसा आउटसोर्सिंग कंपनियां नहीं दे रही है। बैठक में तय हुआ कि मांगों को लेकर एनके महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष 15 जून को एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। वहीं 16 से 18 जून तक मजदूर लोग हड़ताल पर रहेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा शोषित और पीड़ितों के लिए प्रेरणा स्त्रोत : कल्पना सोरेन

धरती आबा बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर कल्पना सोरेन ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

नवीन मेल संवाददाता। रांची
पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। सोरेन ने रविवार को रांची स्थित अपने आवास पर भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।
मौके पर कल्पना सोरेन ने कहा, भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान और संघर्ष ने आदिवासी समाज सहित पूरे विश्व में आत्मसम्मान और गरिमा की भावना को प्रबल किया। आज वे पूरी दुनिया के शोषित और पीड़ित लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। हर अन्याय के खिलाफ उलगुलान, यही पुरुखों का रास्ता है। उनके दिखाए मार्ग पर हम सदैव आगे बढ़ेंगे, तानाशाहों के समक्ष झुकेंगे नहीं। भगवान बिरसा मुंडा को शत-शत नमन। झारखंड के वीर शहीद अमर रहें। जय झारखंड।

सचिवालय सेवा संघ का क्रमबद्ध आंदोलन कल से

रांची। झारखंड सचिवालय सेवा संघ ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन की घोषणा की है। महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने क्रमबद्ध आंदोलन करने की बात कही है। ज्ञात हो कि शनिवार को संघ की बैठक हुई थी। सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने कहा कि 11 जून को संघ के सदस्य मुख्य सचिवालय प्रोजेक्ट भवन में शाम चार बजे से प्रदर्शन करेंगे। मौन प्रदर्शन के बाद भी अगर संघ की मांगें नहीं मानी गईं, तो 19 और 20 जून को काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। फिर भी अगर सरकार मांगों पर विचार करने को बाध्य नहीं हुई, तो 27 जून को कलम बंद हड़ताल की जाएगी।

अबुआ राज ही बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि : देवेंद्र महतो

नवीन मेल संवाददाता। रांची
धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर जेबीकेएसएस के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो रांची के कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर पूरे टीम के साथ मल्यार्पण किया।
देवेंद्र महतो ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने आज के दिन 124 साल पूर्व अल्प आयु में ही जल जंगल जमीन के सरंक्षण के खातिर अपना बलिदान दे दिया। आधुनिक हथियार से लैस अंग्रेज के शोषण, अत्याचार एवं जुर्म के खिलाफ तीर, धनुष और मशाल से अंग्रेजों का कड़ा मुकाबला किया। बिरसा मुंडा का बलिदान को बेकार जाने नहीं दिया जाएगा। अबुआ दिशुम राज स्थापित करना ही बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि आज समस्त आदिवासी मूलवासी झारखंडी को चट्टानी एकजुटता का संकल्प लेने की आवश्यकता है, ताकि झारखंड गठन का उद्देश्य, शहीदों का सपना, आंदोलनकारियों का अरमान पूरा हो सके।
मौके पर नरेश मुंडा, राजेश उरांव, प्रकाश, चंदन, संजीव, लक्की, जय प्रकाश, पंकज, गणेश, नवीन आदि उपस्थित थे।

एडीआईपी योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हो रहा है शिविर का आयोजन

दिव्यांग बच्चों के लिए आज से नि:शुल्क हेल्थ चेकअप कैंप

राज्य के सभी प्रखंडों में विभिन्न तिथियों पर लगेगा कैंप

शिविर में सहायक उपकरणों का भी होगा वितरण

नवीन मेल संवाददाता। रांची
राज्य के सभी प्रखंडों में 18 वर्ष तक के दिव्यांगों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं सहायक उपकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया है। यह कैंप 10 जून से शुरू होगा और 5 सितंबर तक चलेगा। इसका आयोजन समावेशी शिक्षा के अंतर्गत संचालित विकलांग व्यक्तियों को सहायक उपकरणों की खरीद, फिटिंग के लिए सहायता योजना (एडीआईपी योजना) के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए किया जा रहा है। राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बताया कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) द्वारा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), भुवनेश्वर के सहयोग से सभी प्रखंडों में विभिन्न तिथियों में दिव्यांग बच्चों के लिए जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए एलिम्को की पांच टीमें राज्य के सभी प्रखंडों में कार्य करेंगी। प्रत्येक टीम में विभिन्न श्रेणियों के विशेषज्ञ शामिल होंगे एवं निर्धारित तिथियों में प्रखंडों में आयोजित होने वाले जांच शिविरों में भाग लेंगे।
जांच शिविरों के आयोजन से पहले जिला एवं प्रखंड द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शिविर में प्रखंड के सभी दिव्यांग बच्चे जिन्हें उपर्युक्त सहायक उपकरणों की आवश्यकता है, भाग ले सकें, ताकि इन शिविरों का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को मिल सके। जिला एवं प्रखंडस्तरीय कर्मियों की यह जवाबदेही होगी कि गृह आधारित शिक्षण प्राप्त कर रहे दिव्यांग बच्चों को भी इस जांच शिविर के क्रम में आवश्यक सहायक सामग्री उपलब्ध हो सके। जांच एवं वितरण शिविर दिन में 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक लगाया जाएगा।

12 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चे दोबारा पा सकते है सहायक उपकरण : नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं सहायक उपकरण वितरण शिविरों में 12 वर्ष तक के ऐसे दिव्यांग बच्चे, जिन्हें पिछले साल भी सहायक उपकरण मिले थे अथवा उनकी जांच हुई थी, वे दोबारा सहायक उपकरण पाने के योग्य हैं अथवा इस वर्ष वे पुनः नि:शुल्क जांच का लाभ ले सकते हैं। मगर पुनः सहायक सामग्री वितरण का लाभ केवल 12 तक के दिव्यांग बच्चों को ही मिलेगा।

पदाधिकारियों को दिव्यांग बच्चों को कैंप तक लाने की जिम्मेदारी : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच अथवा सहायक उपकरण वितरण शिविरों की मॉनीटरिंग के लिए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, रिसोर्स शिक्षक, थेरेपिस्ट, बीआरपी, सीआरपी तथा चिह्नित दिव्यांग बच्चों के पोषक क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों, प्रधान शिक्षक, ग्राम शिक्षा समिति के ऊपर जरूरतमंद बच्चों को चिह्नित कर उन्हें शिविरों तक लाने की जिम्मेदारी दी गई है। बच्चों को कैंप तक आने में सहूलियत हो, इसके लिए पदाधिकारियों द्वारा आवश्यकतानुसार वाहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक कैंप में उस क्षेत्र के सभी दिव्यांग बच्चे उपस्थित हों, यह सुनिश्चित कराना होगा। दिव्यांग बच्चों को कैंप तक लाने और ले जाने के लिए शिक्षक और सीआरपी की जिम्मेदारी तय की गई है। कैंप में बच्चों के लिए भोजन एवं पेयजल की भी पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी।

शिविर में शामिल होने वाले बच्चों को साथ लाना होगा जरूरी दस्तावेज

कैंप में आने वाले बच्चो को अपने साथ दो प्रति फोटोग्राफ, दिव्यांगता प्रमाण पत्र की छाया प्रति, बच्चा अथवा उसके माता पिता का आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र अथवा दिव्यांगता छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र लाना होगा। यदि किसी बच्चे के पास आय प्रमाण पत्र नहीं हो, तो संबंधित ग्राम प्रधान/मुखिया से प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है। दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में विद्यालय के प्रधान शिक्षक, समग्र शिक्षा अभियान के अधिकृत पदाधिकारी, एलिम्को के प्रतिनिधि तथा सरकारी चिकित्सा पदाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से बच्चे को दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। कैंप स्थल में काउच बेड एवं व्हील चेयर की व्यवस्था होगी। इस कैंप में श्रवण बाधित बच्चों के लिए ऑडियो मीटर समेत जरूरी सामग्रियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जांच-वितरण शिविरों की तिथि

जिला - अवधि
खूंटी- 10 जून से 15 जून तक
रामगढ - 18 जून से 24 जून तक
सिमडेगा - 10 जून से 21 जून तक
लातेहार/गोड्डा/धनबाद - 10 जून से 20 जून तक
पूर्वी सिंघभूम - 8 जुलाई से 20 जुलाई
पश्चिमी सिंहभूम - 22 जुलाई से 12 अगस्त
गिरिडीह - 5 जुलाई से 20 जुलाई
सरायकेला खरसांवा - 26 जून से 5 जुलाई
गुमला - 24 जून से 6 जुलाई
रांची - 18 जुलाई से 8 अगस्त
गढ़वा - 18 जुलाई से 10 अगस्त
कोडरमा - 12 अगस्त से 20 अगस्त
चतरा - 22 अगस्त से 5 सितंबर
देवघर - २२ जून से ३ जुलाई
पाकुड़ - 12 जुलाई से 19 जुलाई
बोकारो - 22 जून से 2 जुलाई
जामताड़ा - 4 जुलाई से 10 जुलाई
दुमका - 22 जुलाई से 1 अगस्त
साहिबगंज - 3 अगस्त से 14 अगस्त
पलामू - 22 जून से 16 जुलाई
लोहरदगा - 8 जुलाई से 15 जुलाई
हजारीबाग - 22 जुलाई से 8 अगस्त

झारखंड के गांव और शहरों में 19 से 26 जून तक चलेगा नशा विरोधी अभियान

अभियान में आम लोगों की भी होगी सहभागिता | *सूचना जनसंपर्क विभाग का भी अहम रोल*

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झारखंड सरकार ने नशा विरोधी अभियान की कार्ययोजना बना ली है। गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने इसकी कार्ययोजना तैयार की है। यह अभियान पूरे प्रदेश में 19 से 26 जून तक चलेगा, जिसमें लोगों से नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करने की अपील की जाएगी। जो नशा करते हैं, उनसे इसे छोड़ने को कहा जाएगा। इस अभियान के सफल संचालन के लिए कई विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महिला बाल विकास विभाग की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी।
जानकारी के अनुसार, इस अभियान में आम लोगों की भी सहभागिता रहेगी। इसके तहत गांव-शहर, स्कूल, पर्यटन स्थल से लेकर वन क्षेत्र तक की आबादी को कवर किया जाएगा। 11 जून तक इस कार्यक्रम के लिए संबंधित विभागों व जिला को प्रचार सामग्री उपलब्ध करा दिया जाएगा।
सूचना जनसंपर्क विभाग भी 11 जून तक एवी, रेडियो जिंगल्स, शॉर्ट फिल्म, पोस्टर, पंपलेट इत्यादि उपलब्ध कराएगा। स्कूली शिक्षा विभाग कार्यक्रम की सफलता के लिए 12 व 13 जून को रांची में एक कार्यशाला भी आयोजित कर रहा है। इसमें राज्य के सभी डीईओ व डीएसई शामिल होंगे। 13 व 14 जून के वर्कशॉप में एनसीसी व एनएसएस के सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों का भी होगा आयोजन

- 16 जून 2024 से 23 जून तक लगातार सभी नगर निकायों के अपशिष्ट संग्रहण गाड़ियों में ध्वनि प्रसारक यंत्र के सहायता से मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव के संबंध में जानकारी दी जाएगी।
- 23 जून को एनयूएलएम, डीएनयूएलएम योजना के स्वयं सेवा समूह के सहयोग से मानव श्रृंखला बनाकर तथा अन्य साधनों से सभी नगर निकायों में मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम चलेगा।
- 24 जून को सभी नगर निकायों में पार्क, सेल्फी प्वाइंट, पोस्टर बैनर आदि के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।

चौपाल 19 जून को

19 जून को पूरे राज्य में ग्राम स्तर पर चौपाल लगेगा। इसके सफल संचालन के लिए ग्रामीण विकास विभाग की संस्था जेएसएलपीएस, एसएचजी ग्रुप, झारखंड फॉरेस्ट मैनेजमेंट कमेटी, पंचायती राज संस्थाएं कार्य करेंगी। जिला स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम व कार्यशाला का आयोजन 20 जून को होगा। जिला प्रशासन इस काय्रक्रम में सहयोग देगा। 21 जून को प्रखंड स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम होगा। 23 व 24 जून को हाट-बाजार आदि में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसमें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहयोग देगा। प्रत्येक जिले में 5 से 6 अधिकारी विशेष रूप से इस कार्य के लिए अधिकृत किए जाएंगे।

बिरसा मुंडा महान क्रांतिकारी थे : संदीप

जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए शुरू किया उलगुलान

अकाल में गरीबों एवं असहायों की देखभाल की : अर्जुन राम

नवीन मेल संवाददाता। रांची
वनवासी कल्याण आश्रम के सभागार में रविवार को जनजाति सुरक्षा मंच एवं सेवाधाम पुरातन छात्र परिषद के संयुक्त तत्वावधान में भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।
सभा को संबोधित करते हुए जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक (झारखंड-बिहार) संदीप उरांव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा मात्र 25 साल की उम्र में देश के लिए शहीद होकर लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रेरित किया। इसके चलते देश आजाद हुआ। मुंडा आदिवासियों एवं अन्य सभी द्वारा बिरसा को आज भी धरती आबा के नाम से पूजा जाता है। भगवान बिरसा ने अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा और राजस्व-व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए उलगुलान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेज कुटिल नीति अपनाकर आदिवासियों को लगातार जल, जंगल जमीन और उनके प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल करने लगे। हालांकि, आदिवासी विद्रोह करते थे, लेकिन संख्या बल में कम होने एवं आधुनिक संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण उनके विद्रोह को कुछ ही दिनों में दबा दिया जाता था। यह सब देखकर बिरसा मुंडा विचलित हो गए और अंततः 1895 में अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा और राजस्व-व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई के साथ-साथ जंगल-जमीन की लड़ाई छेड़ दी। यह मात्र विद्रोह नहीं था। यह आदिवासी अस्मिता, स्वायतत्ता और संस्कृति को बचाने के लिए संग्राम था। पिछले सभी विद्रोह से सीखते हुए, बिरसा मुंडा ने पहले सभी आदिवासियों को संगठित किया और फिर अंग्रेजों के खिलाफ महाविद्रोह 'उलगुलान' छेड़ दिया। भाजपा नेता सह समाजसेवी अर्जुन राम ने कहा कि बिरसा मुंडा का ध्यान मुंडा समुदाय की गरीबी की ओर गया। आदिवासियों का जीवन अभावों से भरा हुआ था। इस स्थिति का फायदा मिशनरी उठाने लगे थे और आदिवासियों को ईसाइयत का पाठ पढ़ाते थे। गरीब आदिवासियों को यह कहकर बरगलाया जाता था कि तुम्हारे ऊपर जो गरीबी का प्रकोप है, वो ईश्वर का है। हमारे साथ आओ, हमें तुम्हें भात देंगे, कपड़े भी देंगे। उस समय बीमारी को भी ईश्वरीय प्रकोप से जोड़ा जाता था।

बिरसा मुंडा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : नीरज

कांग्रेस ने मनाया धरती आबा बिरसा मुंडा का शहादत दिवस

नवीन मेल संवाददाता। रांची
कांग्रेस प्रदेश कमेटी के तत्वावधान में धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में रविवार को रांची के कांग्रेस भवन में मनाई गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मौके पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव अमूल्य नीरज खलको ने कहा कि आज पूरे राज्य भर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि वृहत रूप से मनाई जा रही है। अंग्रेजों के शोषणकारी प्रवृत्ति की वजह से मुंडाओं की सामूहिक खूंटकटी व्यवस्था नष्ट होने के कगार पर पहुंच गई थी। बिरसा मुंडा का क्रांतिकारी मन इनके खिलाफ बगावत से भर उठा। उन्होंने अपने अनुचरों के साथ अंग्रेजों के खिलाफ 1897 में उलगुलान (क्रांति) की शुरुआत की। वीर बिरसा आरंभ से ही जल, जंगल, जमीन की रक्षा और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के नायकों में इनका नाम अमर शहीदों की सूची में शुमार है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते-लड़ते कारावास में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने ने कहा कि वीर बिरसा मुंडा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में राजीव रंजन प्रसाद, मदन मोहन शर्मा, राजेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

इलेक्शन

झारखंड पार्टी के समक्ष अस्तित्व बचाने की चुनौती

लोकसभा चुनाव में 99 फीसदी लोगों ने नकारा

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झारखंड अलग राज्य आंदोलन की बुनियाद रखने वाली झारखंड पार्टी (झापा) के समक्ष आज अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। 1952 से 1972 तक खूंटी सुरक्षित संसदीय क्षेत्र में झारखंड पार्टी का एकछत्र साम्राज्य था। उसके उम्मीदवारों ने लगातार जीत हासिल की थी। झापा के कभी बिहार विधानसभा में 32 विधायक हुआ करते थे। लेकिन, आज स्थिति दयनीय हो गई है। खूंटी खासकर तोरपा, कोलेबिरा जैसे विधानसभा क्षेत्र में दूसरी पार्टियों के चुनाव प्रचार वाहन तक नहीं जाते थे। मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा और बाद में एनई होरो की एक आवाज पर पूरा गांव एकजुट हो जाता था, आज उसी पार्टी के समक्ष अपनी पहचान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। पार्टी के घटते जनाधार का अनुमान सिर्फ इस बात से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी एक फीसदी लोगों का भी समर्थन पाने में विफल रही है।
इससे पहले, वर्ष 2014 के संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी दूसरे स्थान पर थी। पार्टी प्रयाशी एनोस एक्का ने भाजपा के कड़िया मुंडा को कड़ी टक्कर दी थी।

झापा को 38 बूथों में एक भी वोट नहीं मिला

तोरपा विधानसभा क्षेत्र झारखंड पार्टी का सबसे मजबूत गढ़ था। एनई होरो कई बार यहां से विधायक रहे हैं। वर्ष 2024 के संसदीय चुनाव में तोरपा विधानसभा क्षेत्र में झारखंड पार्टी का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा। यहां पार्टी प्रत्याशी को महज 672 वोट मिले। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के 38 बूथों में झापा को एक भी वोट नहीं मिला। वहीं, 48 बूथों में एक, 52 बूथों में दो वोट मिले। 252 मतदान केंद्रों में से 246 बूथों में इसे दस से भी कम वोट मिला।

चुनाव प्रचार में भी नहीं दिखाई रुचि

कुछ लोग तो झारखंड पार्टी के चुनाव लड़ने की मंशा पर ही सवालिया निशान लगा रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता से साफ हो गया था कि किसी खास प्रत्याशी को लाभ पहुंचाने के लिए पार्टी नेताओं ने मतदाताओं से दूरी बना ली। पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं ने न तो चुनाव प्रचार में रुचि दिखाई और न ही मतदान के दिन पार्टी नेता कहीं नजर आए।

एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले

वर्ष 2024 के संसदीय चुनाव में झारखंड पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पार्टी उम्मीदवार को एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले। झारखंड पार्टी को नोटा से भी कम मात्र 8,532 वोट मिला, जबकि 21,919 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। झारखंड पार्टी जमानत भी नही बचा पायी। निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे बसंत लोंगा को झारखंड पार्टी से अधिक 10,755 वोट हासिल हुआ। इसका सीधा अर्थ है कि क्षेत्र की 99 फीसदी से अधिक लोगों ने झारखंड पार्टी को नकार दिया।

एक नजर

शहादत दिवस पर याद किए गए भगवान बिरसा मुंडा

हजारीबाग। भगवान बिरसा मुंडा के 124वीं शहादत दिवस के अवसर पर उपायुक्त नैंसी सहाय ने अपने आवास में धरती आबा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि भगवान बिरसा की शहादत हम सब के लिए प्रेरणा के समान है। हम झारखंडवासियों को उनपर गर्व है। उन्होंने 25 वर्ष की अल्पायु में देश के लिए अपने जीवन की कुबार्नी दे दी। उनके कुशल नेतृत्व क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत उस समय के ताकतवर सामंतों और अग्रेजों के विरुद्ध उलगुलान किया। जिला प्रशासन द्वारा भी पुराना बस स्टैंड अवस्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि दी गई तथा उनके बलिदानों को याद किया।

जेबीकेएसएस कोर कमेटी की बैठक आयोजित

रामगढ़। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ामगढ़ इकाई के कोर कमेटी की बैठक रविवार को देवानंद महतो की अध्यक्षता एवं पनेश्वर कुमार के संचालन में टायर मोड़ में आयोजित की गयी। इस बैठक का मुख्य उदेश्य बीते लोकसभा चुनाव की समीक्षा कर आवश्यक विचार विमर्श करना था। बैठक में पार्टी हित मे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये । बताया गया कि बहुत जल्द पार्टी का विस्तार करते हुए पार्टी का अपना जिला अध्यक्ष, जिला कमेटी विस्तार, प्रखंड कमेटी विस्तार तथा बचे पंचायत कमेटी विस्तार सभी समुदायों के लोगों को साथ लेकर किया जाएगा । कहा गया कि जेबीकेएसएस विधान सभा चुनाव में अपने दमखम के साथ प्रत्याशी खड़ा करेगा। केंद्रीय अध्यक्ष पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो जिसे प्रत्याशी बनायेंगे उसका समर्थन सभी कार्यकर्ता करेंगे।

छह वर्षों में भी पूरी नहीं हुई छावनी परिषद फेज टू योजना

रामगढ़। छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सरदार अनमोल सिंह ने कार्यपालक अभियंता पीएचईडी रामगढ़ को छावनी परिषद फेज टू योजना छह वर्षो तक पूरा नहीं होने पर ज्ञापन सौंपा। आवेदन में उन्होंने कहा कि रामगढ़ कैंट की जल योजना फेज टू आपके कार्यालय की ओर से कराया जा रहा है, जो कि वर्ष 2018 में पूरा हो जाना चाहिए था। मगर वर्ष मई 2024 तक योजना पूरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि योजना को लेकर आपके कार्यालय के समक्ष 6 दिनों तक लगातार धरना दिया गया। इसके बाद उपरोक्त योजना का कार्य चालू किया गया। जिससे नईसराय वार्ड नंबर दो एवं वार्ड नंबर एक में पानी चालू कर दिया गया। लगभग तीन साल के बाद भी यह योजना चालू नही हो पाई। उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर सात में कई गरीब एवं सुदूर इलाका है। यहां पाइप बिछ जाने के बाद भी आज तक पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई है। उन्होंने पदाधिकारी से मांग करते हुए कहा है कि महत्वकांक्षी योजना फेज टू अविलंब पूर्ण करते हुए बचे हुए इलाकों में पानी की सप्लाई शुरू किया जाए।

शिव मंदिर का मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना कार्य संपन्न

कलश स्थापना को लेकर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
नगर परिषद के वार्ड नंबर 32 स्थित शिव मंदिर कुरूम में रविवार को शिखर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश की स्थापना का कार्य संपन्न हो गया। इस मौके पर मंदिर परिसर में सर्वप्रथम पंच देवता एवं कलश पूजन अनुष्ठान का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध यज्ञाचार्य रामशरण गिरी की देखरेख में यजमान पवन कुमार सिंह, सीताराम सिंह, अमित कुमार सिंह, कृष, राजा, भास्कर एवं गुलन ने पंच देवता एवं कलश पूजन का अनुष्ठान विधि पूर्वक संपन्न किया। वहीं, पूजन के उपरांत एक सुसज्जित वाहन पर शिखर कलश को विराजमन करवाकर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा गांव के विभिन्न मुहल्लों से होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिला और पुरूष श्रद्धालु शामिल हुए। जो हर हर महादेव के उदघोष से वातावरण को भक्तिमय बनाते चल रहे थे। शिखर कलश शोभा यात्रा आकर्षक बैंड के साथ निकली। इस दौरान बैंड पार्टी ने मधुर भक्तिमय धूनों से श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। प्रसिद्ध यज्ञाचार्य रामशरण गिरी की देखदेख में 9 जून 3:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर के शिखर कलश की स्थापना का कार्य संपन्न हुआ। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के उदघोष से वातावरण को भक्तिमस बना दिया। इस मौके पर यज्ञाचार्य रामशरण गिरी ने कहा कि जिस क्षेत्र में भगवान शंकर का मंदिर होता है वहां खुशहाली आती है। साथ ही वहां का वातावरण हमेशा भक्तिमय बना रहता है। इस कार्यक्रम में मननारायण सिंह, मनोहर सिंह, कामेश्वर सिंह, ज्ञानी सिंह, रण विजय सिंह, सुरेश सिंह, जय कुमार सिंह, सदानंदन सिंह, मनोज सिंह, दीपनारायण सिंह, रितेश कुमार, राजकुमार सिंह, पिंटू सिंह, ओम सिंह, ऋतू सिंह, अंकित सिंह, धर्मा रविदास, संतोष मुंडा, संतोष कुमार, उदय मुंडा, रामी मुंडा, अशोक मुंडा सहित सैकड़ों की संख्या मे महिला और पुरूष शामिल हुए।

> ◆जिस स्थान पर भगवान शंकर का मंदिर होता है वहां खुशहाली आती है : रामशरण गिरी

आदिवासी जन जागरण के एकलव्य थे भगवान बिरसा मुंडा : विकास राणा

हजारीबाग। आजसू पार्टी की जिला कमिटी द्वारा रविवार को भगवान बिरसा मुण्डा के शहादत दिवस पर पुराना बस स्टैण्ड स्थित अमर शहीद भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर जिलाध्यक्ष सह केन्द्रीय प्रवक्ता विकास राणा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उनकी प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित कर,अमर शहीद भगवान बिरसा मुण्डा अमर रहे के नारा भी लगाया।जिलाध्यक्ष श्री राणा ने अपने सम्बोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा सही मायने में पराक्रम और सामाजिक जागरण के धरातल पर तत्कालीन युग के एकलव्य और स्वामी विवेकानन्द थे। ब्रिटिश हुकूमत ने इसे खतरे का संकेत समझकर बिरसा मुण्डा को गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया, जेल में अंग्रेजों ने उन्हें धीमा जहर दिया था जिस कारण 09 जून 1900 को वे शहीद हो गए। उन्होंने जमींदारों और जागीरदारों के खिलाफ आदिवासियों को गोलबन्द करके बेगारी प्रथा के विरुद्ध जबरदस्त आंदोलन किया था।भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करनेवालों में केन्द्रीय सदस्य आनन्द सिंह,विजय वर्मा, कोषाध्यक्ष अजय कुमार, जितेन्द्र कुमार, महिला मोर्चा की संगीता बारला, सुहानी एक्का, जिला सचिव विवेक कुमार राणा, प्रमोद कुमार वर्मा, नगर अध्यक्ष आफताब आलम एवं राकेश कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

न्यूज बॉक्स

हम सब के लिए प्रेरणा स्रोत है धरती आबा भगवान बिरसा की शहादत : उपायुक्त

हजारीबाग। भगवान बिरसा मुंडा के 124वीं शहादत दिवस के अवसर पर उपायुक्त नैंसी सहाय ने अपने आवास में धरती आबा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि भगवान बिरसा की शहादत हम सब के लिए प्रेरणा के समान है। हम झारखंडवासियों को उनपर गर्व है। उन्होंने 25 वर्ष की अल्पायु में देश के लिए अपने जीवन की कुबार्नी दे दी। उनके कुशल नेतृत्व क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति का हीं परिणाम था कि उस समय के ताकतवर सामंतों और अग्रेजों के विरुद्ध उलगुलान संभव हो सका,भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर उन्हे शत शत नमन। जिला प्रशासन द्वारा भी पुराना बस स्टैंड अवस्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि दी गई तथा उनके बलिदानों को याद किया।

बंद पड़ी खदान से व्यक्ति का शव बरामद

बेरमो। बेरमो के जरिडीह बाजार रेलवे फाटक के पास स्थित बंद पड़ी खदान से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है. व्यक्ति की पहचान बेरमो 4 नंबर निवासी चंद्रशेखर आजाद के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने सुबह में लंबे अरसे से बंद खदान में एक शव को उपलते देखा. इस खबर को सुनकर आस-पास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी. इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर गांधीनगर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने शव को खदान से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट भेजा.

बिरसा मुंडा की 123वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में भगवान बिरसा मुंडा की 123 वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों द्वारा उनके चित्र पर पुष्प अर्पित व माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजली दी गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि 19 वीं सदी के अंत में 15 नवंबर 1875 को रांची के उलिहातु में इनका जन्म हुआ था। बिरसा मुंडा ने भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासी प्रतिरोध के इतिहास में महत्वपूर्ण भुमिका निभाई । वह मुंडा आदिवासी समुदाय से थे और वह एक लोक विद्रोही आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी, धार्मिक नेता और भारतीय कार्यकर्ता थे। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान महिला जिला अध्यक्ष बेबी देवी, जावेद इकबाल, कजरू साव, विजय कुमार सिंह, प्रदीप मंडल, रघु जायसवाल, परवेज अहमद आदि उपस्थित थे।

छलांग के तहत बेंदगी में खेल मेला आयोजित, सफल खिलाड़ियों को मिला मेडल

बड़ी। जनजागरण केंद्र और पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में बेंदगी में खेल मेला का आयोजन किया गया. उक्त जानकारी जन जागरण केंद्र के प्रखंड समन्वयक चितरंजन महतो ने दी. उन्होंने बताया कि स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के अंतर्गत झाशिप के नेतृत्व में छलांग परियोजना आयोजित किया जा रहा है. जिसके खेल मेला आयोजित कर विभिन्न प्रकार के खेल ट्रेजर हंट, डोज बॉल , कबड्डी , बिल्डिंग बुलडोजर आदि आयोजित किए जा रहे है. इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय स्तर पर स्पोर्ट्स गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास और शिक्षा के प्रति अभिभावकों को जागरूक करना है. इसके साथ ही ड्रॉप आउट कम करना और नए सत्र में अधिकाधिक बच्चो को नामांकित करवाना इस योजना का मुख्य लक्ष्य है. कार्यक्रम सफल बनाने में फील्ड कोऑर्डिनेटर आरती कुमारी, नरेश कुमार, वोलिएंटियर अरुण कुमार, शिबू कुमार ने महत्ती भूमिका निभाई. खेल मेला में अभिजीत सेन ग्रामीण इंटर्नशिप की तीन छात्राएं भाविका आर्य, फाल्गुनी काबरा और वानाथी नाचियर सहित ग्रामीण बच्चे-बच्चियां भी उपस्थित थे. खेल के अंत में सफल खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

गोरहर थाना प्रभारी को प्रशस्ति पत्र देकर एसपी ने किया सम्मानित

बरकट्ठा। गोरहर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।विदित हो कि गोरहर थाना क्षेत्र में रामनवमी पूजा और लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया गया। वही थाना प्रभारी ने कहा कि इसके लिए शिलाडीह, बेलकप्पी, गोरहर की जनता का काफी योगदान रहा इसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देता हूं। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी के कार्यकाल में शांति व्यवस्था कायम रहने तथा अपराधियों पर अंकुश लगाने में कामयाब हुए हैं।

आईसेक्ट विवि में नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का विजेता बना आरके क्लब खरिका

संदीप मैन ऑफ द मैच व बैजनाथ मैन ऑफ द सीरीज चुने गए

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग
आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से तरबा-खरबा स्थित आईसेक्ट विश्वविद्यालय मैदान में बीते 30 मई से शुरू हुए डे-नाइट क्रिक्रेट टूर्नामेंट का समापन शनिवार रात हो गया। आरके क्लब खरिका ने अमृत नगर इलेवन को 16 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले की शुरूआत से पहले आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद व कुलपति डॉ पीके नायक ने सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया और खेल भावना से खेलने को लेकर प्रेरित किया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के अमृतनगर इलेवन का फैसला सही साबित नहीं हुआ और पहले बल्लेबाजी करते हुए आरके क्लब खरिका ने शानदार 83 रन बना डाले, जिसमें कप्तान के 28 रनों की आतिशी पारी भी शामिल है। 84 रनों का लक्ष्य पीछा करने उतरी अमृत नगर इलेवन की टीम ने 10 ओवरों में 8 विकेट खोकर महज 67 रन ही बना सकी और 16 रनों से मैच गंवा दिया। हालांकि अमृत नगर इलेवन की ओर से राजेश कुमार ने जरूर 35 रनों की बेहतरीन पारी खेली लेकिन अपने टीम को जीत दिलाने में नाकामयाब रहे। आरके क्लब खरिका की ओर से शानदार गेंदबाजी का मुजाहरा करते हुए बैजनाथ ने तीन और संदीप ने दो विकेट अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में आरके क्लब खरिका के बैजनाथ कुमार को उसके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। विजेता टीम आरके क्लब खरिका को 21 हजार रूपए का चेक व ट्रॉफी जबकि उपविजेता टीम अमृत नगर इलेवन को 11 हजार रुपए का चेक व ट्रॉफी प्रदान कर आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद व कुलपति डॉ पीके नायक के हाथों सम्मानित किया गया।

> इलेवन की ओर से राजेश कुमार ने 35 रनों की बेहतरीन पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने में नाकामयाब रहे

भीषण गर्मी के प्रकोप से बच्चों की तबीयत हो रही है खराब : डॉ सुनील कश्यप

रामगढ़। उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर मांडू के प्रधानाध्यापक एवं झारखंड प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ सह पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर सुनील कुमार कश्यप ने रविवार को विज्ञप्ति जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि पूरे झारखंड प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। कहा कि इस भीषण गर्मी में स्कूल जाने से बच्चों की तबियत खराब हो रही है। कहा कि बच्चों को लू लग रहा है। साथ ही गर्मी के कारण बच्चों को और भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में गर्मी की छुट्टी को बढ़ाने की आवश्यकता प्रतीत होने लगी है । डॉ कश्यप ने कहा कि अभिभावक टेलीफोन से संपर्क कर छुट्टी की मांग करने लगे हैं । मौसम विभाग लू चलने का का यलो अलर्ट जारी कर रहा है इसिलए बच्चों के अभिभावक छुट्टी बढ़ाने का आग्रह कर रहे हैं। कहा कि सरकार को अभिभावकों की मांगों पर विचार करने की जरूरत है।

आदिवासी समुदाय के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित थे भगवान बिरसा मुंडा : मुन्ना सिंह

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर पुराना बस स्टैंड स्थित बिरसा मुंडा चौक पहुंच कर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माला पहनाकर उन्हें अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन श्री सिंह ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन और उनके द्वारा दिए गए बलिदान हमें जल-जंगल-जमीन और झारखंडी अधिकारों के प्रति सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देते हैं। बिरसा मुंडा ने अपने जीवन को आदिवासी समुदाय के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उनकी वीरता और संघर्ष की कहानियां हमें सिखाती हैं कि किस प्रकार अपने अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प और संघर्ष आवश्यक है। उन्होंने न केवल आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए संघर्ष किया, बल्कि एक प्रेरणादायी नेता के रूप में उभरे। हमें उनके आदर्शों का पालन करते हुए उनके सपनों का झारखंड बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।कार्यक्रम में बबलू सिंह, दिनेश यादव सुजीत सिंह विक्की कुमार धान, विशाल कुमार समेत दर्जनों अन्य उपस्थित रहे।

माली मालाकार कल्याण समिति का किया गया पुनर्गठन

मुझे संगठन ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरी तरह से निभाने का प्रयास करूंगा : अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग
माली मालाकार कल्याण समिति की जिला इकाई के पुनर्गठन को लेकर बडम बाजार स्थित भाग्यमणि भवन में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष भोला मालाकार एवं संचालन पूर्व सचिव कामाख्या भगत के द्वारा किया गया। बैठक में जिले भर के 16 प्रखंड से माली समाज के लोग शामिल थे। बैठक के दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में जिलाध्यक्ष पद के लिए पदमा के सतीश मालाकार, कार्यकारी अध्यक्ष मुकेश मालाकार, उपाध्यक्ष अनिल माली, महासचिव विनोद भगत, सचिव विनोद माली, उपसचिव दीपक मालाकार, मीडिया प्रभारी अमित मालाकार, सुमित कुमार संयोजक वीरेंद्र भगत सहसंयोजक विजय कुमार, संरक्षक भोला भगत, सह संरक्षक प्रदीप मालाकार एवं रवि मालाकार का मनोनयन किया गया।मौके पर अध्यक्ष सतीश मालाकार ने कहा कि समाज ने मुझे जिस उद्देश्य से अध्यक्ष पद का जिम्मा सौंपा है, मैं उसपर खरा उतरने का प्रयास करते हुए जिले के सभी प्रखंडों के मालाकार भाईयों की समस्याओं के निवारण का भरपूर प्रयास करूंगा। मौके पर दुर्गा भगत, प्रयाग माली, महेंद्र कुमार माली, बंसी भगत, सुधीर माली, बसंत माली, विजय माली, वीरेंद्र भगत, भोला माली, शंभू माली, बबन मालाकार, विकी मालाकार, ऋषि मालाकार, रामू मालाकार, दिलीप मालाकार, पिंटू माली, अजय माली, राजा मालाकार, कुलदीप भगत सहित माली मालाकार समिति के दर्जनों लोग उपस्थित थे।

> बैठक के दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जो माली समाज के लिए बेहतर होगा

स्वच्छता भाजपा नेता ने संस्था के सहयोग से तालाब की सफाई कराई

आप सभी के सहयोग से सुंदर व स्वच्छ हजारीबाग बनाएंगे : प्रदीप प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग
भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने कहां कि तालाब में प्लास्टिक जमा होने के कारण जल दूषित हो रहे है। उसी कड़ी मे शहर स्थित स्थानीय हुरहुरू लांबा तालाब में वसुधा कल्याण संस्था के साथ मिलकर जल संरक्षण को लेकर साफ सफाई किया। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में जल संकट की समस्या और अधिक विकराल हो जाएगी अगर अभी से हम सब सचेत नही हुए तो स्थिति बहुत भयावह हो जाएगी । श्री प्रसाद ने कहा कि सरकार और हम सब लिए चिंता का विषय है। इस दिशा में अगर त्वरित सार्थक पहल की जाए तो नियंत्रण में रखी जा सकती है अन्यथा अगले कुछ वर्षों में हम सब के लिए चुनौती पूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहां कि वसुधा कल्याण संस्था के लोगों का सरहानीय पहल को अनुकरण करने की आवश्यकता है। वसुधा कल्याण के अंजलि नीरज ने कहां कि एक साथ मिलकर स्वच्छ सुंदर हजारीबाग बनाएंगे। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण बनाने के लिए हम सबको मिलकर पहल करना होगा। हमारा संस्था पिछले कई वर्षों से इस पर काम कर रही है। इस अवसर पर वसुधा कल्याण के अंजली नीरज ,रुचि नीरज , कुंदन कुमार, राहुल पंडित, अधिवक्ता प्रकाशा झा, धंनजय सिहं, राहूल मंडल, मनोज कुमार, पंडल यादव, विकास कुमार, भूसन, ऋषि प्रसाद, प्रकाश, मुकुल आदर्श, दिलीप, शिवानी, सपना, रश्मि, रेयान, रवि, सोनी, निशा, मंटू शुभम, रवींद्र, आदित्य, लखन, सिद्धेश्वर, शिवम, सुमन्त सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

> **वसुधा कल्याण संस्था के लोगों के सरहानीय पहल को अनुकरण करने की आवश्यकता है**

स्कूलों में एमडीएम के मिले पैसे हो रहे खत्म, कई स्कूल उधार पर ला रहे राशन

रामगढ़। ग्रीष्मावकाश के बाद शनिवार को पूरे राज्य सहित जिले के भी सरकारी स्कूल खुल गए। हालांकि ज्यादातर स्कूलों में बच्चों की संख्या छुट्टी के बाद पहले दिन काफी कम नजर आई। जो बच्चे स्कूल आए उनके लिए स्कूलों में मध्याह्न भोजन भी तैयार हुआ। लेकिन स्कूलों को पिछले 2 महीने से मध्याह्न भोजन की राशि नहीं मिली है। स्कूलों को एमडीएम के लिए 2-3 महीने की राशि एडवांस में दे दी जाती है। जब तक राशि है तब तक कैश से स्कूल का राशन आता है। लेकिन पैसे खत्म हो जाने पर दुकानों में उधार में राशन मंगाए जाते हैं। इससे एमडीएम की राशि समय पर न आने से उधार बढ़ता चला जाता है। जिस कारण स्कूलों को मेनू के अनुसार बच्चों को भोजन देने में समस्या खड़ी होने लगती है।

झामुमो नेता ने दो परिवार के बीच पनपे नफरत को प्यार में बदला

परिवार को तोड़ना नहीं, बल्कि जोड़ना मेरा मुख्य उद्देश्य रहा है : बिनोद विश्वकर्मा

नवीन मेल संवाददाता। बरही
झामुमो के केंद्रीय सदस्य और बरही विस प्रभारी बिनोद विश्वकर्मा की सराहनीय पहल पर दो परिवारों के बीच के पनपे नफरत की दीवार प्यार में बदल गई. साथ ही नफरत व दुश्मनी के बीज को समाप्त करते हुए रिश्ते में बदलने का काम किया गया. ज्ञातव्य हो कि चौपारण प्रखंड के यवनपूर भदेल निवासी मो यूनूस की पुत्री 20 वर्षीया पुत्री मुस्कान खातून का पांडेयडीह कोडरमा निवासी मो मकसूद अंसारी के 22 वर्षीय पुत्र समीर अंसारी के बीच बीते कई महीनों से गोपनीय प्रेमालाप कायम था. जो शनिवार को गया रोड बरही ने उजागर हो गया और दोनों पकड़े गए. जिसे लेकर लड़की के परिवार व गांव वाले लड़का को कानून के हवाले करने के लिए उतारू थे. बात बिगड़ती देख इसके पूर्व मामले की जानकारी झामुमो नेता श्री विश्वकर्मा को हुई. झामुमो नेता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लड़के व लड़की दोनों पक्षों के अभिभावकों को अपने मुखिया व गांव के मानिंदों के साथ अपने धनबाद रोड स्थित आवासीय कार्यालय में बुलाया. दोनो पक्षों को समझाया और आपसी विवाद समाप्त करते हुए नफरत दूर कर दोनों के बीच के गतिरोध को समाप्त करवाया. विश्वकर्मा की पहल पर दोनो पक्ष कानूनी पेंच से दूर रहकर आपसी रजामंदी के साथ बिना तिलक निकाह करवाने के लिए तैयार हुए. झामुमो नेता ने तत्काल पहल करते हुए अपने आवासीय कार्यालय में शनिवार की रात्रि को ही दोनो के बीच जामा मस्जिद के इमाम हाजी कारी और मौलाना मुशर्रफ ने इस्लामिक रीति रिवाज से निकाह करवाया. झामुमो नेता ने कहा कि परिवार को तोड़ना नहीं अपितु जोड़ना उनका मुख्य उद्देश्य रहा है. मौके पर उपस्थित सभी लोगों ने लड़का लड़की के वैवाहिक जीवन की खुशहाली की कामना की।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में बेटे की हुई मौत, मां गंभीर रूप से घायल

कोडरमा। डोमचांच थाना क्षेत्र के जयनगर-बगड़ो मुख्य मार्ग पर रविवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से एक बच्चे की मौत हो गई जबकि बच्चे की मां गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार सलईडीह निवासी किरण देवी (26) पति संदीप पासवान अपने बेटे अनमोल कुमार और अमूल कुमार के साथ बेहराडीह आपने मायके से ससुराल सलईडीह जाने के लिए निकली थी। इस दौरान जयनगर-बगडो मुख्य मार्ग के समीप ट्रक ने महिला और उसके छोटे पुत्र अमूल कुमार (7) को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में अमूल कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया। जहां चिकित्सकों की निगरानी में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार ट्रक का चालक शराब के नशे में था। जो घटना के बाद ट्रक को छोड़कर फरार हो गया।

ट्रेन की छत पर चढ़ने के दौरान करंट की चपेट में आने से युवक झुलसा

झुमरी तिलैया। कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर खड़ी कोडरमा-मधुपुर पैसेंजर ट्रेन की छत पर रविवार को चढ़ने के दौरान हाई टेंशन तार की चपेट में आने से युवक बुरी तरह झुलस गया। घटना के बाद झुलसे युवक को गंभीरावस्था में रेल कर्मियों के सहयोग से कोडरमा सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल हजारीबाग भेजा गया। । घटना रविवार की सुबह 6 बजे की बतायी गयी है। युवक मानसिक रूप से विक्षप्त बताया जाता है। उसकी पहचान नहीं हो पायी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रविवार होने के कारण ट्रेन कोडरमा स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर खड़ी थी। अचानक एक युवक खड़ी ट्रेन पर चढ़ने लगा। इससे पहले उसका बचाव किया जाता, युवक हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया।

बडिंग ऑथर प्रतियोगिता में डीएवी की दो छात्राएं सफल

कोडरमा । डीएवी पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया के बच्चों ने सीबीएसई द्वारा आयोजित बडिंग ऑथर प्रतियोगिता में सफलता हासिल की है। प्रतियोगिता में क्लास 10 वीं की शायंतिका मोदी और आठवीं की दिव्या राणा ने कहानी लेखन में सफलता प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। सीबीएसई इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक वर्ष क्लास पांचवी से दसवीं तक के बच्चों के बीच कहानी, कविता, निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाती है। प्रतियोगिता में पूरे देश के बच्चे भाग लेकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करते हैं। प्रतियोगिता 10 नवंबर 2023 को आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में सीबीएसई से संबद्ध सभी स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं। बच्चों की इस सफलता पर प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने स्कूल परिवार की ओर से बच्चों और उनके अभिभावकों को बधाई दी है।

अब ग्रामीणों में भी मांदर व नगाड़े की थाप पर नाचने की रुचि बढ़ने लगी है

झारखंड की संस्कृति में चलना ही नृत्य और बोलना गीत-संगीत है : भूषण बाड़ा

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा
झारखंड में चलना ही नृत्य और बोलना गीत-संगीत है। लेकिन वर्तमान स्थिति में गीत, संगीत, वाद्य यंत्रों को बचाने की बातें सिर्फ मंचो तक ही सिमटा हुआ नजर आता है। लेकिन सिमडेगा के युवा कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा न सिर्फ मंच में जोर शोर से संस्कृति को सहेजने को लेकर भाषण दे रहे हैं, बल्कि गांव में जाकर वे खुद मांदर बजाते हुए युवाओं को भी मांदर बजाने, नाचने-गाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस दौरान विधायक समूह में ग्रामीणों के साथ आदिवासी नाच करते हुए वहां मौजूद अन्य ग्रामीणों को भी अखरा में आकर झूमने को मजबूर कर देते हैं। विधायक के इस पहल से धीरे धीरे ग्रामीणों में भी अब मांदर व नगाड़े की थाप में नाचने की रुचि बढ़ने लगी है। युवाओं एवं ग्रामीणों में बढ़ती यह रुचि बिलुप्त होने के कगार पर पहुंच रहे संस्कृति को बचाने में कारगर साबित हो रही है। यूं तो विधायक भूषण बाड़ा लगभग हर दिन क्षेत्र भ्रमण में रहते हैं। साथ ही हर छोटे बड़े सामूहिक एवं व्यक्तिगत कार्यक्रमों में भी शामिल होते हैं। सबसे खास बात यह है कि कार्यक्रम में पहुंचे विधायक भूषण बाड़ा को अगर कहीं मांदर और नगाड़ा दिख जाय तो वे तुरंत गले मे मांदर अथवा नगाड़ा टांग कर बजाने लग जाते हैं। विधायक के मांदर की थाप सुन वाहन मौजूद ग्रामीण भी अपने पांव को थिरकने से रोक नहीं पाते हैं। इसके बाद न सिर्फ बच्चे, बूढ़े और महिला की भीड़ बल्कि युवाओं की टोली भी झूमने को मजबूर हो जाती है। तब ऐसा लगता है मानो आदिवासी समाज की पुरानी संस्कृति एक बार फिर से आखड़ा मे उतर आया हो।

विधायक के मांदर की थाप सुन वहां मौजूद ग्रामीण भी अपने पांव को थिरकने से रोक नहीं पाए और वह भी थिरकने लगे

पाकरटोली मंडली में नवनिर्मित जीईएल चर्च का हुआ उद्घाटन

गिरजाघर परमेश्वर का निवास स्थल है : विधायक

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा
पालकोट प्रखंड के पाकरटोली मंडली में नवनिर्मित जीईएल चर्च का उद्घाटन सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा और पादरी सायमोन हेरेंज के हाथों सयुक्त रूप से हुआ। चर्च का उद्घघाटन विधायक और पादरी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। मौके पर विधायक ने कहा कि गिरजाघर परमेश्वर का निवास स्थल है। जहां जाने मात्र से मन को शांति मिलती है। विधायक ने कहा कि एक दूसरों का मददगार बनें। अपने वचनों से किसी को ठेस न पहुंचाएं। सामाज में बुराइयों को पनपने न दें। मौके पर उपस्थित जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि गिरजाघर में आने मात्र से प्रभु के निकटता का एहसास होता है। इस चर्च का निर्माण करने में सहयोग करने वाले सभी बधाई के पात्र हैं। इस चर्च के बन जाने से गांव के सभी लोगों में ईश्वर की कृपा बरसेगी। मौके पर विधायक प्रतिनिधि बसंत कुमार गुप्ता, 20 सूत्री सदस्य सतनारायण केशरी, मंडल अध्यक्ष निमरोद एक्का, पी सी सी डेलीगेट सुसेना लकड़ा, अंजिलिंता बड़ा, प्रचारक मनोहर केरकेट्टा, अनूप मिंज, महानद केरकेट्टा, सनिम मिंज आदि मसीही विश्वासी उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

कुरडेग। थाना क्षेत्र के हेठमा पंचायत के हिनगीर गांव में युवक ने ईमली के पेड़ में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। मृतक की पहचान अखिलेश टोप्पो 22 वर्ष पिता मुकुट टोप्पो निवासी वागडेगा बंधना टोली थाना केरसई के रूप में हुई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मृतक अपने मामा के घर मेहमान हिनगीर आया था। इसी बीच शनिवार को अपने मामा के घर से कुछ दुरी पर इमली के पेड़ में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली।परिजनो ने पेड़ में लटके शव को देखकर घटना की सुचना कुरडेग थाना को दी। सुचना मिलते ही थाना प्रभारी बिनायक कुमार पाण्डेय दल बल के साथ घटना स्थल पहुंच कर शव अपने कब्जे में कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक द्वारा आत्म हत्या के कारणों का स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाया वहीं पुलिस ने पोस्ट मार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर सरस्वती कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर को कोलकाता में मिला अवार्ड

जलडेगा। हाईटेक और डिजिटल जमाने में कंप्यूटर कोर्स की शिक्षा सभी के लिए जरूरी होती नजर आ रही है। आजादी के बाद शिक्षा के अलख में कलम दवात और किताब से काम चलता था। लेकिन अब जमाने में टेक्नोलॉजी आगे बढ़ रही है। जिसके कारण अब कंप्यूटर शिक्षा काफी महत्वपूर्ण हो गई है। जिसका जीता जागता उदाहरण है, जलडेगा प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में चलने वाले सरस्वती कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर संस्थान जहां के प्रबंधक आलोक कुमार को कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए कोलकाता के धोनो धन्यो ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय कंप्यूटर शिक्षा परिषद के 10वीं वर्षगांठ कार्यक्रम में सिल्वर सेंटर अवार्ड और झारखंड टॉप टेन अवार्ड देकर नवाजा गया। अवार्ड मिलने के बाद संस्थान के प्रबंधक आलोक कुमार ने बताया कि आज टेक्नोलॉजी के सहारे देश आगे बढ़ रहा है। उसी में आम जनों के लिए कंप्यूटर की शिक्षा काफी जरूरी हो गई है। कंप्यूटर शिक्षा के सहारे छात्र-छात्रा अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। आज के जमाने में कंप्यूटर शिक्षा की जरूरत शिक्षा, व्यवसाय, रेलवे, कार्यालय, बैंक, मीडिया संस्थान सहित हर जगह पर उपयोगी हो गई है।

सहभागी कंप्यूटर एजुकेशन सिमडेगा को मिला सम्मान

सिमडेगा। राष्ट्रीय कंप्यूटर शिक्षा परिषद द्वारा कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में सिमडेगा जिले के सहभागी कंप्यूटर एजुकेशन को कंप्यूटर के क्षेत्र में लगातार बेहतर कार्य करने के लिए सम्मान दिया गया। इस कार्यक्रम में देश भर से तीन हजार से अधिक कंप्यूटर इंस्टीट्यूट ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। संस्थान के संचालक बिपुल कुमार और निशांत कुमार के द्वारा ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र ग्रहण किया गया। मुख्य अथिति के रूप में एन बी सी ई के डायरेक्टर अभिषेक दत्ता, सुभ्रजित दत्ता, बंगोली अभिनेत्री पायल सरकार, सास्वती गुहथकूर्त तथा लबोनी सरकार उपस्थित थे। सम्मान पाकर संस्थान के संचालक सहित संस्थान में कार्यरत सहकर्मियों ने हर्ष व्यक्त किया।

ग्रामीणों से मिलने गोहरीटांड़ पहुंचे श्रद्धानंद बेसरा, सुनी समस्याएं, प्रशासन से बात कर समाधान का दिया आश्वासन

कुरडेग। पुर्व विधायक प्रत्याशी श्रद्धानंद बेसरा ने ग्रामीण क्षेत्र भ्रमण के दौरान कुरडेग प्रखंड के गोहरीडांड गांव पहुंचे एवं ग्रामीणों की समस्या सुनी। ग्रामीणों ने श्री बेसरा को बताया कि विगत दो सप्ताह से ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से गांव में विद्युत आपूर्ति पुरी तरह से ठप है। भीषण गर्मी के कारण हम सभी ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। श्री बेसरा ने कहा कि आप लोगों की समस्या को विद्युत विभाग के अधिकारियों को जानकारी दिया जाएगा एवं शीघ्र समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। उक्त संबंध में ग्रामीणों के द्वारा श्री बेसरा को विद्युत कार्यपालक अभियंता सिमडेगा के नाम से आवेदन पत्र भी दिया गया।मौके पर भाजपा कार्यकर्ता अनुज गुप्ता, केदारनाथ गुप्ता, लीला देवी, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता दीप नारायण दास इत्यादि अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

लायंस क्लब सिमडेगा की बैठक में इंस्टालेशन सेरेमनी के आयोजन पर हुआ विचार-विमर्श

सिमडेगा। लायंस क्लब की एक बैठक लायन विनीत मित्तल के प्रतिष्ठान में हुई। बैठक में लायंस क्लब के पद धारियों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम इंस्टालेशन सेरेमनी के आयोजन पर विचार विमर्श हुआ। क्लब के अध्यक्ष लायन मुकेश गोयल ने बताया कि आयोजन में लायंस डिस्ट्रिक्ट 322 ए के जिलापाल लायन कमल जैन के द्वारा पद धारियों को शपथ दिलाई जाएगी। कार्यक्रम में सिमडेगा क्लब के स्पॉन्सर क्लब लायन्स क्लब रांची ग्रेटर के अध्यक्ष लायन गणेश सिंह मौजूद रहेंगे। सचिव राकेश अग्रवाल चीकू ने कहा कि आयोजन के लिए 15 जून की तिथि निर्धारित की गई है। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11 बजे से 3 बजे तक होगा। बैठक में आयोजन स्थल पर चर्चा करते हुए जिलापरिषद गेस्ट हाउस में समारोह आयोजित करने तथा लायन्स क्लब के सभी पुरवर्ती सदस्यों को आमंत्रित करने का निर्णय हुआ। बैठक में लायन्स क्लब के पास्ट प्रेसिडेंट सह वर्तमान क्लब के निदेशक लायन नरेंद्र अग्रवाल, लायन मनोज जैन, लायन विनीत मित्तल, लायन मिथुन बामलिया, लायन सुधीर जैन, लायन विनय अग्रवाल, लायन अभिजीत अग्रवाल और लायन आशुतोष बंसल उपस्थित थे।

डांडा पड़हा कुंदुरमुंडा में एकदिवसीय कुड़ुख भाषा का दिया गया प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता। बोलबा
सिमडेगा जिले के बोलबा प्रखण्ड डांडा पड़हा कुंदुरमुण्डा के सौजन्य से धुमकुड़िया भवन में एक दिवसीय कुडुख भाषा एवं संस्कृति का प्रशिक्षण दिया गया।इस मौके पर डांडा पड़हा समिति प्रमुख देवेंद्र भगत ने बताया कि सिमडेगा जिले के पश्चमी क्षेत्रों में उराँव जाति के लोग अपनी भाषा से दूर होते जा रहे हैं। इसी निमित डांडा पड़हा समिति के द्वारा धुमकुड़िया भवन कुंदुरमुण्डा में एक दिवसीय कुडुख भाषा एवं संस्कृति पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक के रूप में सुरेश उराँव ने बताया कि उराँव जाति का मुख्य भाषा कुडुख है । कुडुख भाषा मे बात-चीत करना अति आवश्यक है। आज के वर्तमान समय मे सरकारी नौकरी के लिए एक पेपर अपनी मातृभाषा में परीक्षा लिखकर पास होना आवश्यक है । उन्होंने कुडुख भाषा के प्रतिदिन बोले जाने वाले शब्द एवं वाक्यों को भी बताया। प्रशिक्षक रंजन उराँव ने कुडुख भाषा छोटे-छोटे शब्द, छोटे-छोटे वाक्य, ब्याकरण आदि के बारे में विस्तार से बताया। वहीं उन्होंने मौसम के अनुसार अलग-अलग समय के गीत गाकर लोगो को इसकी महत्व को बताया । जिसमें सरहुल, जेठवारी, आसारी, करमा, फाल्गुन, शादी एवं अन्य गीत सुनाया। उन्होंने आदिवसी पर्व त्योहार, रीति-रिवाज, वेश-भूषा, नाच-गान, शादी-ब्याह, धर्म-संस्कृति आदि विषयों पर भी जानकारी दिया।रामकिशोर भगत ने कहा कि आज वर्तमान परिवेश में युवा पीढ़ी के लोग अपनी भाषा एवं पुरानी संस्कृति को भूलते जा रहे है। अपनी भाषा-संस्कृति को बचाए रखने के लिए, अपनी पहचान को बचाए रखने के लिए यह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

जितुटोली पल्ली में 250 युवक-युवतियों का हुआ दृढ़ीकरण संस्कार

संस्कार पाने वाले बच्चे ईश्वर के सानिध्य में आते हैं : बिशप

नवीन मेल संवाददाता। बानो
प्रखंड के आरसी चर्च -जितुटोली पल्ली में दृढ़ीकरण संस्कार समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 250 युवक- युवतियों का दृढ़ीकरण संस्कार ग्रहण कराया गया। इस अवसर पर सिमडेगा धर्मप्रान्त के बिशप विंसेंट बारवा मुख्य अनुष्ठान दाता के रूप में उपस्थित थे। बिशप ने दृढ़ीकरण पानेवाले युवक-युवतियों के माथे पर पवित्र तेल के विलोपन के साथ विधि अनुष्ठान के साथ दृढ़ीकरण संस्कार ग्रहण कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पवित्र दृढ़ीकरण संस्कार पाने वाले बच्चे ईश्वर के सानिध्य में आते हैं। हमें प्रभु यीशु की स्तुति करनी चाहिए। प्रभु यीशु के वचनों को जिंदगी में उतार कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। कलीसिया को मजबूत बनाने के लिए हमें हमेशा प्रयास करना चाहिए। कलीसिया मजबूत होगा तो समाज मजबूत होगा समाज के सभी लोगों को कलीसिया के मजबूती में आम भूमिका निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे संस्कारवान बने और कलीसिया और समाज के विकास के लिए आगे आएं। इस अवसर पर अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक गीत नृत्य प्रस्तुत किया गया।दृढीकरण पाने वालाए युवक युवतियों को फादर ब्रदर सिस्टर और अभिभावक व ग्रामीणों के द्वारा स्वागत सम्मानित किया गया। पल्ली पुरोहित फा.राजेश केरकेट्टा व फादर जेवियर के द्वारा पवित्र मिस्सा से में विशप का सहयोग किया।फादर ने कहा कि आज पवित्र हृदय का महापर्व है, जिसमें 250 बच्चे येसु खीस्त के समान बनने के लिए खीस्तीय धर्म में और अधिक दृढ़ बनने के लिए संकल्प लेने वाले हैं। ये अपने जीवन की सारी कमजोरियां दूर कर अपने गांव घर और समाज में बेहतर जीवन जी सकें। कार्यक्रम को बेहतर बनाने में युवा संघ को तीनों संघों की समिति के सदस्यों द्वारा जिम्मेदारी दी गई थी।

कलीसिया मजबूत होगा तो समाज मजबूत होगा, समाज के सभी लोगों को कलीसिया की मजबूती में भूमिका निभानी चाहिए

पुलिस कस्टडी से भाग रहे अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

थाना प्रभारी ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
गत शनिवार को मिलिट्री इंटेलिजेन्स लखनऊ से सूचना मिली कि सिख रेजिमेन्ट सेंटर रामगढ़ कैन्ट के अंदर आर्मी इंटेलिजेन्स के पदाधिकारी/जवानों द्वारा मादक द्रव्य पदार्थ (अफीम) के साथ एक युवक को पकड़ा गया। तत्पश्चात आर्मी के अधिकारी द्वारा पकड़े गए युवक एवं उसके पास से बरामद किये गये नशीला पदार्थ (अफीम) को जब्त कर रामगढ़ थाना को सौंपा दिया गया। इस संदर्भ में रामगढ़ थाना कांड सं0-156/24, धारा-17 (ए) एनडीपीएस एक्ट अभियुक्त शंकर कुमार राय उम्र करीब 30 वर्ष पिता-बबन राय, सा० थाना-बनियापुर, जिला-छपरा-सारण (बिहार), वर्तमान पता-बिजुलिया तालाब रोड, थाना जिला-रामगढ़ अंकित कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। यह जानकारी रविवार को रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू ने दी। उन्होंने बताया कि पकड़े अभियुक्त शंकर कुमार राय से थाना सिरिस्ता में आठ जून को पूछताछ की जा रही थी। इसी क्रम में उसका परिचित संतोष कुमार उम्र 32 वर्ष, पिता स्व. नवल किशोर यादव सा०- बलवा थाना-फतुहा जिला-पटना (बिहार) वर्तमान पुराना दामोदर पुल के पास, थाना चौक थाना जिला-रामगढ़, अभियुक्त से मिलने थाना आया। पकड़े गए अभियुक्त शंकर कुमार राय द्वारा बाथरूम जाने का बहाना बनाकर अपने परिचित संतोष कुमार के साथ पुलिस को चकमा देकर मोटर साईकिल पर सवार होकर रामगढ़ थाना से भाग निकले। थाना प्रभारी ने बताया कि रामगढ़ थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं बल द्वारा अभियुक्त का पीछा करते हुए भदानीगर ओपी क्षेत्र के ग्राम लादी के पास भुरकुंडा ओपी एवं भदानीनगर ओपी प्रभारी के सहयोग से मोटर साईकिल से भाग रहे शंकर कुमार राय एवं संतोष कुमार को पकड़ा गया।

पकड़े गए अभियुक्त बाथरूम जाने का बहाना बनाकर अपने परिचित के साथ मोटर साइकिल से पुलिस को चकमा देकर थाने से भाग निकले

सड़क दुर्घटना में युवक-युवती हुए घायल

बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर

नवीन मेल संवाददाता। कुरडेग
थाना क्षेत्र के कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय के समीप मुख्य सड़क पर सड़क दुर्घटना में युवक एवं युवती गंभीर रूप से घायल हो गये।जानकारी के अनुसार नरेन्द्र साय उम्र 26 वर्ष पिता कामेश्वर साय खिंडा कालोटोली निवासी अपनी दोस्त सपना किस्पोटा उम्र 18 वर्ष पिता ईश्वर दास किस्पोटा कुलुकेरा रायकुदर निवासी को कुलुकेरा रायकुदर से अपनी बाइक में अपना घर खिण्डा कालोटोली ला रहा था। इसी क्रम में कस्तुरबा स्कूल के पास कुरडेग से सिमडेगा की ओर जा रही किसी अज्ञात वाहन के चपेट में आ गये। जिससे अनियंत्रित होकर सड़क से दूर खेत में जा गिरे जिससे दोनों का दाहिना पैर बुरी तरह जख्मी एवं टूट गया। ग्रामीणो के सहयोग से कुरडेग सीएचसी लाया गया। जहां प्राथमिक ईलाज के बाद डॉ अभिनव कुमार ने दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए सिमडेगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बतातें चलें युवक की एक माह पूर्व शादी हुई है। घायल युवक ने बताया कि सपना केरकेट्टा फोन कर कुलुकेरा बुलायी थी। वहीं घायल नरेन्द्र साय की पत्नी ने बताया कि बार बार मना करने के बाद भी नरेन्द्र साय सपना किस्पोट्टा से बात करता रहता था।

सिमडेगा की ओर जा रही किसी अज्ञात वाहन के चपेट में आ गए, जिससे अनियंत्रित होकर सड़क से दूर खेत में जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए

हौसले की उड़ान

जिप सदस्य के सौजन्य से सूरजकुंड धाम में प्रतिभा को मिला सम्मान

सम्मान मिलने से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है : डीएसपी

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
प्रखंड के प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुंड धाम परिसर में जिप सदस्य प्रेरणा प्रिया और श्रीकांत मैथमेटिक्स के संस्थापक सह जिप प्रतिनिधि सीके पाण्डेय के सौजन्य से प्रखंड के मैट्रिक एवं इंटर के उत्तीर्ण विद्यार्थियों, (जिन्होंने 60% से अधिक अंक प्राप्त किया) के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरजीत कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिप सदस्य बरकट्ठा प्रेरणा प्रिया, प्रमुख रेणु देवी, जिप सदस्य चंदवारा से महादेव राम, बरकट्ठा थाना प्रभारी राजेश कुमार भोक्ता, गोरहर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ,प्लस टू जीएचएस के प्रधानाध्यापक छत्रु प्रसाद,जीएचएस बरकट्ठा के प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार, सेवानिवृत प्रधानाध्यापक वासुदेव चंद्र यादव, शिव कांत पाण्डेय समेत दर्जनों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुछ व अंग वस्त्र देकर किया गया। वहीं मंच संचालन छोटी रविदास ने किया ।मौके पर मुख्य अतिथि सुरजीत कुमार ने कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर सीके पांडेय को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने से विद्यार्थियों में आत्म विश्वास बढ़ता है। साथ ही बच्चों में एक नई ऊंचाइयां छूने की ललक बढ़ती है। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की नसीहत दी। वहीं जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि अपने माता-पिता के सपनों को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करें। ईमानदारी से किया गया मेहनत कभी बेकार नहीं जाता है। अन्य उपस्थित अतिथियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए तथा इस आयोजन को लेकर सभी ने जिप सदस्य प्रेरणा प्रिया तथा सीके पाण्डेय के प्रति आभार व्यक्त किया।

बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की नसीहत दी, वहीं जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि अपने माता-पिता के सपनों को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करें

झुमरीतिलैया के लाल अभिज्ञान सिन्हा ने जेईई एडवांस्ड 2024 में किया कमाल

कोडरमा। जेईई एडवांस्ड 2024 का रविवार को घोषित परिणाम में झुमरी तिलैया थाना के पीछे भादोडीह निवासी अभिज्ञान सिन्हा ने 260 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया जनरल कैटेगरी में शानदार 466 वां स्थान हासिल किया है। उसने न सिर्फ अपने माता-पिता बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। अभिज्ञान ने अपनी सफलता से साबित कर दिया कि समर्पण और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के सहयोग और मार्गदर्शन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अभिज्ञान की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगी। इस सफलता से परिजनों में हर्ष व्याप्त है।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर झामुमो ने माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा
भगवान बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर झामुमो जिला समिति द्वारा नगर भवन स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की बिरसा मुंडा, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उन्होंने आदिवासी अधिकारों की लड़ाई लड़ी और छोटो नागपुर की आदिवासी जनजाति के लिए समाज सुधार कार्य किया। उनका जन्म 15 नवंबर, 1875 को झारखंड के बाघा जिले में हुआ था। उन्होंने 19वीं सदी के पहले दशक में बिरसा मुंडा के नाम से एक जनसंगठन बनाया, जिसका उद्देश्य आदिवासी अधिकारों की रक्षा करना था।बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष किया और आदिवासी अधिकारों के लिए समर्थन जुटाया। 1899 में, वे ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध आंदोलन आयोजित करने के लिए जेल में भेजे गए। उनकी मृत्यु 9 जून, 1900 को हुई, जब उन्हें जेल में बिमारी के कारण छोड़ दिया गया। उनके विरोधियों ने उन्हें जेल से बाहर आने के बाद मार दिया। उनकी मृत्यु के बाद, उनका संघर्ष और योगदान आदिवासी अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण माना गया।

गठबंधन सरकार मोदी की नई परीक्षा

चुनाव सबसे बड़े लोकतंत्र का हो तो बड़ी उथल पुथल स्वाभाविक है और इस बार के चुनाव परिणाम ने अनेक राजनीतिक दलों को उत्तर भी दिए हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के भाजपा मुख्यालय में दिये पहले भाषण से जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी? लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आता। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनमोहन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी की गठबंधन सरकार चुनौतियों से जूझती रही । मोदी राजनीति के धुंरधर खिलाड़ी है, अमित शाह राजनीतिक जोड़ तोड़ के खिलाड़ी है, इसे देखते हुए भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सफलतापूर्वक अपना काम कर सकेगी, ऐसा उनके समर्थकों को लगता है। न केवल सरकार बल्कि भाजपा के बड़े मुद्दों का भी क्रियान्वयन होगा। जब-जब भाजपा के सामने अनुचित राजनीतिक दबाव की स्थितियां बनेगी, सरकार कोई सार्थक रास्ता निकाल लेगी। भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल-यू, शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे। उनके लिए ऐसी सरकार चलाना एक नया अनुभव होगा। लेकिन वे भाजपा संगठन में अनेक पदों पर रहते हुए संगठन की गतिविधियों के कुशल संचालन से भिज्ञ है। देश-विदेश के दबावों को झेलते हुए उन्होंने भारत को एक शक्ति के रूप में खड़ा किया है, दुनिया जब आर्थिक संकट झेल रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, निश्चित ही गठबंधन सरकार का उनका संचालन उनकी नेतृत्व क्षमता और सबको साथ लेकर चलने के राजनीतिक कौशल को एक नया आयाम देगी। उनके पास चुनौतियों के बीच देश की समस्याओं का समाधान करने की एक राजनीतिक दृष्टि एवं कौशल है। गठबंधन सरकारों के कुछ सकारात्मक पक्ष होते हैं तो कुछ नकारात्मक पक्ष भी। गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने वाले को घटक दलों से समन्वय के साथ चलना होता है। इसमें समस्या तब आती है, जब घटक दल अनुचित मांगें मनवाने लगते हैं अथवा सौदेबाजी करने की कोशिश करते हैं या फिर अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति के लिए दबाव की राजनीति करने लगते हैं।

अर्थव्यवस्था

कीर्तिमान बना रहे शेयर मार्केट का संदेश

शशांक भारद्वाज

नई ऐतिहासिक ऊंचाइयों का कीर्तिमान बना रहे भारतीय शेयर मार्केट ने पिछले सप्ताह उतार चढ़ाव का ,विचलन का कीर्तिमान बना दिया। निफ्टी ,सेंसेक्स में ऐसी बड़ी उठापटक देखी नहीं गई थी। निफ्टी ने सप्ताह में मंगलवार को 21281 का निकला स्तर बनाया जो सोमवार के ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 23338 से 2057 अंकों की बहुत ही बड़ी गिरावट थी। सोमवार के भी उच्चतम स्तर 23179 से 1898 अंकों की कमी थी। इतनी बड़ी गिरावट तो बड़े से बड़े संकटों में नही आयी थी परंतु यह स्वाभाविक भी हो गई थी क्योंकि भारतीय शेयर मार्केट मोदी सरकार की बड़े तथा निर्णायक बहुमत के साथ वापसी की ले कर पूर्ण आश्वस्त था। एक्जिट पोल भी ऐसा ही संकेत कर रहे थे तथा इससे सोमवार की मार्केट ने ऐतिहासिक ऊंचाई बनाई, निफ्टी 733 अंक चढ़ा। परंतु मंगलवार को जब चुनाव परिणाम में बीजेपी को अपने बल पर पूर्ण बहुमत न मिलने का संकेत मिला,बहुमत नहीं मिला भी, तो मार्केट में बड़ी गिरावट स्वाभाविक हो गई। यह एक अतिरेक की घबराहरपूर्ण बिकवाली थी। अनेकों शेयरों में निचला सर्किट लग गया। फिर मार्केट ने स्थिति का पुनर्मूल्यांकन किया। भाजपा को तो बहुमत नहीं था परंतु एनडीए को बहुमत था। इस कारण मंगलवार को निचले स्तरों से खरीद आई तथा निफ्टी 21884 पर बंद हुआ । इससे मार्केट का आत्मविश्वास लौटा तथा जैसे जैसे प्रमुख सहयोगी दलों तेलगु देशम तथा जेडीयू के द्वारा पूर्ण सहयोग की बात आई, मार्केट ने भरपूर तेजी पकड़ ली। फिर तो सप्ताह के शेष तीनों व्यापारिक सत्रों में तेजी देखी गई। सेंसेक्स ने तो 76795 का सार्वकालिक उच्च स्तर बना दिया तो निफ्टी मात्र 18 अंकों से नई ऊंचाई बनाने से चूक गया। रुचिकर यह है कि मार्केट की इस पुनर्वापसी में एफआईआई के क्रय का योगदान नहीं रहा। उन्होंने तो पिछले सप्ताह नकद संभाग में 13718 करोड़ की बिकवाली ही की, सामने घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी 5578 करोड़ रुपए के शेयर ही खरीदे, फिर भी मार्केट नई ऊंचाई के निकट आ गया। यह मार्केट की तीसरी शक्ति, सामान्य निवेशकों जिसमें उच्च संपत्ति निवेशक भी माने जा सकते हैं, उनका शक्तिशाली प्रदर्शन था। यह एक महत्वपूर्ण संकेत है। इस शक्ति प्रदर्शन का क्रम बना रहा तो भारतीय शेयर मार्केट का आधार बहुत अधिक शक्तिशाली हो सकता है। मार्केट की अगली तात्कालिक चाल

अब सरकार की सरंचना तथा सहयोग दलों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। वित्त समेत अन्य प्रमुख आर्थिक मंत्रालय किनको मिलता,यह भी मार्केट को प्रभावित करेगा। आर्थिक विकास तथा कारक भारत में अच्छे बने हुए हैं। राजनीतिक स्थिति स्थिर तथा स्पष्ट होने पर मार्केट पुनः आर्थिक कारकों के आधार पर अधिक प्रतिक्रिया देगा।चूंकि आर्थिक कारक अच्छे हैं,अतः निफ्टी 23500 से 23700 की ओर बढ़ सकता है यदि राजनीतिक मोर्चे से कोई नकारात्मक समाचार नहीं आए। नीचे में 22500 एक अच्छा आधार हो सकता है। चुनाव परिणामों के पश्चात जो तेजी आई उसमे तेजी का आधार थोड़ा विस्तृत होता दिखा। ऐसा प्रतीत होता है कि एचएनआई निवेशक उचित तथा आकर्षक मूल्यांकन पर उपलब्ध शेयरों में अच्छी खरीद कर रहें हैं। ऐसे में इन शेयरों में अच्छा उछाल देखा जा सकता है। पिछली तेजी में कुछ क्षेत्र विशेष रक्षा, रेलवे, सरकारी उपक्रमों में ही निवेशकों की बहुत अधिक रुचि दिखाई थी। इनके मूल्यों में कई गुना वृद्धि हुई थी। बीजेपी को अपने बल पर पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, अतः मोदी 3.0 में अब आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष तथा सर्वाधिक ध्यान रहेगा। फिर एक प्रमुख सहयोगी चंद्रबाबू नायडू हैं जो भारत में आर्थिक विकास की राजनीति के प्रतीक माने जाते हैं। यह शेयर मार्केट के लिए बहुत उत्साहजनक हो सकता है। मोदी सरकार अगले चुनावों में पुनः अपेक्षित अच्छा प्रदर्शन करने के लिए 3.0 में और भी अच्छा कार्य करने को प्रेरित रहेगी। चुनाव परिणाम में भाजपा को बड़ा बहुमत मिलता तो मार्केट बड़ी उछाल दिखाता ,गिरता ही नहीं क्योंकि अमेरिका में एसएंडपी तथा नासदाक नई ऊंचाई बना रहे, क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया, यूरोप के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में .25 प्रतिशत की कमी की विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दर में कमी का समय प्रारंभ हो सकता है। एक अनुमान के अनुसार 7.3 ट्रिलियन डॉलर जो भारत की जीडीपी तथा पूरे भारतीय शेयर मार्केट के पूंजीकरण से भी अधिक धनराशि है, मुद्रा मार्केट में निवेशित हैं जिनका बड़ा भाग अब ब्याज दरों में कमी से शेयर मार्केट में आ सकता है। इंडिया विक्स भी 31 से घट कर 16.88 पर आ गया है। यह मार्केट में भय की कमी का संकेत हैं। पीएमआई मई में 57.5 है। यह विनिर्माण गतिविधि अच्छी बने रहने का संकेत है। निर्यात आदेश ने भी 13 वर्षों में सबसे तीव्र वृद्धि रही। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बिकवाल बने हुए हैं। मई में उन्होंने 25586 करोड़ रुपए के तथा जून ने 14794 करोड़ रूपए के शेयर बेचे।संतोष तथा गर्व की बात यह है कि उनकी इस बड़ी बिकवाली के पश्चात भी भारतीय शेयर बाजार तेज तथा शक्तिशाली बने हुए हैं। यदि कोई राजनीतिक अस्थिरता नहीं आती तो भारतीय शेयर मार्केट में अच्छी तेजी बनी रह सकती है। मोदी सरकार 3.0 अधिक सजग,परिणामोन्मुखी , दृढनिश्चय की होगी तथा भारत के स्वर्णिम विजय की नई गाथा लिखेगी तथा शेयर मार्केट भी।

काव्य कोना

एहसास

कोई दरार कहीं दिखती नहीं
बुझे-बुझे बहार का एहसास क्यों?
लबों के बीच दबी-दबी मुस्कुराहटें
हमारे करार का इकरार है।
निगाहों-निगाहों में हाल बयाँ किये
दुनिया जान गई बेकरारी के किस्से ।
जुल्फों को जो एक बार संवार दूँ
चाँदनी अपने में सिमट जायेगी।
मौका यूँ एक बार तो दिजिए
यूँ ही फासले मिट जायेंगे।
दूरियाँ औ फासला की फिर चर्चा कहाँ!
तन्हा-तन्हा सफर यूँ ही कट जायेगा।

- नाग मणि

आपकी बात

विनाश का कारण बनते जा रहे युद्ध के घातक हथियार

डॉ. मनमोहन प्रकाश

विज्ञान एवं तकनीकी युग में आज मनुष्य एक ओर तो प्रकृति पर विजय प्राप्त करना चाहता है, कई वर्षों तक जीवित रहना चाहता है, बुढ़ापे को दूर भगाना चाहता है, जिंदगी को आराम दायक बनाना चाहता है, वहीं दूसरी ओर अपनी बढ़ती महत्त्वाकांक्षा से चालित प्रकृति को जाने-अनजाने में तरह-तरह से हानि पहुंचा रहा है। साथ ही समय-समय पर विभिन्न देशों के मध्य होने वाले युद्ध, युद्धाभ्यास, आतंकी हमलों में प्रयुक्त घातक हथियार और उनकी टेस्टिंग जल (समुद्र), वायु ,थल,नभ को बुरी तरह से प्रभावित कर रही हैं, प्रदूषित कर रही है। आजकल जो युद्ध हो रहे हैं वे इतिहास की किताबों में दर्ज परम्परागत युद्ध जैसे नहीं हैं, जिनमें तलवार, धनुष और तोपखाने का उपयोग किया जाता हो। उन्नीसवीं शताब्दी से युद्ध में उपयोग होने वाले हथियार और सामग्री में बहुत बदलाव आया है। कम्प्यूटरीकृत प्रणाली तथा सूचना तंत्र का उपयोग हथियारों में बढ़ा है। युद्धक विमान, मिसाइल, रॉकेट लांचर, तोप, बम और उनमें उपयोग होने वाले तरह-तरह के विस्फोटक और उनकी सटीक मारक क्षमता ने युद्ध को मनुष्य और पर्यावरण के लिए पहले से ज्यादा घातक और नुकसान दायक बना दिया है। उदाहरण के लिए लगभग पिछले दो वर्ष से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध में तरह-तरह के घातक हथियारों का उपयोग हो रहा है यथा विस्फोटक हथियार जो अपने विखंडन, विस्फोटक, आगजनी के प्रभाव से प्रकृति और मानव को बेतहाशा नुकसान पहुंचा रहे हैं। रासायनिक हथियार (क्लोरोपिक्रिन जैसे दम घुटने वाले ऐजेंट आदि) जो मनुष्य सहित विभिन्न जीव-जंतुओं के फेफड़ों, आंखों, त्वचा में जलन पैदा करके तथा उल्टी, मतली, दस्त का कारण बन हथियार के प्रभाव क्षेत्र में आने वाले हर व्यक्ति और जीवों को मौत के घाट उतार रहे हैं, इनका वनस्पतियों पर क्या प्रभाव पड़ा है युद्ध समाप्ति पर होने वाले शोध से ही अवज्ञत हो सकेगा। कुछ हथियार ऐसे भी उपयोग में लायें जा रहे हैं जो आगजनी तथा धुआं फैला कर जन-धन को हानि पहुंचा रहे हैं (नेपान, थर्माइट, सफेद फास्फोरस आदि) तथा कुछ हथियार ऐसे हैं जिन्हें ईंधन वायु विस्फोटक(थमोर्बेरिक हथियार) कहा जाता है (एरोसोल बम या वैक्यूम बम) जो उच्च तापमान वाले विस्फोट को उत्पन्न करने के लिए हवा से आक्सीजन का उपयोग करते हैं। इन विस्फोटक से उत्पन्न गर्मी इंसान को झुलसा देती है। इसके घातक प्रभाव को देखते हुए इन हथियारों को गैर परमाणु हथियार में सबसे खतरनाक माना जाता है। परमाणु हथियार को अभी होल्ड पर रखा है जो बड़े क्षेत्र में सामुहिक विनाश का कारण बन सकता है। रुस-युक्रेन युद्ध में इस विनाशक हथियार के उपयोग की आंशका बनी हुई है। इन हथियारों के प्रभाव को जानकर इतना तो स्पष्ट है कि ये प्रकृति/पर्यावरण और उसके जैविक और अजैविक घटकों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचा रहे हैं और युद्ध विराम के बाद भरपाई करने या यूं कहें युद्ध के पहले की स्थिति में लाने में वर्षों लग सकते हैं। आज विश्व के देशों में गुटबाजी स्पष्ट दिखाई देती है। एक तरफ रूस, चीन, उत्तरी कोरिया जैसे देशों का समूह है तो दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी जैसे नाटों देशों का समूह है तो तीसरी ओर भारत जैसे वे देश है जो अभी किसी गुट में नहीं है तथा विश्व शांति के पक्ष में है और उन्हें अपने देश में पर्यावरण की रक्षा करते हुए विकास की रफ्तार को तेज करना है, विकसित राष्ट्र बनना, अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है तथा अपने नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है।

राजनीति

यदि ये मोदी की हार है तो कांग्रेस की जीत कैसे?

मयंक चतुर्वेदी

लोकसभा चुनाव के आए परिणाम के बाद देश अभी समीक्षा के दौर से गुजर रहा है, कहीं खुशी और कहीं गम का माहौल बरकरार है, लेकिन सत्ता का नेतृत्व फिर से नरेन्द्र मोदी के पास है। दूसरी ओर विपक्ष है, विशेष कर कांग्रेस जिसके नेता रह-रह कर इस प्रकार के बयान दे रहे हैं, जैसे उन्हें समझ नहीं आ रहा, आखिर भारतीय जनता पार्टी इतनी सीट जीत कर कैसे सरकार में आ गई? देश में फिर तीसरी बार कांग्रेस को विपक्ष में बैठना होगा। देखा जाए तो यह सच है कि इस बार के चुनाव परिणाम भाजपा के लिए उसकी आशा अनुरूप नहीं आए, किंतु क्या यह कांग्रेस की तुलना में लगातार आने वाले संख्यात्मक बहुत ज्यादा अच्छे परिणाम नहीं हैं? इस बात को कांग्रेस आज क्यों नहीं स्वीकारना चाहती, यदि हैं तो फिर कांग्रेस आज किस बात की खुशी मना रही है? बात तो तब होती जब भजपा-नीत एनडीए गठबंधन को वह सत्ता के लिए आवश्यक बहुमत से दूर रख पाती। वस्तुतः आश्चर्य होता है यह देखकर कि एनडीए गठबंधन का बहुमत आने के बाद भी कांग्रेस एवं संपूर्ण विपक्ष एक ही रट लगाए हुए है कि नरेन्द्र मोदी एक व्यक्ति और संपूर्ण भारतीय जनता पार्टी एक संगठन के रूप में हार चुके हैं। जनता ने इस बार उन्हें नहीं जिताया, नकार दिया है। किंतु जो कांग्रेस आज यह कह रही है अच्छा होता वह स्वयं अपना आत्ममंथन करती और इस सच को हृदय से स्वीकारती कि वर्तमान में जो भाजपा 240 जितनी भी सीटें एनडीए कुल 293 हासिल हुई हैं, यह बहुमत के आंकड़े 272 से 21 सीटें अधिक हैं और यह सभी सांसद प्रधानमंत्री मोदी का चेहरा एवं भविष्य के विकसित भारत के संकल्प के साथ जीते हैं। इसके बाद भी देखिए, कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश और राहुल गांधी की अकड़ कि वह नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाने का बार-बार प्रयास करते नजर आते हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश कह रहे हैं कि आज 'ढोल बजाने वाले' लोग पीएम मोदी के 'दयनीय' चुनावी प्रदर्शन को बेवजह सही ठहरा रहे हैं। ''नरेंद्र मोदी के लिए ढोल पीटने वाले उनकी नैतिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत हार वाले जनादेश में भी उम्मीद की किरण तलाश रहे हैं। इसे खूब प्रचारित किया जा रहा है कि जवाहरलाल नेहरू के बाद मोदी लगातार तीन बार जनादेश प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

> **वस्तुतः आश्चर्य होता है यह देखकर कि एनडीए गठबंधन का बहुमत आने के बाद भी कांग्रेस एवं संपूर्ण विपक्ष एक ही रट लगाए हुए है कि नरेन्द्र मोदी एक व्यक्ति और संपूर्ण भारतीय जनता पार्टी एक संगठन के रूप में हार चुके हैं।**

बोधि वृक्ष

रांची : बोडेया में 356 साल पुराना कृष्ण मंदिर

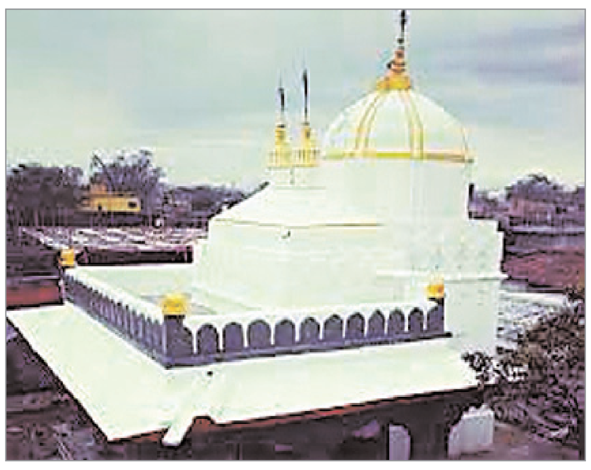

रांची के बोड़ेया में स्थित है मदन मोहन मंदिर पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है. जिसकी वजह से अब तक इस मंदिर को राजकीय पहचान नहीं मिल पाई है। लिहाजा इस प्राचीन मंदिर की पहचान महज कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित रह गई है। कहा जाता है कि यह मंदिर रांची ही नहीं बल्कि झारखंड के प्राचीन मंदिरों में से एक है। कई बार आवेदन देकर ट्रस्ट बनाने की मांग संस्थापक के वंशजों द्वारा की गई, लेकिन अब तक इस दिशा में पहल करने की जहमत किसी ने नहीं उठाई. यही वजह है कि संस्थापक के वंसज ही मंदिर का संचालन करते आ रहे है। **(समाप्त)**

फेसबुक वॉल से

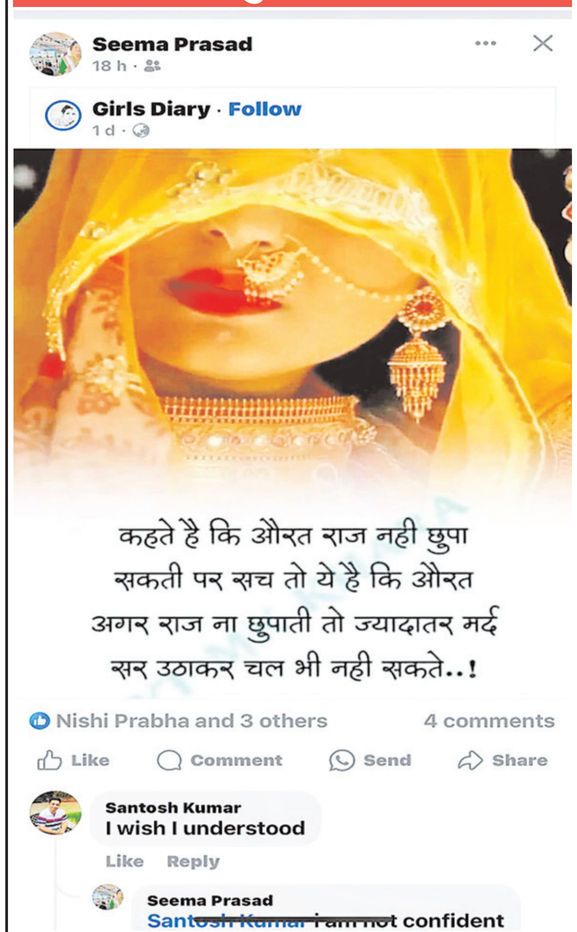

X - से

अपने पत्र हमें इमेल कर सकते हैं-article.rnmail@gmail.com

जनादेश का सम्मान

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

इस बार चुनाव के दौरान संविधान से संबंधित मुद्दे चर्चा में रहे। चुनाव प्रचार के दौरान सत्ता पक्ष पर संविधान बदलने का आरोप लगाया गया लेकिन यह मुद्दा कौआ कान ले गया कहावत को चरितार्थ करने वाला था। जिस सरकार ने दस वर्षों तक संविधान बदलने का कोई प्रयास नहीं किया, उस पर संविधान बदलने का आरोप निराधार था। भारत में संविधान बदलना संभव भी नहीं है। इतना अवश्य है कि सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाया। यह संविधान का अस्थाई उपबंध था। इसको हटाना संविधान सम्मत था। इसके आलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में उत्पीड़ित लोगों के लिए नागरिकता कानून में संशोधन किया। यह मानवीय निर्णय था। इससे बड़ी संख्या में हिंदू, सिख और जैन परिवारों को उत्पीड़न से मुक्ति मिली। सरकार ने संविधान दिवस मनाने का निर्णय किया था। यह संविधान और संविधान निर्माताओं के प्रति सम्मान था। डॉ. आंबेडकर के जीवन से जुड़े पंच तीर्थों को भव्य रूप में प्रतिष्ठित किया गया। यह संविधान के शिल्पी के प्रति सम्मान था। संविधान में संशोधन हो सकते हैं। बयालीसवें संविधान संशोधन को तो लघु संविधान तक कहा गया। यह कांग्रेस सरकार के समय हुआ था लेकिन किसी सरकार पर यह आरोप लगाना हास्यास्पद है कि वह पांच वर्ष में संविधान बदल देगी। भारतीय संविधान इतना कमजोर भी नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधापूर्ण देश में नया संविधान बनाना आसान भी नहीं है। भारतीय संविधान सभा को भारत के संविधान बनाने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन लगे थे। 26 नवम्बर 1949 को संविधान राष्ट्र को समर्पित किया था। गणतंत्र भारत में 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में आया। वर्तमान सरकार ने संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 को पहली बार संविधान दिवस में मनाया गया। उसके बाद से प्रत्येक वर्ष संविधान दिवस मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान के मूल ढांचे में बदलाव संभव भी नहीं है। 1973 में केशवानंद भारती मामले के तहत सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान की मूल संरचना या मूल ढांचा का सिद्धांत दिया जिसके तहत भारतीय संसद संविधान में उसी हद तक संशोधन कर सकती है जहां तक संविधान के मूल ढांचे पर कोई प्रभाव ना पड़े। संविधान की सर्वोच्चता, कानून का शासन, संसदीय प्रणाली, न्यायिक समीक्षा, राष्ट्र की एकता और अखंडता, संघीय स्वरूप, विधायिका कार्यपालिका तथा न्यायपालिका के बीच शक्ति का विभाजन, गणराज्य, लोकतंत्र, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव, न्यायपालिका की स्वतंत्रता आदि में बदलाव नहीं किया जा सकता। चुनाव में राजनीतिक पार्टियों की जय-पराजय स्वाभाविक है। सरकारें बनती हैं, बदलती हैं। लेकिन बड़ी बात यह कि भारत की संवैधानिक व्यवस्था मजबूत है। संविधान पर खतरा बताना, संविधान को बदलने की बात करना व्यर्थ है। यह सम्भव भी नहीं है। आम चुनाव ने एक बार फिर संवैधानिक व्यवस्था की मजबूती को प्रमाणित किया। एक बार फिर लोकतंत्र विजयी हुआ। बेहद प्रतिकूल मौसम में चुनाव हुए। कष्ट सहते हुए लोगों ने मतदान किया। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

टेक वर्ल्ड

व्हाट्सएप पर स्क्रीन शेयरिंग का स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस

1. व्हाट्सएप अपडेट करें: सबसे पहले, यह सुनिश्चित करें कि आपके पास व्हाट्सएप का लेटेस्ट वर्जन इंस्टॉल हो। स्क्रीन शेयरिंग फीचर केवल लेटेस्ट वर्जन में ही उपलब्ध है। अगर आपका ऐप अपडेट नहीं है, तो इसे Google Play Store Apple App Store से अपडेट करें।

2. वीडियो कॉल शुरू करें: स्क्रीन शेयरिंग केवल वीडियो कॉल के दौरान ही संभव है। इसलिए, सबसे पहले उस व्यक्ति को वीडियो कॉल करें जिससे आप स्क्रीन शेयर करना चाहते हैं।

3. स्क्रीन शेयरिंग बटन पर क्लिक करें: जब वीडियो कॉल कनेक्ट हो जाए, तो स्क्रीन पर दिए गए 'स्क्रीन शेयर' बटन पर क्लिक करें। यह बटन आमतौर पर कॉल कंट्रोल पैनल में दिखाई देगा।

4. कन्फर्मेशन: स्क्रीन शेयर बटन पर क्लिक करने के बाद, एक पॉप-अप विंडो आएगी जो आपसे कन्फर्मेशन मांगेगी कि क्या आप वास्तव में अपनी स्क्रीन शेयर करना चाहते हैं। इस कन्फर्मेशन को स्वीकार करें।

5. शेयरिंग शुरू करें: कन्फर्मेशन के बाद, आपकी स्क्रीन शेयरिंग शुरू हो जाएगी। अब जो भी आपके फोन की स्क्रीन पर दिख रहा है, वह वीडियो कॉल में शामिल दूसरे व्यक्ति को भी दिखेगा।

6. स्क्रीन शेयरिंग रोकना: जब आप स्क्रीन शेयरिंग को समाप्त करना चाहते हैं, तो वीडियो कॉल के कंट्रोल पैनल में दिए गए 'स्टॉप स्क्रीन शेयरिंग' बटन पर क्लिक करें। इससे स्क्रीन शेयरिंग तुरंत बंद हो जाएगी। **(क्रमशः)**

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

एक नजर

गम्हरिया में बिरसा मुंडा के प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण की मांग की

आदित्यपुर। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस पर गम्हरिया के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और जिला उपाध्यक्ष फुलकांत झा ने श्रद्धांजलि अर्पित की. साथ ही उन्होंने सीएम चंपाई सोरेन से काड़ाकाटा स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि यहां धरती आबा की प्रतिमा लगे पांच साल बीत गये लेकिन अब तक यहां सौंदर्यीकरण नहीं हो सका है। उन्होंने धरती आबा को याद करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने शोषण के खिलाफ देश में आंदोलन छेड़ा था। उन्हें इतिहास में उलगुलान का जनक कहा जाता है। मौके पर रंजीत पासवान, सुनील कुमार, विकास कुमार, तुलसी मोदक, खिरोद नायक, बीरेन मोदक आदि उपस्थित रहे।

कपाली में पति ने पत्नी को पीट कर किया घायल

जमशेदपुर । जमशेदपुर से सटे कपाली थाना अंतर्गत तामुलिया शिव मंदिर के पास रहने वाली मलिका गोस्वामी को उसके पति राज गोस्वामी ने मारपीट कर घायल कर दिया। घायल अवस्था में मलिका थाने पहुंची। वहां से उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया। एमजीएम अस्पताल में मलिका का इलाज चल रहा है। जानकारी देते हुए मलिका ने बताया कि उसने अपने जीजा से पति को 20 हजार रुपये दिलवाए थे। जीजा कई दिनों से रुपये वापस मांग रहे थे, पर राज रुपये वापस नहीं कर रहा था। आज इसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद राज ने उसे घर से घसीटकर बाहर निकाला और बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया। इधर, शिकायत के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

भाजपा एसटी सेल ने शहादत दिवस पर धरती आबा को किया याद

जमशेदपुर। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जमशेदपुर ने भगवान बिरसा मुंडा की 124वीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मोर्चा के सभी जिला पदाधिकारियों ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। जिला उपाध्यक्ष राकेश मुखी के नेतृत्व में सभी साकची स्थित भवन बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पहुंचे और दीपक जलाकर और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परेश मुखी, जिला महामंत्री पी के करवा, जिला उपाध्यक्ष मनोज करवा, मोर्चा के मंत्री मिली दास,अजय रजक, राकेश मुखी, सतीश मुखी, धीरज मुखी, चंद्रशेखर दास, ममता मुखी, पोरेश कालिंदी, सबुर दास, संतोष दास, दीपक करवा, अशोक कुमार, विश्वनाथ मुखी, राजाराम आदि उपस्थित रहे।

एनएच पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध घायल

जमशेदपुर। एमजीएम थाना अंतर्गत एनएच 33 पर सिमुलडांगा के पास एक अज्ञात वाहन ने खड़िया बस्ती निवासी 60 वर्षीय निताय सबर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन तेजी से लेकर मौके से फरार हो गया। इधर, स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। वहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

आदिवासी-मूलवासी के मौलिक अधिकारों को छीन रहा कुजू डैम : बीर सिंह बुड़ीउली

नवीन मेल संवाददाता
जमशेदपूर। राजनगर प्रखंड अंतर्गत कुजू पंचायत में ईचा खरकई बांध विरोधी संघ, कोल्हान के बैनर तले जन जागरण सह जनांदोलन चलाया गया. जनांदोलन की अध्यक्षता वीर सिंह बुड़ीउली ने की। अभियान का शुभारंभ भगवान वीर शहीद बिरसा मुंडा की 125वीं शहादत दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर किया। संघ ने धरती आबा की राह पर चलकर ईचा डैम को निरस्त करने का संकल्प लिया। जनांदोलन सह श्रद्धांजलि सभा में संघ के अध्यक्ष बीर सिंह बुड़ीउली ने कहा कि ईचा डैम 126 गांव के आदिवासी मूलवासियों और उनकी पीढ़ियों को संविधान उद्देशिका प्राप्ति से दूर करता है। मौलिक अधिकारों को छीनता है। राज्य सरकार इस योजना को नहीं रोक रही है। यह संविधान के उपबंधों से असंगत है। नियम अधिनियमों रूढ़ी प्रथा विधि के खिलाफ है। डैम से झारखंड और ओडिशा के आदिवासी और मूलवासी विस्थापित हो जायेंगे।

सचिव सुरेश सोय और उपाध्यक्ष रेयांस सामड ने भी सभा को संबोधित किया। सभा में आने वाले भविष्य में डैम आंदोलन की लड़ाई में तन मन और धन से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गयी। जनांदोलन में मुख्य रूप से सचिव सुरेश सोय, उपाध्याक्ष रेयांस सामड, सह संयोजक योगेश कालुंडिया, मीडिया सचिव रविंद्र अल्डा, सह कोषाध्यक्ष बिरसा गोडसोरा, मनसा बोदरा, सुनील बाड़ा, पालो, सरिता आदि आंदोलनकारी और खुटंकट्टी रैयतगण आदि उपस्थित रहे।

उलगुलान के महानायक शहीद बिरसा मुंडा का मनाया गया शहादत दिवस

नवीन मेल संवाददाता। जमशेदपुर
ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आर्गनाइजेशन की जमशेदपुर नगर इकाई ने भुइयांडीह चौक पर उलगुलान के महानायक शहीद बिरसा मुंडा का 125वां शहादत दिवस मनाया. कार्यक्रम में सर्वप्रथम संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष युधिष्ठिर कुमार ने धरती आबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर संगठन की जनशेदपुर नगर सचिव सबिता सोरेन ने कहा कि आज केवल झारखंड ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में बिरसा मुंडा को याद कर उनके विचारों को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। बिरसा मुंडा के शहादत को 125 वर्ष हो गये हैं, लेकिन राज्य का दुर्भाग्य है कि जिस उद्देश की पूर्ति के लिए उन्होंने शहादत दी, वह पूरा नहीं हो सका है। अवसरवादी राजनीति ने उनके सपने को कहीं खो दिया है। हमारा झारखंड बड़ा हुआ, बढ़ा नहीं, विकसित नहीं हुआ। हम सभी को मिलकर उनके सपनों पूरा करने का दायित्व लेना होगा।सबिता सोरेन ने कहा कि संगठन ने झारखंड के स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों और घर-घर में बिरसा मुंडा की तस्वीर और उनके विचारों को पहुंचाने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम का संचालन नगर सचिव मंडल सदस्य प्रेमचंद्र टुडू ने किया। इस अवसर पर संगठन के पूर्व राज्य कमेटी सदस्य हरिपद पॉल, जिला सचिव सोनी सेनगुप्ता, राहुल महतो, कोमल कुमारी समेत कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ट्रक की टक्कर से बिजली पोल हुआ धराशायी आक्रोश में लोगों ने किया सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह
धनबाद मुख्य मार्ग के मोहनपुर में बिजली विभाग के खिलाफ लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया. इतना ही नहीं, आक्रोश में लोगों ने सड़क जाम भी कर दिया। जिसके बाद विभाग के लोग सक्रीय हुए और फिर फौरन मिस्त्री को भेज समस्या के समाधान में लगाया। बताया गया कि देर रात को मोहनपुर में एक अज्ञात ट्रक ने 11 हजार वोल्ट लोड बिजली के पोल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में पोल दो टुकड़ों में विभक्त होकर गिर गया। इसके बाद से इलाके में बिजली गुल हो गयी। रात को बिजली मिस्त्री वहां पहुंचें भी, लेकिन कोई पहल नहीं की गयी। इसके बाद सुबह पोल के तार काटकर अलग कर दिया गया, लेकिन बिजली व्यवस्था बहाल करने को लेकर कोई कदम नहीं उठाए गए। इधर इस भीषण गर्मी में बिजली गुल रहने से लोगों में आक्रोश पनप गया और दोपहर के वक्त सड़क जाम कर लोग प्रदर्शन करने लगे। लोगों द्वारा बिजली को लेकर प्रदर्शन किए जाने की जानकारी पर विभाग के लोग सक्रीय हुए और मिस्त्री को भेज कर बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने में लगाया। काम शुरू होने के बाद स्थानीय लोग शांत हुए और फिर सड़क से जाम हटा लिया।

ब्रह्मर्षि विकास मंच ने ब्रह्मेश्वर मुखिया की पुण्यतिथि पर लगाया रक्तदान शिविर

रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र दिया व सम्मानित किया

जमशेदपुर ब्लड बैंक की देखरेख में हुआ शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। जमशेदपुर
ब्रह्मर्षि विकास मंच, जमशेदपुर ने रविवार को स्व. ब्रह्मेश्वर मुखिया की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया. शिविर बारीडीह क्लब हाउस, चूना भट्ठा मैदान में अयोजित किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन सुबह नौ बजे किया गया, जो शाम पांच बजे तक चला। रक्तदान शिविर में ब्रह्मर्षि विकास मंच के अध्यक्ष राम प्रकाश पांडेय ने कहा कि आज के समय में इतनी तेज गर्मी पड़ रही हो तो रक्त की आवश्यकता और बढ़ जाती है। इसीलिए मंच ने स्व। ब्रह्मेश्वर मुखिया की पुण्यतिथि पर इस कार्यक्रम को आयोजित किया है। शिविर में काफी संख्या में शहर के कोने-कोने से लोग शामिल हुए। मंच ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें मंच की ओर से प्रमाण पत्र दिया और सम्मानित किया। मंच की ओर से रक्तदाताओं की सुविधा के लिए सुबह का नाश्ता और दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी की गई थी। जमशेदपुर ब्लड बैंक की देखरेख में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। रक्तदान शिविर में कुल 87 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर में कई लोग हीमोग्लोबीन की कमी के कारण रक्तदान नहीं कर पाए।कार्यक्रम में ब्रह्मर्षि विकास मंच के अध्यक्ष राम प्रकाश पांडेय, उपाध्यक्ष विजय नारायण सिंह, महासचिव योगेन्द्र मउआर, एडवोकेट अमरेंद्र कुमार शर्मा, ब्रजेश सिंह, मुकेश शर्मा, मंत्री श्रीनिवास ठाकुर, रंजीत सिंह, मनोज ठाकुर, उपेन्द्र चौधरी, सुधीर कुमार सिंह, संजीव ओझा, उपेन्द्र चौधरी, कामेश्वर तिवारी, संजय राय, प्रमोद ठाकुर, शंभू शर्मा, रविन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, धीरेन्द्र कुमार, विरेन्द्र कुमार सिंह, जितेन्द्र कुमार सिंह, जिला और क्षेत्रीय कमिटी के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अवैध ढिबरा लदा पिकअप वाहन जब्त, कार्रवाई में जुटा वन विभाग

जब्त वाहन के ब्रेकडाउन हो जान के कारण उसे बिट कार्यालय लाने में वन कर्मियों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा

नवीन मेल संवाददाता। तिसरी
वन विभाग की टीम ने एक बार फिर अवैध ढ़िबरा परिवहन के विरुद्ध कार्यवाई की है। रविवार की अहले सुबह तिसरी और गावां वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर तिसरी के सिंघो से अवैध ढ़िबरा लदे एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। इस संबंध में तिसरी के वनपाल अमर विश्वकर्मा ने बताया कि पंचरुखी वन भूखंड से अवैध ढ़िबरा लोड कर कोडरमा - डोमचांच की ओर ले जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर तिसरी व गांवा वन विभाग की टीम ने कोडरमा की ओर जाने वाले सारे रास्ते ब्लॉक कर दिए। तस्करों को इसकी भनक लगने पर उनलोगों ने ढ़िबरा लोड वाहन को लेकर सिंघो के पेशम नदी को पार कर भागने का प्रयास किया। इस दौरान वाहन का ब्रेक डाउन हो गया, वनकर्मियों को आता देख चालक व अन्य वाहन छोड़कर फरार हो गए। जब्त वाहन के ब्रेकडाउन हो जान के कारण उसे बिट कार्यालय लाने में वन कर्मियों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा। अंततः जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर की मदद से वनकर्मियों ने जब्त वाहन और ढ़िबरा को बीट कार्यालय लाया। कहा कि इससे जुड़े लोगों की पहचान की जा रही है। जब्त वाहन व इसमें संलिप्त लोगों पर वन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत अग्रतर कार्यवाई की जाएगी। टीम में मुख्य रूप से वन परिसर पदाधिकारी अमर विश्कर्मा, वन उप परिसर पदाधिकारी अशोक कुमार, पवन चौधरी, जिलाजित कुमार, हीरालाल पंडित, अनिल हेंब्रम एवं राजेन्द्र प्रसाद शामिल थे।

मैथन में 6 घंटे बिजली गुल

धनबाद। मैथन में एनएचएआई की ओर से रविवार को एनएच पर पोल गाड़ने व तार खींचने का काम किया गया. इसके चलते संजय चौक सबस्टेशन के 11 केवी पीएचईडी फिडर से सुबह 9 130 बजे से दिन के 3:30 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। इससे मैथन के वनमेढ़ा, प्रोफेसर कॉलोनी, बासुदेव नगर, आदर्श नगर तथा कुमारधुबी का संजय नगर, मैथन मोड़, एग्यारकुंड, शिवलीबाड़ी मुंडाधौड़ा आदि क्षेत्र प्रभावित रहे।

निरसा में फैक्ट्री के सुरक्षा गार्ड को बंधक बना लाखों का सामान ले गए चोर

धनबाद। निरसा अनुमंडल क्षेत्र के कालूबथान ओपी अंतर्गत बोरिया स्थित मां तारा सेरामिक फैक्ट्री में शनिवार की रात हथियारबंद अपराधियों ने सुरक्षा गार्ड को बंधक बनाकर लाखों रुपये के समान लूटकर ले गए। फैक्ट्री संचालक घोषाल राम ने रविवार को इसकी लिखित शिकायत कालूबथान ओपी में की। पुलिस को दिए आवेदन में फैक्ट्री संचालक ने बताया कि अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर सुरक्षा गार्ड को एक कमरे में बंद कर घटना को अंजाम दिया।

जमीन के विवाद में महिला से मारपीट मामले की जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता। तिसरी
थाना क्षेत्र के दोमहन गांव में जमीन विवाद में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घायल महिला दोमहन निवासी दिनेश प्रसाद की 35 वर्षीय पत्नी रिंकू देवी है। मिली जानकारी के अनुसार एक पक्ष के द्वारा उक्त विवादित जमीन पर बाथरूम का टंकी बनवाया जा रहा था। इसको लेकर रिंकू देवी ने पुलिस से शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर जाकर काम को बंद करवा दिया था, लेकिन इसके बावजूद फिर से टंकी बनाया जाने लगा जिसका विरोध करने पर टंकी निर्माण करवा रहे लोगों ने रिंकू देवी से पहले मारपीट की फिर धारदार हथियार से सिर पर वार कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर तिसरी थाना प्रभारी संजय नायक दल बल के साथ दोमहन गांव पहुंचे और घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल लाया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए इलाज के लिए गिरिडीह रेफर कर दिया गया। इस संबंध में घायल महिला रिंकू देवी ने महिला थाने में लिखित आवेदन देते हुए महिला - पुरुष समेत कुल 10 लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। आवेदन में रिंकू देवी ने दावा किया है कि खाता न। 6,प्लॉट न। 68, 21 डी। रकवा वाले उनके जमीन पर कुछ लोगों द्वारा जबरन बाथरूम की टंकी बनवाई जा रही है। जिसका विरोध करने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके साथ गाली - गलौज,दुर्व्यव्हार करते हुए धारदार हथियार से सिर पर वार कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में कर रही है।

नाबालिग बच्चों को रुपये का लालच देकर करवाई जा रही है मवेशी चोरी

ग्रामीणों ने की असली चोर को पकड़ने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह
पचंबा थाना इलाके में इन दोनों मवेशी चोरी की घटना बढ़ गई है। मवेशी चोर नाबालिक बच्चों का सहारा लेकर मवेशी चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। शनिवार की शाम परसाटांड़ पंचायत के चंदनडीह गांव में चोरी के संदेह पर दो नाबालिक बच्चों को ग्रामीणों ने एक मवेशी को ले जाते पकड़ा। ग्रामीणों द्वारा नाबालिकों से पूछताछ के क्रम में पता चला कि उक्त मवेशी को गिरिडीह ले जाने के लिए उन्हें पांच सौ रुपए मिले हैं। पूछताछ के क्रम में नाबालिकों ने अन्य चार मवेशियों को भी गिरिडीह पहुंचने की बात कबूली। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पचंबा थाना पुलिस को दी। वहीं दोनों नाबालिक को लेकर सैकड़ों लोग पचंबा थाना पहुंच गए। ग्रामीणों ने पकड़ में आए नाबालिक बच्चों से पूछताछ कर मवेशी चोरी करने वाले गिरोह का पता लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि पचंबा थाना क्षेत्र में मवेशी चोरी की घटना बढ़ चुकी है। कई लोगों के मवेशी की चोरी हुई है, लेकिन अभी तक एक भी मवेशी को पुलिस ने बरामद नहीं किया है। इसलिए ग्रामीणों ने पुलिस से पकड़ में आए नाबालिक बच्चों से पूछताछ कर असली चोर को गिरफ्तार करने की मांग की है। वहीं पचंबा थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर मंटू कुमार ने कहा कि नाबालिक बच्चों के निशानदेही पर पुलिस छानबीन कर रही है। उनके बताएं जगह पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने दोषियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

नक्सलियों के छिपाकर रखे एलएमजी, एसएलआर समेत दस हथियार व 435 राउंड गोली बरामद

नवीन मेल संवाददाता। चाईबासा
नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रही पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. एसपी आशुतोष शेखर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ के जवान ने टोन्टो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका में भारी संख्या में हथियार बरामद किया है. नक्सलियों ने सभी हथियार को जमीन के नीचे छिपाकर रखा गया था. हथियार बरामद हुआ है, उसमें एलएमजी, छह रायफल, एक एसएलआर, एक पिस्टल, एक मोर्टार, 435 राउंड जिंदा गोली, एक रिवाल्वर, समेत कई अन्य सामान बरामद किया गया है.

नक्सलियों के खिलाफ जारी है अभियान

भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है. जिसको लेकर सुरक्षाबलों के द्वारा गोईलकेरा थाना क्षेत्र के कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाठीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोन्टो थाना क्षेत्र हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगडा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया गांव के सीमावर्ती क्षेत्र में अभियान प्रारंभ किया गया।

न्यूज बॉक्स

पेड़ से लटका मिला युवक का शव जांच में जुटी पुलिस

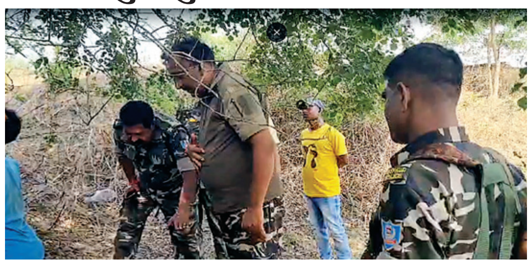

गिरिडीह। मुफ्फसिल थाना के नजदीक सीसीएल डीएवी पब्लिक स्कूल के पीछे जोगीटांड़ में शीशम के पेड़ से एक शव झूलता हुआ देखें जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव होने की सूचना पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जुटी गई। मामले की सूचना पर मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पेड़ से उतरवाया। दौरान काफी प्रयास के बाद भी शव की पहचान नहीं हो सकी। मौके पर पुलिस द्वारा मौजूद लोगों पूछताछ की गई। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस द्वारा मृतक के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। बता दें कि शव गमछे के सहारे से पेड़ पर झूला हुआ देखा गया है ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि युवक ने आत्महत्या की है। हालांकि यह आत्महत्या है या हत्या से जुड़ा मामला है ये शव के पहचान होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। खबर लिखें जाने तक पुलिस शव के शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई थी।

नेताजी शिशु उद्यान परिसर में धरती आबा की पुण्यतिथि मनी

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा के नेताजी शिशु सुभाष उद्यान परिसर में रविवार को भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया गया. मौके पर उपस्थित लोगों ने धरती आबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पअर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा, मुंडारी समाज, सुसार समिति, सरना समिति, भारत मुंडा समाज समिति के प्रमुख लोगों ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला. सभी ने भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे लगाये. मौके पर आदित्य प्रधान, असित मिश्रा, प्रोफेसर श्याम मुर्मू, कृष्ण मुंडा, शीलू मांडी, रमेश सिंह, नवीन हेंब्रम, बुधराम सिंह मुंडा, निकेश मुंडा, अनीता मुंडा आदि समेत समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे।

तालाब में डूबे बच्चे की हुई पहचान, चर्च हाटिंग का था निवासी

किरीबुरू। किरीबुरु स्थित लोकेश्वर मंदिर तालाब से बरामद एक बच्चे के शव की पहचान एलेक्स गोप (7 वर्ष), पिता चन्द्र मोहन गोप, माता पूनम तुबीड के रूप में हुई है. यह बच्चा अपने माता-पिता के साथ किरीबुरु स्थित चर्च हाटिंग में रहता था. एलेक्स गोप 8 जून की सुबह लोकेश्वर मंदिर तालाब में घर वालों को बिना बताये अन्य बच्चों के साथ नहाने गया था। इसी दौरान गहरे पानी में डूब गया। शाम में बच्चे का शव पानी में पाया गया था। शव को बरामद कर किरीबुरु पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बच्चे का परिवार अत्यंत गरीब है। जैसे-तैसे गुजारा करता है। परिवार में शोक की लहर है।

हाईटेंशन तार गिरने से पोटाश जंगल में लगी आग, बाकी गांव जलने से बचा

घाटशिला। घाटशिला थाना अंतर्गत बाकी गांव के निकट 11 हजार वोल्ट का तार टूटकर गिरने से पोटाश जंगल में रविवार को भीषण आग लग गयी। देखते ही देखते आग ने पूरे जंगल को चपेट में ले लिया। ग्रामीणों की सूचना पर मुखिया फागु सोरेन और जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू दमकल लेकर घटनास्थल पर पहुंचे। सब बीट ऑफिसर शिवचरण हेम्ब्रम और अजित मुर्मू भी वहां पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों ने पूरी तत्परता से बाकी गांव चलने से बच गया। मौके पर सुधीर मानकी, सचिन दास, सुनील मानकी, बादल मानकी, सीमाल किस्कू, लुकास टुडू, आकाश मानकी, रमेश मुंडा, हलधर मांडी, लखन मांडी, कमल दास, बुद्देश्वर मानकी, भवानी मानकी समेत अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला इंटक ने भगवान बिरसा की मनाई पुण्यतिथि

आदित्यपुर। रविवार को आदित्यपुर 2 स्थित डीएवी स्कूल एनआईटी गेट के सामने अवस्थित भगवान वीर शहीद बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं उनकी कीर्तियों की चर्चा कर जिला इंटक ने भगवान बिरसा मुंडा की 124वीं पुण्यतिथि मनाई। इस मौके पर वक्ताओं ने उन्हें देश का स्वतंत्रता सेनानी बताया। कांग्रेस के प्रदेश सचिव सुरेश धारी ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के साथ देश के महाजनों और सूदखोरों के विरुद्ध देश में पहली क्रांति का आह्वान किया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंटक के जिला महासचिव खिरोद सरदार ने किया। कार्यक्रम को वरिष्ठ कांग्रेस नेता समरेंद्रनाथ तिवारी और महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष बैजंती बारी ने भी संबोधित किया।

सीतारामडेरा में श्री गुरु अर्जन देव जी के शहादत दिवस पर लगी छबील

जमशेदपुर। सीतारामडेरा गेडू परिवार ने पारंपरिक रूप से श्री गुरु अर्जन देव जी की शहादत कोई याद करते हुए छबील का आयोजन किया। बिरसा नगर स्त्री सत्संग सभा की बीबीयों ने सुखमणि साहिब जी का पाठ किया और अरदास कर वाहेगुरु की रजा में रहने का संकल्प लिया। सरदार हरपाल सिंह और जसबीर कौर ने बताया कि गुरुजी को याद करते हुए पिछले कई सालों से संगत एवं आम जनता के बीच चना एवं मीठा शर्बत का वितरण किया जाता है।

आज का राशिफल

मेष — मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा।

वृषभ — निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

मिथुन — कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

कर्क — ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है।

सिंह — विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

कन्या — स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला — शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है।

वृश्चिक — कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ।

धनु — मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

मकर — स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ — मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी।

मीन — अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें।

महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश, सिंधुदुर्ग के लिए रेड अलर्ट

एजेंसी मुंबई

महाराष्ट्र के कई जिलों में सोमवार सुबह से ही जोरदार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज के लिए सिंधुदुर्ग जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि विदर्भ के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश की वजह से पालघर के वसई विरार इलाकों में जलभराव हो गया है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले तीन से चार दिन तक राज्य में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। कोंकण में गरज के साथ भारी बारिश और 50-60 किमी प्रति घंटे की औसत गति से हवा चलने की संभावना जताई गई है। रत्नागिरी में आज ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और कुछ स्थानों पर 100 मिमी से अधिक बारिश की संभावना जताई है। इसी तरह सिंधुदुर्ग में आज रेड अलर्ट जारी किया है और समुद्र में मछुआरों को न जाने की अपील की है। कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र के कई जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी चेतावनी दी गई है। कोल्हापुर और सातारा में भारी बारिश की संभावना है। मराठवाड़ा के कई जिलों में आज हल्की बारिश की संभावना है।

बारिश की वजह से जनजीवन प्रभावित

मुंबई शहर में आज सुबह से ही बारिश हो रही है। दादर, कुर्ला, अंधेरी, घाटकोपर, कोलाबा, बांद्रा में बारिश की वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ इलाकों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। कल्याण-डोंबिवली में आज सुबह एक घंटे तक बारिश हुई। करीब एक घंटे तक बूंदाबांदी होती रही। बीच-बीच में तेज बारिश भी होती रही, हालांकि बारिश तेज नहीं थी, लेकिन बूंदाबांदी से शहरवासियों को गर्मी से राहत मिली। वसई विरार में आज सुबह-सुबह भारी बारिश से निचले इलाकों की सडकों पर पानीभर गया है। वसई के साईंनगर, विश्वकर्मा नगर, समता नगर, दीवानमन, मानिकपुर रोड में पहली बारिश में ही सडकों पर पानी भर गया है। पहली बारिश में ही मुंबई अहमदाबाद हाईवे जाम हो गया है। वसई क्षेत्र के मालजीपाड़ा इलाके में जेके टायर शोरूम के पास पाइप लाइन बिछाने के काम के कारण यह राजमार्ग अवरुद्ध है।

'हरियाणा से पानी नहीं छोड़ा गया तो दिल्ली में होगा बड़ा जल संकट'

नई दिल्ली। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह को एक बार फिर पत्र लिखकर कहा है कि यदि पड़ोसी राज्य दिल्ली के लिए अतिरिक्त पानी नहीं छोड़ता है तो राष्ट्रीय राजधानी को अगले एक-दो दिन में बड़े जल संकट का सामना करना पड़ेगा। आतिशी ने पत्र में लिखा, पिछले कुछ दिनों से हरियाणा मुनक नहर में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रहा है। इसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय राजधाना के लोगों को अनुचित कष्ट उठाना पड़ रहा है। पत्र में कहा गया है कि मई 2018 में अपर यमुना रिवर बोर्ड की 53वीं बैठक में हुए समझौते के अनुसार, मुंडक नहर के जरिये दिल्ली को 1,050 क्यूसेक (56.8 करोड़ गैलन प्रतिदिन) पानी दिया जाना था। रास्ते में पानी के नुकसान को देखते हुए 1,013 क्यूसेक (54.8 करोड़ गैलन प्रतिदिन) पानी दिल्ली पहुंचना चाहिये। मंत्री ने अपने पत्र में लिखा कि दिल्ली के बवाना में, जहां मुंडक नहर का पानी केंद्रशासित प्रदेश में प्रवेश करता है, इसकी मात्रा मापी गई थी। अपर यमुना रिवर बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह इन फ्लो मीटरों की जांच की थी। गर्मी के समय में भी बवाना में दिल्ली को मिलने वाले पानी की औसत मात्रा 980 से 1,030 क्यूसेक के बीच होती है।

जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम घोषित, वेद बने ऑल इंडिया टॉपर, द्विजा गर्ल्स में अव्वल

आईआईटी मद्रास ने किया था परीक्षा का आयोजन, 14 दिन में रिजल्ट घोषित

एजेंसी। नईदिल्ली/कोटा

आईआईटी मद्रास का 26 मई को हुई जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम मात्र 14 दिन बाद रविवार 9 जून को घोषित कर दिया। इस परीक्षा में 1,91,283 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया था। इस बार 48,248 विद्यार्थियों को आईआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिये क्वालिफाई घोषित किया गया है। उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों में 40,284 छात्र एवं 7964 छात्राएं हैं।

आईआईटी मद्रास के जारी परिणामों में ऑल इंडिया मेरिट सूत्री में इस वर्ष एलन कोटा के कोचिंग छात्र व इंदौर निवासी वेद लोहाटी ने ऑल इंडिया रैंक में टॉप किया। लोहाटी ने 360 में से सर्वाधिक 355 अंक हासिल किये है। गर्ल्स केटेगरी में छात्रा द्विजा धर्मेश कुमार पटेल टॉपर रही, जिसने 360 में से 322 अंक हासिल किए हैं। मुख्य मेरिट सूची में रैंक-2 पर आदिल, रैंक-3 पर भोगलपल्ली संदेश, रैंक-4 पर रिथम केडिया, रैंक-5 पर पुट्टी कुशल कुमार, रैंक-6 पर राजदीप मिश्रा, रैंक-7 पर द्विजा पटेल, रैंक-8 पर कोडुरी तेजेश्वर, रैंक-9 पर धुवी हेमंत दोषी, रैंक-10 पर अल्लादा बोना सिद्विक सुहास सफल रहे।

मैथ्स का हर सवाल हल करना पसंद है : वेद लाहोटी

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के क्लासरूम छात्र वेद लाहोटी ने जेईई-एडवांस्ड का रिकॉर्ड ब्रेक करने की जिद की और उसे पूरा कर दिखाया। उसने 360 में से 355 अंक प्राप्त कर रैंक-1 हासिल की है। जेईई-मेन में उसने 300 में से 295 अंक अर्जित कर एआईआर-119 प्राप्त की है। कक्षा-10वीं 98.6 प्रतिशत और कक्षा-12वीं में 97.6 प्रतिशत प्राप्तांक से उसने अपनी योग्यता को साबित किया। वेद हर बात का तार्किक जवाब लेने में विश्वास रखता है। जेईई-एडवांस्ड में दो सवाल गलत हुए हैं तो उसने चुनौती दी कि ये कैसे गलत हुए। उसकी मां जया गृहिणी और पिता योगेश लाहोटी रिलायंस जीओ में कंस्ट्रक्शन मैनेजर हैं। वेद ने बताया कि मुझे मैथ्स में हर सवाल हल करना पसंद है। उसे शतरंज व क्रिकेट खेलने का शौक है। उसे मां जया और नाना आर सी सोमानी ने आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया। वह कोटा में पढ़ना चाहता था। उसने इंदौर से कक्षा-10 पास करके कोटा में जेईई की तैयारी की और कीर्तिमान बनाने में सफल रहा।

जोसा काउंसलिंग आज से

कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार, आईआईटी एवं एनआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए जोसा काउंसलिंग 10 जून से प्रारम्भ होगी। यह काउंसलिंग 10 जून से 26 जुलाई के मध्य 5 राउंड में पूरी होगी। काउंसलिंग में सफल विद्यार्थियों को 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपलआईटी एवं 40 जीएफटीआई सहित 121 संस्थानों की 600 से अधिक कॉलेज व ब्रांचेज को अपनी रैंक के अनुसार प्राथमिकता के घटते क्रम में भरना है।

उल्लेखनीय देश के 23 आईआईटी संस्थानों में गत वर्ष 17,385 सीटें थी, जिसमें से 13,918 पर छात्रों को एवं 3422 पर छात्राओं को प्रवेश दिया गया था। इस वर्ष 10 प्रतिशत सीटें बढ़ने की उम्मीद है। याद दिला दें कि जेईई-मेन से इस वर्ष 2.50 लाख शीर्ष परीक्षार्थियों को जेईई-एडवांस्ड के लिये क्वालिफाई घोषित किया गया था, लेकिन इनमें से 60 हजार इस कठिन प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुये। जेईई-एडवांस्ड का रिजल्ट घोषित होने पर कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ढोल पर झूमते हुये सफलता का जश्न मनाया।

जिरिबाम में हालात काबू में, बुजुर्ग की हत्या के बाद भड़की थी हिंसा

एजेंसी। मणिपुर

मणिपुर में हिंसा की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जिरिबाम जिले में एक बार फिर हिंसा भड़क गई। यहां शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो पुलिस चौकियों और कम से कम 70 घरों में आग लगा दी थी, जिससे हालात बिगड़ गए। हालांकि, रविवार को स्थिति को नियंत्रण कर लिया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि घटना शनिवार शाम को हुई। इसके बाद प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। मणिपुर पुलिस ने बताया, 'जिरिबाम जिले में हिंसक उपद्रव के बाद स्थिति तनावपूर्ण है। हालांकि हालात नियंत्रण में है। यहां शरारती तत्वों ने दो पुलिस पिकेट, एक वन बीट कार्यालय और मैतेई व कुकी दोनों समुदायों से संबंधित कई घरों में आग लगा दी थी।'

जिरिबाम थाने के बाहर विरोध जताया

पुलिस ने बताया कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर के जिरिबाम जिले में गुरुवार शाम एक समुदाय के 59 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के बाद तनाव पैदा हो गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित गुरुवार को सुबह अपने खेत पर गया था, जहां से वह लापता हो गया। बाद में उसका शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने हत्या के बाद जिरिबाम थाने के बाहर विरोध जताया और मांग की कि चुनाव के मद्देनजर उनसे लिये गए लाइसेंसी हथियार अब उन्हें लौटा दिए जाएं। मणिपुर में पिछले साल से मई से जारी हिंसा से अब तक जिरिबाम अप्रभावित रहा है। यहां भी मेइती, मुस्लिम, नागा, कुकी और गैर-मणिपुरी लोग रहते हैं।

अनिश्चित काल के लिए लगा था कर्फ्यू

जिरिबाम जिले में संदिग्ध उग्रवादियों की ओर से 59 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या किए जाने पर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद छह जून को जिला प्रशासन ने वहां अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया था। जिरिबाम जिले में हुई हत्या से यहां ताजा जातीय हिंसा भड़क उठी है जबकि अभी तक यह क्षेत्र हिंसा से अप्रभावित रहा था।

सोशल मीडिया पर नजर

उन्होंने आगे कहा, 'पुलिस सोशल मीडिया की भी सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है। सोशल मीडिया पर शरारती तत्व समुदायों के बीच सांप्रदायिक भावनाओं को भड़का सकते हैं। साथ ही आम जनता से अफवाहों को हवा देने से बचने को कहा है।'

मंत्री बनाने का ऑफर देने पर भी भाजपा को नहीं देंगे समर्थन : विधायक

एजेंसी। चरखी दादरी

चरखी दादरी के निर्दलीय विधायक और सांगवान खाप के प्रधान सोमबीर सांगवान ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। दरअसल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि प्रदेश के तीनों निर्दलीय विधायकों को मनाकर वापस भाजपा में शामिल कराएंगे। सीएम सैनी के इसी बयान पर विधायक सोमबीर सांगवान ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि तीनों निर्दलीय विधायक का कांग्रेस को पूर्ण रूप से समर्थन है और रहेगा। भाजपा सरकार इन विधायकों को चाहे मंत्री

बनाने का ऑफर दे या राष्ट्रपति बनाने का, वे भाजपा को समर्थन नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि तीनों निर्दलीय विधायक भाजपा में नहीं जाएंगे। सीएम उनको लोभ और लालच देना छोड़ दें। तीनों विधायक अपने फैसले पर अडिग हैं। इन तीनों विधायकों ने कांग्रेस को समर्थन देकर हरियाणा में भाजपा सरकार को अल्पमत में लाकर छोड़ दिया है। सैनी सरकार हरियाणा में विधायकों का फ्लोर टेस्ट कराएगी तो फेल हो जाएगी। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना रनौत के साथ हुई बदसलूकी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि वह ओछे शब्दों का प्रयोग करती हैं। सीआईएसएफ की महिला जवान की भावनाओं को ठेस पहुंची थी, इसलिए वह ऐसा करने पर मजबूर हो गई। कंगना रनौत के बयानों से समाज में गलत संदेश गया था और इसी का परिणाम है कि आवेश में आकर महिला जवान ने कंगना पर थप्पड़ जड़ दिया। कंगना को समाज में तानाबाना का भी ख्याल रखना चाहिए और उन्हें अपने ओछे ब्यान का खामियाजा भुगतना पड़ा।

ममता ने बिरसा मुंडा को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। कोलकार्ता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आदिवासियों के बीच भगवान की तरह पूजे जाने वाले बिरसा मुंडा को पुण्यतिथि के मौके पर श्रद्धांजलि दी है। सीएम ने कहा है कि उनके नेतृत्व वाली सरकार हर साल इस मौके पर राज्य अवकाश मानती है। रविवार को मुख्यमंत्री ने माइक्रो ब्लॉकिंग साइट एक्स पर लिखा, मैं स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनकी निडर देशभक्ति, अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की मानसिकता हमारी प्रेरणा है। ममता ने लिखा, मुझे गर्व है कि हमारी राज्य सरकार इस वीर शहीद के सम्मान में हर वर्ष उनकी जयंती को अवकाश के रूप में मनाती है। हमने जंगलमहल में अपने एक विश्वविद्यालय का नाम आदिवासी समाज के इस दिग्गज के नाम पर रखा है।

15 नवम्बर 1875 को जन्में बिरसा मुंडा एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे। उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में हुए एक आदिवासी धार्मिक सहस्त्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया, जिससे वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए। भारत के आदिवासी उन्हें भगवान मानते हैं और "धरती आबा" के नाम से भी जाना जाता है। नौ जून 1900 को वह बलिदान हो गए थे।

तीन महिलाओं सहित पांच की मौत

एजेंसी। अमेठी

अमेठी में भीषण सड़क हादसा होग गया। तेज रफ्तार बोलेरो कार बुलेट बाइक को टक्कर मारने के बाद पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को ग्रामीणों की मदद से स्थानीय सीएचसी, जिला अस्पताल और सुल्तानपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। पूरा मामला मुंशीगंज थाना क्षेत्र के जामो भादर चौराहे का है। जहां सुल्तानपुर जिले के इस्लामगंज गांव का रहने वाला अकबर बोलेरो से परिजनों को लेकर मुंशीगंज थाना क्षेत्र के धरई माफी एक मिट्टी में शामिल होने जा रहा था। बोलेरो अभी जामो भादर चौराहे के पास पहुंची ही थी कि जामो की तरफ से आ रही बुलेट से टकराने के बाद पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बुलेट सवार दुर्गेश उपाध्याय पुत्र राम इकबाल और बहन वंदना की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार वर्षीय भांजा रुद्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

अमरोहा के चित्रकार ने कोयले से बनाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आठ फीट की तस्वीर

एजेंसी

अमरोहा। नरेंद्र मोदी आज तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इसको लेकर देश में चारों ओर जश्न का माहौल है। ऐसे में पीएम मोदी को अपनी शुभकामनाएं भेजने के लिए अमरोहा के एक चित्रकार ने कोयले से पीएम मोदी की 8 फीट की तस्वीर को दीवार पर उकेरा है। तस्वीर बनाने वाला चित्रकार उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले का रहने वाला है। उसे अक्सर अपने कोयले से बनाए गए चित्रों के लिए जाना जाता है।

मोदी की तस्वीर बनाने वाले चित्रकार जुहेब खान ने कहा, मैं अक्सर देश में होने वाली समसामयिक घटनाओं को कोयले से अपनी तस्वीर के जरिए दीवारों पर उतारता हूं।" उन्होंने कहा कि आज नरेंद्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। इस मौके पर उन्हें बधाई देने के लिए मैंने कोयले से उनका 8 फीट का चित्र तैयार किया है।

जुहेब खान ने आगे कहा, मैं आशा करता हूं कि पीएम मोदी अपने नारे 'सबका साथ, सबका विकास' के साथ सभी जाति, धर्मों और समुदायों के लोगों को साथ लेकर चलेंगे, ताकि यह देश प्रगति कर सके।

प्रधानमंत्री मोदी आज शाम 7.15 बजे राष्ट्रपति भवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें शपथ दिलाएंगी। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' पॉलिसी और 'सागर' मिशन को दी जा रही प्राथमिकता के तहत कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों को समारोह में बुलाया गया है। पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने वाले नेताओं में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ह्यप्रचंडह्व और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे शामिल हैं। सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफिफ और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना शनिवार को ही भारत आ गई थीं।

जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत को तीसरी बार मिली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में जगह

जयपुर। जोधपुर लोकसभा सीट से लगातार तीन बार संसद पहुंचने वाले गजेंद्र सिंह शेखावत को तीसरी बार भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है। प्रधानमंत्री आवास पर रविवार सुबह पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई टी पार्टी में वह भी शामिल हुए थे।

शेखावत ने मंत्री बनाये जाने पर प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तीसरी बार अपनी टीम में शामिल कर उन्हें देश सेवा का मौका दिया है। उन्होंने कहा, ₹देश को विकसित बनाने का प्रधानमंत्री का संकल्प और जिन मुद्दों को लेकर हम चुनाव में जनता के बीच गये थे, उन्हें पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाएगा। शेखावत ने जोधपुर लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार उन्हें उम्मीदवार बनाने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया और पार्टी कार्यकर्ताओं तथा शहर के लोगों को उन्हें विजयी बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

आम आदमी पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है : नवीन जिंदल

यमुनानगर। कुरुक्षेत्र लोकसभा से चुनाव जीतने के बाद भाजपा सांसद नवीन जिंदल रादौर पहुंचे। रादौर पहुंचने पर कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने आग आदमी पार्टी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि इस पार्टी की कोई विचारधारा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा क्षेत्र में पार्टी और उनके खुद के संकल्प पत्र के अनुरूप जल्द ही काम शुरू किए जाएंगे। मेडिकल सुविधाओं के आलावा समाजसेवा के कार्यों पर जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सांसद नवीन जिंदल ने आम आदमी पार्टी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव तक कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली पार्टी अब कांग्रेस नेताओं पर ही भीरतघात का आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को कांग्रेस के नाम पर 80 प्रतिशत वोट मिले हैं, आम आदमी पार्टी की कोई विचारधारा ही नहीं है। चुनाव खत्म होने के बाद से ही आप नेता कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी करने लगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम सैनी ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सरपंचों की समस्या भी दूर की गई है। ये सरकार जनता की है, ये लोगों की सरकार है। हम साथ मिलकर काम करेंगे।

एक नजर

वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से रौंदा

जॉर्जटाउन (गुयाना)। टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप-सी के एक मैच में वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन की फिरकी के आगे युगांडा के बल्लेबाज पूरी तरह लाचार नजर आए। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉनसन चार्ल्स के 42 गेंदों पर 44 और आंद्रे रसेल के 17 गेंदों पर 30 रनों की बदौलत 20 ओवरों में 173/5 रन बनाए। जवाब में युगांडा की टीम 12 ओवरों में मात्र 39 रन पर सिमट गई। युगांडा को कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक पाया।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 36 रन से हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) : ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर टी20 विश्व कप में अपने चिर प्रतिद्वंदी इंग्लैंड को 36 रन से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 201 रन बनाए जो वर्तमान विश्व कप में किसी टीम का अभी तक सर्वोच्च स्कोर है। इंग्लैंड की टीम इसके जवाब में 6 विकेट पर 165 रन ही बना पाई। ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। इंग्लैंड को अभी पहली जीत का इंतजार है।

उसे अब ओमान और नामीबिया का सामना करना है जबकि स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के कारण उसे अंक बांटने पड़े थे। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद डेविड वार्नर (16 गेंद पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 39 रन) और ट्रेविस हेड (18 गेंद पर 34 रन, दो चौके, तीन छक्के) ने पहले 5 ओवर में 70 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को आक्रामक शुरूआत दिलाई। इन दोनों के चार रन के अंदर पवेलियन लौट जाने के बाद कप्तान मिशेल मार्श और ग्लेन मैक्सवेल ने जिम्मेदारी संभाली। मार्श ने 25 गेंद पर 35 रन बनाए जिसमें दो चौके और इतने ही छक्के शामिल हैं। मैक्सवेल ने 25 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाए।

119 रनों पर सिमटी भारतीय की पूरी टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज मुकाबले में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 119 रन ही बना पाई। बारिश से प्रभावित मुकाबले को दो बार रोका गया था। इस दौरान तेज हवाओं में भारतीय बल्लेबाजी डमगमा गई। नसीम शाह और हैरिस राऊफ ने 3-3 तो मोहम्मद आमेर ने दो विकेट लेकर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक जाने से रोक दिया। भारत की ओर से ऋषभ पंत सवार्धिक स्कोरर रहे। उन्होंने 42 रन बनाए। इसके अलावा अक्षर पटेल ने 20 तो रोहित शर्मा ने 13 रनों का योगदान दिया। विराट 4, सूर्यकुमार 8 तो हार्दिक 7 ही रन बना पाए। अंत में अर्शदीप ने अच्छे शॉट लगाए और स्कोर 119 तक पहुंचा दिया। अर्शदीप को सिराज का भी थोड़ा साथ मिला।

भारत : 119-10 (19 ओवर)

- टीम इंडिया की ओर से रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ओपनिंग पर आए। रोहित ने शाहीन अफरीदी की पहली गेंद पर डबल लेने के बाद तीसरी गेंद पर गगनचुंबी छक्का जड़ा लेकिन एक ओवर खत्म होने के बाद बारिश शुरू हो गई जिसके चलते सलामी बल्लेबाजी पवेलियन लौट गए। मैच

शुरू हुआ तो कोहली (4) ने पहली गेंद पर चौका लगाया लेकिन नसीह शाह की तीसरी गेंद पर आऊट हो गए।

टीम इंडियो को रोहित शर्मा से खास उम्मीदें थीं। कोहली के आऊट होने के बाद उनपर नजरें थीं लेकिन शाहीन अफरीदी ने तीसरी ओवर में वापसी करते हुए रोहित को हैरिस राऊफ के हाथों कैच आऊट करवा दिया। रोहित ने 12 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 13 रन बनाए। इसके बाद अक्षर पटेल और ऋषभ पंत ने टीम को संभाला और कुछ अच्छे शॉट लगाए। पावरप्ले में भरत का स्कोर 50-2 हो गया।

अक्षर पटेल 8वीं ओवर में नसीम शाह का शिकार हुए। उन्होंने 18 गेंदों पर 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 20 रन बनाए। इस दौरान पाकिस्तानी फील्डिंग भी कमजोर रही। उन्होंने दो महत्वपूर्ण कैच भी छोड़े। सूर्यकुमार यादव (7) ने क्रीज पर आकर चौके के साथ शुरूआत की। लेकिन 12वें ओवर में वह हैरिस की गेंद पर आमेर को कैच दे बैठे। सूर्यकुमार ने इसी के साथ पाकिस्तान के खिलाफ अपना खराब रिकॉर्ड कायम रखा। पाकिस्तान के खिलाफ 5 मुकाबलों में वह 11, 18, 13, 15, 7 रन ही बना पाए हैं।

भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे मिले मौके को भुना नहीं पाए। सूर्यकुमार के आऊट होने के बाद क्रीज पर आए दुबे 9 गेंदों पर 3 रन बनाकर नसीम शाह का शिकार हो गए। शिवम के लिए टी20 में भारत के लिए आऊटिंग अभी तक ठीक नहीं गई है। वह अब तक 0, 0, 21, 18, 7, 14, 0* और 3 ही रन बना पाए हैं। अक्षर के ठीक बाद ऋषभ पंत 42 रन बनाकर आऊट हो गए।

महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में संजीवनी ने हासिल किया पहला स्थान

32 मिनट 22.77 सेकंड में पूरी करके पहला स्थान हासिल किया है संजीवनी ने।

32 मिनट 55.91 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर एक और भारतीय महिला रही।

एजेंसी। पोर्टलैंड (अमेरिका)

एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता धाविका संजीवनी जाधव ने पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफॉर्मेंस प्रतियोगिता में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ 32 मिनट 22.77 सेकंड में पूरी करके पहला स्थान हासिल किया।

इस 27 वर्षीय धाविका ने इससे पहले भी पोर्टलैंड में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रही थी। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय सीमा 32 मिनट 55.91 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के पदक विजेता अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में 8 मिनट 21.85 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया।

उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 8 मिनट 11.20 का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए रजत पदक जीता था लेकिन यहां वह इस प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाए। महिला वर्ग में पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण (5000 मीटर) और रजत (3000 मीटर स्टीपलचेज) जीतने वाली पारुल चौधरी

स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही।

उन्होंने नौ मिनट 31.38 सेकंड का समय निकाला, जो पिछले साल बुडापेस्ट में बनाए गए उनके नौ मिनट 15.31 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से लगभग 16 सेकंड अधिक था। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय प्रीति 10 मिनट 12.88 सेकंड का समय लेकर 20वें स्थान पर रही। कोलराडो में अभ्यास कर रहे भारत के कई एथलीट पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल में भाग ले रहे हैं।

हज यात्रा पर रवाना हुईं सानिया मिर्जा

नई दिल्ली। पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा हज यात्रा पर रवाना हो गई हैं। सानिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी और कहा कि उन्हें काफी इंतजार के बाद इस पवित्र यात्रा पर जाने का अवसर मिला है। सानिया मिर्जा हज की अपनी पवित्र यात्रा शुरू कर चुकी हैं। पूर्व टेनिस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्हें 'पवित्र यात्रा पर निकलने का अविश्वसनीय अवसर मिला है', क्योंकि वह जल्द ही सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में होंगी। अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किए गए एक लंबे नोट में, सानिया ने लिखा, मेरे प्यारे दोस्तों, मैं एक नए अनुभव की तैयारी कर रही हूं। मैं आप सभी से अपनी सभी गलतियों की माफी मांगती हूं। मेरा दिल इस समय काफी भावुक और कृतज्ञता से भरा हुआ है। मुझे उम्मीद है कि अल्लाह मेरी प्रार्थनाओं को स्वीकार और मेरा मार्गदर्शन करेंगे।

'पवित्र यात्रा पर निकलने का अविश्वसनीय अवसर मिला है'

आईपीएल से हटने का फैसला सही साबित हुआ : एडम जम्पा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जंपा ने कहा कि आईपीएल 2024 से हटने का उनका फैसला सही रहा क्योंकि इससे उन्हें टी20 विश्व कप की तैयारी करने में मदद मिली और साथ ही उन्होंने अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताया। जम्पा ने टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर 36 रन से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जम्पा ने मैच के बाद कहा, निश्चित तौर पर विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आईपीएल से हटने का मेरा फैसला सही रहा। मैं काफी थका हुआ महसूस कर रहा था तथा मैं पूरी तरह से फिट भी नहीं था। इसके अलावा मैं पारिवारिक व्यक्ति भी हूं और कई बार इन्हें काम से अधिक प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने कहा, मैं थोड़ा धीमी शुरूआत करने वाला व्यक्ति हूं और मुझे थोड़ा अधिक कड़ी मेहनत करनी पड़ी। मैं अब पूरी तरह से फिट हूं और मैंने काफी गेंदबाजी की जैसा कि इस तरह के टूनामेंट से पहले मैं हमेशा करता रहा हूं। अब सब कुछ मेरे साथ अच्छा हो रहा है।'

रचा इतिहास

यूएफसी में जीत दर्ज करने वाली पहली भारतीय बनीं पूजा तोमर

एजेंसी। केंटकी

पूजा तोमर अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में जीत दर्ज करने वाली भारत की पहली मिश्रित मार्शल आर्ट फाइटर बन गई है। पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता में भाग ले रही पूजा ने यूएफसी लुइसविले में शनिवार को स्ट्रॉवेट (52 किग्रा) मुकाबले में ब्राजील की रेयान डॉस सैंटोस पर 30-27, 27-30, 29-28 से विभाजित निर्णय से जीत हासिल की।

पूजा ने मुकाबले के बाद कहा, यह केवल मेरी जीत नहीं है। यह भारत के सभी प्रशंसकों और भारतीय फाइटर की जीत है। इससे पहले सभी सोचा करते थे कि भारतीय फाइटर चुनौती पेश नहीं कर सकते हैं। मैं केवल जीत के बारे में सोच रही थी और मैंने दिखाया कि भारतीय फाइटर हारने वालों में शामिल नहीं हैं।'

साइक्लोन' के नाम से मशहूर 30 वर्षीय पूजा ने पिछले साल अक्टूबर में यूएफसी के साथ अनुबंध किया था और इस तरह से वह मिश्रित मार्शल आर्ट्स की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली भारत की पहली महिला बन गईं। अंशुल जुबली और भरत कंडारे ने यूएफसी में विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के बुधाना गांव में जन्मी पूजा पांच बार की राष्ट्रीय वुशु चैंपियन हैं और कराटे और ताइक्वांडो में भी भाग लेती रही है। पूजा ने कहा, ह्यमुझे जीत की पूरी उम्मीद थी और मैंने काफी आक्रमण किया लेकिन मैं अपना शत प्रतिशत प्रदर्शन नहीं कर पाई। दूसरे राउंड में मैं दबाव महसूस कर रही थी। मुझे अभी काफी सुधार करने की जरूरत है।'

पूजा तोमर

यह केवल मेरी जीत नहीं है, यह भारत के सभी प्रशंसकों और भारतीय फाइटर की जीत है

बांग्लादेश के खिलाफ विजय अभियान जारी रखने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी। न्यूयॉर्क

अपने पहले दो मैच में जीत दर्ज करके ग्रुप डी में शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका को अगर टी20 विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखना है तो बांग्लादेश के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीम के लिए नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की अप्रत्याशित व्यवहार कर रही पिच से सामंजस्य से बिठाना आसान नहीं होगा। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि अपने पहले दो मैच इसी मैदान पर खेले हैं इसलिए वह थोड़ा फायदे में रहेगा। बांग्लादेश ने भी भारत के खिलाफ यहां अभ्यास मैच खेला था। दक्षिण अफ्रीका ने भले ही नीदरलैंड और श्रीलंका पर जीत दर्ज की है लेकिन उसके बल्लेबाज इन दोनों मैच में छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करते हुए नजर आए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने हालांकि अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और इसलिए उसके गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की संभावना नहीं है जिसमें एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, मार्को यानसन और ओटनील बार्टमेन जैसे तेज गेंदबाज और केशव महाराज जैसा अनुभवी स्पिनर शामिल है। दक्षिण अफ्रीका की चिंता हालांकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन होगा।

टीम इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद ह्रदय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

व्यापार/लाइफ व साइंस

पीएम के नेतृत्व में भारत इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग का हब बनने को तैयार : आईसीईए चेयरमैन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग का हब बनने को तैयार है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिन्द्रू ने रविवार को ये बात कही।

मोहिन्द्रू ने कहा कि पिछले एक दशक में मोबाइल फोन इंडस्ट्री में काफी तेज ग्रोथ देखने को मिली है और इस दौरान भारत में कुल 50 अरब फोन मैन्युफैक्चर हुए हैं। इसने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की एक मजबूत नींव स्थापित की है।

मोहिन्द्रू ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, एक देश के रूप में हमें सभी सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ना होगा। मोबाइल के साथ भारत आईटी हार्डवेयर, लैपटॉप, डेस्कटॉप, सर्वर, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य क्षेत्रों में भी इलेक्ट्रॉनिक्स का ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने को तैयार है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में आईसीईए ने कहा कि भारत का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को वित्त वर्ष 2026 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इससे देश में करीब 90 से 100 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर की मांग पैदा होगी।

मोहिन्द्रू ने आगे कहा कि भारत एक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के हब बनने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 10 वर्षों में इसमें करीब 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आईसीईए के डेटा के मुताबिक, घरेलू बाजार अगले पांच वर्षों में 65 अरब डॉलर से बढ़कर 180 अरब डॉलर हो सकता है।

ICEA INDIA CELLULAR & ELECTRONICS ASSOCIATION

भारत का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को वित्त वर्ष 2026 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

- **भारत में कुल 50 अरब फोन मैन्युफैक्चर हुए हैं**
- **एक देश के रूप में हमें सभी सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ना होगा**

डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में दिखेगी भविष्य की झलक

नई दिल्ली। एप्पल की वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) सोमवार से शुरू होने जा रही है। माना जा रहा है कि इस बार कई नए फीचर्स के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर कंपनी का फोकस हो सकता है। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी एक ईवेंट है, जहां एप्पल की ओर से अपने प्रोडक्ट्स के लिए नए सॉफ्टवेयर और फीचर्स को पेश किया जाता है। इस वर्ष उम्मीद की जा रही है कि आईफोन के लिए आईओएस 18 पेश किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम का भी अपटेड आ सकता है। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में एप्पल अपने ऑपरेटिंग सिस्टम में एआई को जोड़ सकता है। इसके अलावा सिरी के उपयोग बढ़ाने को लेकर भी ध्यान हो सकता है। कंपनी इसमें लार्ज लैंग्वेज मॉडल जोड़ सकती है, जिससे यह यूजर्स की ओर से पूछे गए सवालों का आसानी से जवाब दे पाए। एप्पल अपने इन एआई फीचर्स को 'एप्पल इंटेलिजेंस' फीचर्स नाम दे सकता है और अपने सभी ऐप्स में जोड़ सकता है।

मस्क ने की भारतीय मूल के इंजीनियर की तारीफ, कहा

उनके बिना हम केवल एक साधारण कार कंपनी

एजेंसी। नई दिल्ली

एलन मस्क ने रविवार को भारतीय मूल के एक इंजीनियर की जमकर तारीफ की। उन्होंने टेस्ला के ऑटोपायलट टीम के पहले कर्मचारी अशोक एलुस्वामी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके और उनकी टीम के बिना हम एक सामान्य कार निमार्ता होते और एक ऑटोनॉमी सप्लायर को खोज रहे होते, जो कि हकीकत में है ही नहीं।

मस्क ने ये बयान ऐसे समय पर दिया है जब एलुस्वामी ने अपने एक नोट में कहा कि वे एआई और ऑटोनॉमी के मुख्य कर्ताधर्ता रहे हैं।

एलुस्वामी ने अपने नोट में आगे कहा कि वे (मस्क) हमें हमेशा सर्वोच्च हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं, जब हमें लगता है कि वे चीजें पाना बिल्कुल मुश्किल हैं।

इसके बाद मस्क ने एलुस्वामी की पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोट करते हुए लिखा कि धन्यवाद अशोक। यह पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने टेस्ला की एआई और ऑटोपायलट टीम को ज्वाइन किया था। इसके बाद आज सभी एआई और ऑटोपायलट टीम को लीड कर रहे हैं।

आगे मस्क ने कहा कि वैसे मैंने कभी उन्हें ये सुझाव नहीं दिया कि वे ये सब कहें और उन्हें तब पता लगा जब पोस्ट को 10 मिनट पहले देखा।

एलुस्वामी ने अपने नोट में कहा कि 2014 में ऑटोपायलट एक छोटे से कम्प्यूटर से शुरू हुआ था। उसकी मेमोरी करीब 384 केबी की थी।

उन्होंने इंजीनियरिंग टीम से लेन कीपिंग, लेन बदलना, वाहनों के लिए लोंगिट्युडिनल कंट्रोल और कर्वेचर आदि लागू करने को कहा। टीम के कई लोगों ने सोचा था कि ये बिल्कुल नामुमकिन काम है।

बहरहाल, उन्होंने कभी हार नहीं मानी और टीम को इस बेहद कठिन लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। 2015 में सभी मुश्किलों को मात देते हुए टेस्ला ने दुनिया का पहला ऑटोपायलट सिस्टम बनाया।

आज से खुलेगा ट्रैवल कंपनी इक्सिगो का आईपीओ

नई दिल्ली। ट्रैवल वेबसाइट इक्सिगो की प्रवर्तक कंपनी ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आईपीओ सोमवार से खुल रहा है। आम निवेशक बुधवार तक इसके लिए बोली लगा सकते हैं। इक्सिगो आईपीओ का इश्यू साइज 740 करोड़ रुपये का है। इसमें फ्रेश इश्यू 120 करोड़ रुपये का और ऑफर फॉर सेल 620 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 88 रुपये से लेकर 93 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसका लॉट साइज 161 शेयरों का है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए रिटेल निवेशकों को कम से कम 14,973 रुपये का निवेश करना होगा। कंपनी ने शुक्रवार को बताया था कि उसने आईपीओ खुलने से पहले एंकर निवेशकों से 333 करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एंकर बुक में 23 फंड्स ने भाग लिया है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने वित्त वर्ष २०२३-२४ में संभाला एक मिलियन टन से ज्यादा कार्गो

एजेंसी। मुंबई

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) की ओर से रविवार को कहा गया कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कंपनी ने एक मिलियन टन एयर कार्गो संभाला है। इसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। पिछले वित्त वर्ष कंपनी ने 9,44,912 मीट्रिक टन कार्गो संभाला गया था।

अदाणी ग्रुप देश में सात एयरपोर्ट्स संभालता है और वित्त वर्ष 2023-24 में 10 लाख मीट्रिक टन कार्गो संभालने के साथ कंपनी का मार्केट शेयर 30.1 प्रतिशत हो गया है।

एएएचएल के सीईओ अरुण बंसल ने कहा कि अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड में हम

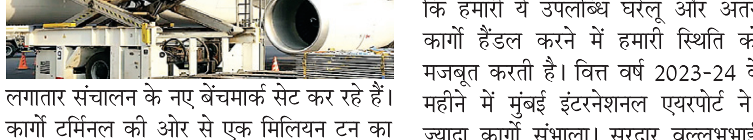

लगातार संचालन के नए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं। कार्गो टर्मिनल की ओर से एक मिलियन टन का बड़ा माइलस्टोन हासिल किया गया है।

कंपनी ने कहा कि हैंडल किए गए सभी कार्गो में 65 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय था। अंतरराष्ट्रीय कार्गो सालाना आधार पर 9 प्रतिशत बढ़कर 6,62,258 मीट्रिक टन हो गया है, जो कि इससे पिछले वित्त वर्ष 6,06,348 मीट्रिक टन था।

कंपनी द्वारा संभाले गए कार्गो में ऑटोमोबाइल, फार्मा, जल्द नष्ट होने वाली चीजें, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग गुड्स थे। बंसल ने आगे कहा कि हमारी ये उपलब्धि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कार्गो हैंडल करने में हमारी स्थिति को और मजबूत करती है। वित्त वर्ष 2023-24 के मार्च महीने में मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने सबसे ज्यादा कार्गो संभाला। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (अहमदाबाद) ने 18 मई को इंडिगो के पहले ए320 नियो मालवाहक विमान का सफलतापूर्वक संचालन किया। अंतरराष्ट्रीय कार्गो संचालन ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (लखनऊ) में मार्च 2024 में 700 टन कार्गो संभाला, जो कि अब तक सबसे अधिक है।

एक जुलाई से शुरू होगी अग्निवीर भर्ती रैली

नई दिल्ली। अग्निवीर भर्ती रैली 1 से 10 जुलाई तक उदयपुर में आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेश भर से लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले साढ़े सात हजार से अधिक अभ्यर्थी भाग लेंगे। भारतीय सेना की ओर से भर्ती रैली के प्रभारी कर्नल सिंह ने बताया कि रैली में प्रदेश भर के सभी जिलों से लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी भाग लेंगे। इसमें उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जैसे जिले भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर दिन औसतन 1000 उम्मीदवारों का परीक्षण किया जाएगा।

अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया दौड़ से शुरू होगी। उम्मीदवार का चयन करने के लिए आगे के परीक्षण और अन्य गतिविधियां होंगी। भर्ती रैली को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर तैयारियां की जा रही हैं। पिछले दिनों जिला कलक्टर के निर्देशन में अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर राजीव द्विवेदी की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई थी।

अधिकारियों ने भर्ती रैली स्थल को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की और अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। भर्ती रैली का स्थान उदयपुर तय किया गया, क्योंकि इसे उपयुक्त विकल्प माना गया। कथित तौर पर खेलगांव परिसर भर्ती के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। अग्निवीर रैली भर्ती निम्नलिखित पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों का चयन करेगी।

एक नजर

मोटरसाइकिल से गिरकर महिला घायल

गढ़वा। गढ़वा थाना क्षेत्र के बेलचंपा गांव में हुई मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक महिला घायल हो गई। घायल महिला का पहचान पलामू जिला के पांडू थाना क्षेत्र के महूगांवा गांव निवासी तारस पासवान की पत्नी सुनैना देवी 45 वर्ष के रूप में हुई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि सुनैना अपने रिश्तेदार के साथ अपने घर से गढ़वा की ओर आ रही थी। इस दौरान बेलचंपा गांव के पास बाइक से अनियंत्रित होकर गिर गई। घटना के बाद अस्थानीय लोग की मदद से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना में घायल के शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोट आई है।

पुलिस ने एक अज्ञात शव को किया बरामद

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत स्थित कामडारा प्रखंड के कुरकुरा थाना अंतर्गत लोयेंकेल गांव में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला । इस व्यक्ति के संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार शाम लोयेंकेल गांव से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है प्रथम दृश्या ये मामला हत्या का नहीं लगता है बल्कि मृत व्यक्ति की मौत संभवतः गर्मी से लू लगने से हुई है पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

चतरा सांसद की पत्नी ने मृतक के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना

पलामू। चतरा लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद कालीचरण सिंह की पत्नी जयवंती सिंह रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मृतक सोनू कुमार के परिजनों से मुलाकात कर घटना का जायजा ली. साथ ही कहा कि पांकी पुलिस इस मामले को अविलंब जांच पड़ताल कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई करें। परिजनों का आरोप है कि सोनू की हत्या की गई। वह इस मामले को लेकर पुलिस पदाधिकारियों से बातचीत कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं एक दूसरी ओर जयवंती ने पांकी के कोनवाई निवासी बृज सिंह के पुत्र संगम सिंह की विगत दिनों रांची में सडक हादसे में मौत होने की घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों को ढाढस बंधाया और आर्थिक मदद की। मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष कुंदन सिंह और रीना शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

मेघावी छात्र-छात्राओं की सूची तैयार करने की हुई पहल

गुमला। गुमला जिला मुख्यालय स्थित स्वामी सहजानंद भवन गोकुल नगर गुमला में अध्यक्ष रामसागर सिंह की अध्यक्षता में शैक्षिक विचार ट्रस्ट के तहत गुमला जिला में मेधावी छात्र-छात्राओं की सूची तैयार करने पर विचार की गई और इसकी सूची यथाशीघ्र प्रांतीय कार्यालय प्रेषित करने को कहा गया समाज के अध्यक्ष राम सागर सिंह ने कहा वैसे गार्जियन जिनके बच्चे कंपटीशन की तैयारी करना चाहते हैं , वह अपने समाज के अखिल जी के यहां ओअपनी सूची जमा करें उस पर विचार कर उसे प्रांतीय कार्यालय प्रेषित किया जाएगा। साथ-साथ कई बिंदुओं पर विचार हुआ।

पिता ने थाने में आवेदन देकर बेटी की गुमशुदगी का सनहा दर्ज कराया

गुमला। जिला अंतर्गत स्थित कटकाही पुजारटोली निवासी जेठु मुंडा ने गुमला थाना में आवेदन सौंप कर अपने बेटी की गुमशुदगी का सनहा दर्ज कराया है. जिसमें कहा गया है कि मेरी पुत्री सुरजमुनी मुंडा, चंद्रमुनी मुंडा व दुर्गेश मुंडा तीनों साथ में गुमला के सरहुल नगर में रहकर पढ़ाई करते है। चार जून की शाम मेरी बेटी सुरजमुनी मुंडा टाउन जा रहे है , कह कर घर से निकली थी , जो अभी तक वापस नहीं आई। जिसका काफी खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चल पा रहा है। उन्होंने अपनी बेटी सुरमुनी को खोजने की गुहार लगाया है।

माता-पिता के विश्वास पर खरा उतरें : उपायुक्त

- आप सभी अपने-अपने लक्ष्य निर्धारित कर करें पढ़ाई
- लगन के साथ पढ़ाई करें और अपने मुकाम तक पहुंचे

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा सेकेंड स्कूल की ओर से टाउन हॉल के सभागार में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त शेखर जमुआर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। कार्यक्रम के दौरान नीट के परीक्षा में बेहतर करने वाले विद्यार्थी श्यामू तिवारी, स्वरित रंजन, ओमप्रकाश प्रजापति, फैजान अख्तर, वैष्णवी पांडे को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपायुक्त शेखर जमुआर ने कहा की आप सभी अपने-अपने लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें उन्होंने कहा कि आपके माता-पिता अपने आप चीजों में कटोरी करते हुए आपकी शिक्षा के लिए विभिन्न तरह के व्यवस्था करते हैं। आप उनके विश्वास पर खरा उतरे। उन्होंने कहा कि इस गढ़वा की धरती से उनकी बेटी यूपीएससी निकालकर आई एस बनी है। उन्होंने कहा की लगन के साथ पढ़ाई करें और अपने मुकाम तक पहुंचे। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे ने कहा कि इस तरह के शिक्षण संस्थान का खुलना काफी सराहनीय है। इस तरह के शिक्षण संस्थान पहले महानगरों में हुआ करता था। आज कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे लगा की गढ़वा में भी इस तरह के विद्यार्थियों को शिक्षा मिलता है। उन्होंने कहा कि आप अपने माता-पिता के विश्वास पर खरा उतरे। क्योंकि मां बाप को अपने बेटा और बेटी पर काफी उम्मीद रहता है। आगे चलकर उनका बेटा बेटी बेहतर करें ताकि उनका नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करेगा। तो जरूर लक्ष्य प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ वर्ष में सेकंड स्कूल विद्यार्थी अच्छे पद पर प्रतिस्थापित होंगे तो सिर्फ सेकंड स्कूल का ही नहीं जिला सहित राज का भी नाम रोशन होगा।

समाज को सुंदर बनाने का दायित्व माताओं के हाथ में : अजय एक्का

गुमला। गुमला धर्मप्रान्त के ममारला भिखारिएट काथलिक महिलासंघ की दो दिवसीय 29वां वार्षिक आम सभा छातापहार पल्ली में आयोजन 8 और 9 जून को किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन में बतौर मुख्य वक्ता काथलिक युवा संघ सिमडेगा धर्मप्रान्त के अध्यक्ष सह ठेठईटांगर पश्चिमी जिप सदस्य अजय एक्का ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को सुन्दर बनाने का दायित्व अब माताओं के हाथ में है जिस तरह पवित्र बाइबल में बुध्दिमान नारी का दृष्टांत दिया हुआ है उसी का अनुकरण करते हुए अपने समाज और परिवार को सुंदर बना सकते हैं, जिप सदस्य ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में हमारी युवा पीढ़ी नशा और बुरी संगति का शिकार हो रही है जो चिंतनीय है माताओं को इन बिंदुओं पर भी विचार करना होगा। कार्यक्रम में मामरला भिखारिएट के डीन फा. बिलियम मिंज, छातापहार पल्ली के पल्ली पुरोहित फा. मुक्तिलाल, मामरला भिखारिएट काथलिक महिलासंघ की अध्यक्षा श्रीमती तेरेसा खाखा, अस्मिता डुंगडुंग सहित केउंदडांड़, मामरला, छातापहार, तालेसेरा और रोशनपुर सिसाई पल्ली के सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया।

18 गांव के 156 बच्चों का दृढ़ीकरण, 90 बच्चों ने परम प्रसाद संस्कार किया ग्रहण

गढ़वा। डालटनगंज के दुरुप पंचायत में प्रभु प्रकाश पल्ली में 156 बच्चो ने दृढ़करण और 90 बच्चो ने परम प्रसाद संस्कार ग्रहण किया. इसमे 18 गांव के बच्चे शामिल हुए। मिस्सा बलिदान का मुख्य अनुष्ठानकर्ता बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास थे। बच्चो को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संस्कार हमें जीवन को आसान बनाता है। इससे कलिसिया सेवा करने में मदद मिलता है। परमेश्वर से प्राप्त सभी वरदानों को याद दिलाता है। पवित्र आत्मा हमें मार्गदर्शन करते हैं। परमेश्वर सच्चाई का रास्ता दिखाता है। कलिसिया सेवा में मदद मिलता है। प्रभु से जुड़े रहने के लिए परमेश्वर का आराधना जरूरी है। इससे अंधकार से प्रकाश का मार्ग दिखता है। मौके पर पल्ली पुरोहित फादर मुक्त लाल, सहायक पल्ली पुरोहित फादर राजेंद्र, फादर अनिल, फादर एंथोनी फर्नांडीस, फादर अमरदीप, ब्रदर जेम्स, ब्रदर सुमन, समेत हजारोलोग शामिल थे।

बाइक से गिरकर युवक हुआ घायल

चैनपुर। चैनपुर थाना अंतर्गत भड़िया पाठ के समीप गांव के ऐंजिकिएल खलखो उम्र 28 वर्ष पिता सिल्वेस्टर खलखो अपने मोटरसाइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया जिसै ग्रामीणों की मदद से उसे चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया घायल युवक के दाहिने पैर और चेहरे समेत होंठ में गंभीर चोट लगी है जिसको देखते हुए चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसका प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया वहीं घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना प्रभारी अजय यादव ने पुरे मामले की जानकारी लेकर छानबीन में जुटी हुई है।

लातेहार में अवैध अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

- एसपी अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अफीम तस्कर अवैध अफीम की तस्करी के लिए चंदवा की ओर आने वाले हैं

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पांच किलोग्राम 600 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अफीम तस्कर राजकुमार उरांव चतरा जिले के लावालॉन्ग का रहने वाला है। बरामद अफीम की कीमत लगभग 10 लाख रुपए मानी जा रही है। रविवार को प्रेस वार्ता करते हुए लातेहार के डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि एसपी अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अफीम तस्कर अवैध अफीम की तस्करी के लिए चंदवा की ओर आने वाले हैं। सूचना के बाद एसपी के द्वारा अफीम तस्करों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम का गठन किया गया। टीम के सदस्यों ने एसपी के निर्देश पर छापामारी की। इसी दौरान चंदवा बाजार में एक दुकान के पास संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति मिला। जब उससे पूछताछ की गई और उसकी तलाशी ली गई तो उसके बैग में से लगभग 5 किलोग्राम 600 ग्राम अफीम बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने अफीम तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार तस्कर ने पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई की योजना बना रही है। अफीम तस्कर के गिरफ्तारी के लिए चलाए गए छापामारी अभियान में डीएसपी अरविंद कुमार के अलावे पुलिस इंस्पेक्टर रणधीर कुमार, सब इंस्पेक्टर शशि कुमार, रविंद्र कुमार आदि पुलिस अधिकारियों के भूमिका महत्वपूर्ण रही।

कीटनाशक खाकर युवती ने की आत्महत्या

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत कामडारा - कुरकुरा थाना स्थित इचागुटू ग्राम की एक युवती सोनी कुमारी ने कीटनाशक पदार्थ खाकर की आत्महत्या, इस संबंध में मृतक के चचेरा भाई ने पुलिस के समक्ष अपने फर्द ब्यान में बताया हैं की। मृतक की मां रोहिणी देवी ने फोन कर मुझे बताया की सोनी कुमारी की एकाएक तबीयत खराब हो गई है। उक्त जानकारी के बाद में वहां पहुंचकर देखा की सोनी कुमारी लगातार उल्टी कर रही हैं और उक्त किटनाशक दवा का गंध भी आ रहा हैं। इस संबंध में सोनी कुमारी से पुछने पर उसने बताया की उसने किटनाशक पदार्थ का सेवन कर ली हैं। फिर तत्काल आनन-फानन में सोनी कुमारी को इलाज के लिये रेफरल अस्पताल बसिया ले जाया गया । जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सोनी कुमारी को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया गया और सोनी कुमारी को सदर अस्पताल गुमला ले जाते वक्त रास्ते में सोनी कुमारी की मौत हो गई।

पाकरटोली मंडली में नवनिर्मित जीईएल चर्च का हुआ भव्य उद्घाटन

बुराइयों को त्याग कर अपने अंदर बनाएं प्रभु का घर : विधायक भूषण बाड़ा

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

पालकोट प्रखंड के पाकरटोली मंडली में नवनिर्मित जीईएल चर्च का उद्घाटन सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा और पादरी सायमोन हेरेंज के हाथों सयुक्त रूप से हुआ। चर्च का उद्धघाटन विधायक और पादरी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। मौके पर विधायक ने कहा कि गिरजाघर परमेश्वर का निवास स्थल है। जहां जाने मात्र से मन को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि हमे अपने दिल मे प्रभु का घर बनाना है। और यह तभी सम्भव है जब हम अपने अंदर बसे बुराइयों को त्याग देंगे। दूसरे के प्रति ईर्ष्या करना छोड़ देंगे। लोभ लालच आदि चीजों से दूर रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस चर्च में आकर हम ईश्वर से अपने पापों के लिए क्षमा मांगे। गरीबों एवं दिन दुखियों के लिए प्रार्थना करें। समूची मानव जाति के कल्याण के लिए प्रार्थना करें। विधायक ने कहा कि एक दूसरों का मददगार बनें। अपने वचनों से किसी को ठेस न पहुंचाएं। सामाज में बुराइयों को पनपने न दें।

गिरजाघर में जाने से प्रभु के निकटता का होता है एहसासः जोसिमा खाखा

मौके पर उपस्थित जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि गिरजाघर में आने मात्र से प्रभु के निकटता का एहसास होता है। इस चर्च का निर्माण करने में सहयोग करने वाले सभी बधाई के पात्र हैं। इस चर्च के बन जाने से गांव के सभी लोगों में ईश्वर की कृपा बरसेगी। ईश्वर की कृपा से क्षेत्र में खुशहाली आएगी। क्षेत्र का विकास होगा। जोसिमा ने कहा कि लोग धर्म के मार्ग पर चले। मौके पर विधायक प्रतिनिधि बसंत कुमार गुप्ता, 20 सूत्री सदस्य सतनारायण केशरी, मंडल अध्यक्ष निमरोद एक्का, पी सी सी डेलीगेट सुसेना लकड़ा, अंजिलिंता बड़ा, प्रचारक मनोहर केरकेट्टा, अनूप मिंज, महानद केरकेट्टा, सनिम मिंज, आदि मसीही विश्वासी उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के नेतृत्व में चलाया जा रहा है जनसंपर्क अभियान

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के नेतृत्व में परिवर्तन यात्रा सह जन संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के रमकंडा प्रखंड के विभिन्न पंचायत व गांव में चौपाल लगाकर जनता से सीधे जनसंवाद किया। इस क्रम में कसमार, बिचला टोला, रमकंडा मदरसा, ऊपरीटोला, गोबरदाहा, तेतरडीह, बालिगढ़, बिराजपुर सहित विभिन्न गांवो का दौरा करते हुए आगे भी इस तरह का कार्यक्रम जारी रहेगा। इस मौके पर पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह ने कहा कि जिस तरह से गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों वह थानों में भ्रष्टाचार चरम पर है, मैंने ब्लॉक जनता के हित के लिए बनवाया था लेकिन आज लोग चरागाह बना दिए है जनता परेशान है भ्रष्टाचारियों का बोलबाला है इसको देखते हुए गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंड मुख्यालय पर जन आंदोलन किया जाएगा और चेतावनी दी जाएगी कि जल्द से जल्द जितने भी भ्रष्टाचार में लिप्त लोग हैं वह इस तरह का कार्य करना छोड़ दे। इस मौके पर गिरीनाथ सिंह को रमकंडा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गांव में आपार समर्थन देखने को मिल रहा है वहीं पर गिरिनाथ सिंह ने कहा कि आने वाले दिनों में गढ़वा विधानसभा के विभिन्न प्रखंडों में परिवर्तन यात्रा निकालकर जनता से सीधे संबंध किया जाएगा।

पत्थर खदान में लगी ड्रिल मशीन व डीजे जनरेटर में ग्रामीणों पर आग लगाने का अरोप, जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता। गिद्धौर(चतरा)

गिद्धौर थाना क्षेत्र के इचाक गांव में राजश्री कंस्ट्रक्शन पत्थर माइंस में लगे ड्रिल मशीन, डीजे जनरेटर में उग्र ग्रामीणों द्वारा आग लगाने का अरोप है। जबकि पोकलेन मशीन, जनरेटर, ट्रैक्टर सहित अन्य मशीन को क्षति पहुंचाने का अरोप है। इस आग लगी में कंपनी के करीब 75 लाख रुपया का नुकसान हुआ है। जबकि एक लाख मूल्य के सोने का चौन व 15000 रुपए नगद भी लूटने का अरोप है। इस बाबत प्रणेश कुमार गुप्ता ने इचाक गांव निवासी बसंत सिंह, रामचंद्र सिंह,कामेश्वर राणा, दिलीप सिंह, बजरंग सिंह, नितेश सिंह, सुबोध सिंह, मिथिलेश सिंह, संगीता देवी, नरेश यादव, सुरेश यादव, संगीता पाठक सहित 15-20 अज्ञात लोगों को अभियुक्त बनाया है। बताया जाता है कि इचाक गांव में परमेश्वर साव के नाम से झारखंड सरकार द्वारा राजश्री कंस्ट्रक्शन के नाम से पत्थर खदान हेतु अनुज्ञप्ति प्राप्त है। यहां तक की सरकार को राजस्व का भुगतान भी किया जा रहा है। इस बीच शनिवार शाम में उपरोक्त लोग हरवे हथियार से लैस होकर आए और गाली गलौज करते हुए प्रत्येक महीना 5 लाख रुपया देने की मांग करने लगे। इतनी बड़ी राशि देने से कंपनी द्वारा असमर्थता व्यक्त किया गया। इसी बीच ड्रिल मशीन वाहन सहित अन्य वाहन में आग लगाने की धमकी भी दिया था। इधर रविवार को पूर्व की भांति खनन कार्य चल रहा था। एकाएक उपरोक्त लोग हरवे हथियार से लैस होकर कार्य स्थल पर पहुंचे और पांच लाख एडवांस की मांग करने लगे। नहीं देने पर गाली गलौज करते हुए बजरंग सिंह द्वारा ड्रिल मशीन वाहन में डीजल छिड़क दिया और दिलीप सिंह आग लगा दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। यहां तक की सन्नी सिंह गला दबाने का भी प्रयास किया। इतना ही नहीं गले से सोने का चौन व करीब 15 नगद लूट लिया। इसके पश्चात गांगपुर गांव की संगीता पाठक बारूद का कार्टून लेकर फरार हो गई। दिए गए आवेदन में कहा गया है कि उपरोक्त सभी लोग अपराधिक किस्म के हैं। इधर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में किशोरी की मौत, 3 घंटे रहा सड़क जाम

इटखोरी (चतरा)। रविवार को इटखोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत असढ़िया चौक के समीप ट्रेलर व ऑटो में टक्कर हो गई।

जिसमें 10 वर्षय किशोरी की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। वहीं हादसे के बाद ग्रामीणों द्वारा रोड को जाम कर दिया। वहीं सुचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस, आक्रोषित लोगों को समझाने का हर संभव प्रयाश किया पर पर लोग नहीं माने। मृतका कि पहचान हजारीबाग जिले के कटकमसांड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ढौठवा गांव निवासी हसनैन अंसारी की 10 वर्षिय पुत्री हशीना खातून के रूप में की गई। जबकी घटनास्थल पर बीडीओ सह सीओ सोमनाथ बाकीरा, थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह, एसआई विजय कुमार सिंह, सहरजाम के जीतेन्द्र रजक मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों व परिजनों को समझाबूझाकर 3 घंटे के बाद जाम हटवाया। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेजा गया।

लू की चपेट में आने से एक्स आर्मी जवान की मौत

चतरा/सिमरिया। सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चाडरम गांव में लू की चपेट में आने से एक्स आर्मी जवान 35 वर्षीय पुत्र कुलेश्वर गोप पिता स्व. द्वारका गोप की मौत हो गई। मृतक की पत्नी सरिता देवी ने बताया कि इनकी तबियत 3 दिन से खराब थी। अपने स्तर से दवा भी चला रही थी। परन्तु आज अचानक इनको हिचकी आयी और सांसे रुक गई। ग्रामीणों के अनुसार घटना के बाद हड़बड़ाए परिजनों ने कुलेश्वर को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। परन्तु चिकित्सक ने इन्हें जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया। इधर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद कुलेश्वर के शव को परिजनों को सौंप दिया गया। ज्ञात हो कि कुलेश्वर गोप आर्मी के जवान थे, जो कुछ दिन पूर्व ही भीआरएस लेकर घर आये थे।

न्यूज बॉक्स

उरांव टोला में सोलर जलमीनार खराब पेयजल की किल्लत

केतार। केतार प्रखंड क्षेत्र के पाचाडुमर गांव अंतर्गत उरांव टोला में सुकन साह के घर के पास विधायक मद से लगा जलमीनार पिछले कई महीनों से खराब पड़ा हुआ है। उक्त जलमीनार खराब होने से उरांव टोला के ग्रामीणों को इस भीषण गर्मी में पेयजल की किल्लत उत्पन्न हो गई है। ग्रामीण संगीता देवी,कलवंती देवी,राधीका देवी, बिहारी उरांव, पिंटू उरांव, रामदेव साह, जितेन्द्र उरांव, अनीता देवी, सुनीता देवी ने बताया की जलमीनार खराब होने से पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई।हम लोग चिलचिलाती धुप में पीने के लिए पानी लाने दुसरे टोला से जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया की माल मवेशियों को भी पानी पिलाने में परेशानी हो रही है। टोला के अधिकांश चापानल भी खराब हो गया है। ग्रामीणों ने अधिकारियों और विधायक से खराब पड़े जलमीनार की मरम्मत कराने का आग्रह किया है ताकि पेयजल की समस्या से निजात मिल सके। इस सम्बन्ध में विधायक प्रतिनिधि ज्वाला प्रसाद ने कहा की जानकारी मिली है जल्द मरम्मत कराया जायेगा।

पुलिस ने अवैध कोयला लदे ट्रक को किया जब्त

लातेहार। मनिका पुलिस ने रविवार की सुबह लगभग 4:00 बजे मनिका प्रखंड क्षेत्र के बंदूआ मोड़ के समीप से अवैध कोयला लदा 12 चक्का ट्रक को जप्त कर ट्रक चालक सुभाष खरवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लातेहार जेल भेज दी है। एवं ट्रक मलिक अभय कुमार सिंह एवं भट्ठा मलिक ललू प्रसाद यादव पर भी मुकदमा दर्ज की गई है। हालांकि ट्रक चालक और भट्ठा मालिक पुलिस प्रशासन के पकड़ से बाहर है जिसकी गिरफ्तारी को लेकर मनिका पुलिस प्रशासन लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। मनिका थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने कहा कि अवैध कोयला लदा ट्रक ललू प्रसाद यादव के ईंट भट्ठे में जा रही थी उन्होंने कहा कि मनिका प्रखंड क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्रथम प्राथमिकता है एवं मनिका पुलिस प्रखंड क्षेत्र में अवैध धंधे पर अपनी नजर रखी हुई है।

जनसंघ के कार्यकर्ता के निधन पर शोक

गढ़वा। गढ़वा प्रखंड के तिवारी मरहटिया निवासी जनसंघ के वरिष्ट कार्यकर्ता 90 वर्षीय रामलखन तिवारी का अपने आवास पर निधन हो गया वे पिछले कई महीनों से अस्वस्थ थे उनके निधन की सूचना मिलने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अलखनाथ पांडे,ब्रजेश उपाध्याय, अंजनी तिवारी, रामसरीख चंद्रा, धनंजय तिवारी, भाजपा गढ़वा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शिवनारायण चंद्रा, सिद्धि उपाध्याय, सहित अन्य भाजपाइयों ने उनके निधन पर गहरा दुख प्रकट किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान श्री तिवारी के पार्थिव शरीर पर भाजपा का झंडा ओढ़ा कर उन्हें सम्मान दिया गया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता अलखनाथ पांडे ने कहा कि राम लखन तिवारी वरिष्ट जनसंघी थे उनका मार्गदर्शन कार्यकताओं को मिलते रहता था उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है भाजपा नेता ब्रजेश उपाध्याय ने कहा कि राम लखन तिवारी आजीवन जनसंघ तथा उसके अनुषांगिक इकाइयों के प्रति अपने निष्ठा को बरकरार रखा।

छठ घाट का ट्रांसफार्मर जला, भीषण गर्मी में उपभोक्ता परेशान

बरवाडीह। प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ता विद्युत विभाग की मनमानी रवैया से भीषण गर्मी में काफी परेशान है। इसी बीच बीते दो दिनों से प्रखंड मुख्यालय के आदर्श नगर स्थित छठ घाट का मुख्य ट्रांसफार्मर जल गया है। जिसे विद्युत अधिकारियों के प्रखंड मुख्यालय में नहीं रहने के कारण अनुबंध के दैनिक वेतन भोगी अकुशल बिजली मिस्त्री द्वारा ट्रांसफार्मर को बीते दो दिनों से मरम्मत कर ठीक किया जा रहा था, लेकिन पूरी तरह से खराब हुई ट्रांसफार्मर को ठीक नहीं किया जा सका है। ट्रांसफार्मर चल जाने से क्षेत्र आदर्शनगर,बाजारके आधे क्षेत्र में विद्युत सेवा बाधित है जिससे लोग भीषण गर्मी से परेशान है । वहीं विद्युत संबंधित आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बाधित है। जिससे लोगो के अपनी घरों में पानी भी मिलना मुश्किल हो गया है। इस संबंध में किसी भी तरह की जानकारी देने के लिए कोई भी विद्युत अधिकारी प्रखंड मुख्यालय में नहीं है जिससे उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति बाधित होने की जानकारी भी सही नही मिल पा रहा है। मुख्यालय स्थित विद्युत पावर सबस्टेशन से उपभोक्ताओं को कुछ जानकारी तो जरूर मिल जाता है। लेकिन समस्या का समाधान भी नही हो पाता है। छठ घाट आदर्शनगर प्रखंड के क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं ने संबंधित विद्युत अधिकारियों एवं लातेहार उपायुक्त से इस संबंध में गुहार लगाते हुए तत्काल जले हुई ट्रांसफार्मर को बदले जाने की मांग किया है। वही प्रखंड मुख्यालय के दूसरे क्षेत्रों में भी आंधी तूफान व बिजली गर्जन मौसम खराब रहने के कारण ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत है। जिससे उस क्षेत्र के उपभोक्ता काफी परेशान है।

सिंचाई के साथ वाटर लेवल को बनाए रखने में तालाबों का अहम योगदान रहता है : सुरजीत सिंह

लातेहार। बदलते दौर में जिस तरीके से पानी की समस्याएं आम होती जा रही है। हमारा जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। इसे बनाये रखने के लिए अधिक से अधिक तालाबों आदि जलस्त्रोतों के निर्माण होने से इसे कम किया जा सकता है । जलस्तर को बनाए रखने में इन तालाबों का अहम योगदान होता है। साथ ही तालाबों के निर्माण से आस पास के खेतों में सिंचाई भी किया जा सकता हैं। उक्त बातें लातेहार के उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह ने भूमि संरक्षण विभाग के द्वारा बनाए जा रहे तालाबों के निरीक्षण के दौरान कही। उप विकास आयुक्त के द्वारा लातेहार और मनिका क्षेत्र में भूमि संरक्षण विभाग द्वारा बनाए जा रहे तालाबों का जमीन स्तर पर निरीक्षण किया। उन्होंने लातेहार के जलता, परसही, डूंडू, मतनाग, लबरपुर, इचाक और मनिका के मंगरू दोहर आदि स्थानों पर पहुंच बन रहे तालाबों के गुणवत्ता की जांच की। जांच के उपरांत उन्होंने इनके गुणवत्ता को देख संतुष्ट हुए। साथ ही इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश भी देते देख गए।

24 घंटे बाद मिला कोयल नदी में डूबे युवक का शव

मोहम्मदगंज। मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के भीमचूल्हा शिव मंदिर के समीप कोयल नदी में स्नान करने के दौरान शनिवार को गहरे पानी में डूबे युवक का शव 24 घंटा बाद रविवार को स्वतः ऊपर देखा गया. स्थानीय गोताखोरों द्वारा शनिवार को लगातार छह घंटे तक खोजने के बावजूद भी पानी में शव नहीं मिल सका था. इसके बाद हुसैनाबाद एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो ने एनडीआरएफ की टीम को बुलाया था. एनडीआरएफ की टीम को दो बजे दिन तक मोहम्मदगंज कोयल नदी तट पर पहुंचने की सूचना थी. किन्तु उसके पूर्व ही शव को रविवार को लगभग एक बजे पानी के ऊपर देखा गया।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

मोदी 3.0 : शपथ ग्रहण से पहले राजघाट पर प्रधानमंत्री मोदी ने बापू को किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत नरेंद्र मोदी रविवार को महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचे। इसके बाद सदैव अटल पर पहुंच कर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि भी दी। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में लगातार अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह के दिन की शुरूआत उन्होंने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करके की। शाम 7:15 बजे शुरू होने वाले शपथ ग्रहण समारोह से पहले सुबह नरेंद्र मोदी राजघाट पहुंचे। वहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धाजंलि अर्पित की। राजघाट के दौरे के बाद मोदी ने दिग्गज भाजपा नेता और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि 'सदैव अटल' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

'सदैव अटल' और 'समर स्मारक' भी पहुंच दी श्रद्धांजलि

देश के कुछ हिस्सों में 'लू' रहेगी बरकरार

कहीं बरसेंगे बदरा, तो कहीं छूटेंगे पसीने

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कहीं-कहीं सूरज की तल्खी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। दिन में गर्म हवाएं चल रही हैं तो धूप इतनी तीखी हो रही है कि बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। पारा 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अब मौसम को लेकर नई जानकारी दी है। आईएमडी के अनुसार कहीं-कहीं कुछ दिनों तक लू की स्थिति ऐसी ही रहेगी, जबकि कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना भी है। आईएमडी का कहना है, अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वी भारत और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू चलती रहेगी। यहां फिलहाल राहत मिलने का कोई आसार नहीं है। सूरज निकलते ही शहरों में सन्नाटा छा जा रहा है। तीखी धूप सीधे पड़ने से लोग घरों में छिप जा रहे हैं। घाट पर पेड़ों के नीचे बैठ जा रहे हैं। तापमान बढ़ने के कारण आमजन के साथ जानवर भी बेहाल हैं।

यहां बरसेंगे बदरा

मौसम विभाग की माने तो नौ और 10 जून को दक्षिण कोंकण और गोवा, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में अधिक से बहुत अधिक बारिश होने की संभावना है। नौ जून से उत्तर-पश्चिम भारत में लू की स्थिति का एक नया दौर शुरू होने की संभावना है।

जम्मू में 70 से ज्यादा विदेशी आतंकवादी सक्रिय, 15वीं कोर के जीओसी ने की पुष्टि

एजेंसी

श्रीनगर। श्रीनगर स्थित सेना की 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने रविवार को केंद्र शासित प्रदेश में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आर.आर. स्वैन द्वारा बताये गये आंकड़ों की पुष्टि की। उत्तरी कश्मीर के बारामूला में जनरल बिपिन रावत स्टेडियम में कारगिल के युद्धवीरों के सम्मान समारोह से इतर संवाददाताओं से बात करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा, डीजीपी आर.आर. स्वैन ने जम्मू-कश्मीर में 70-80 विदेशी आतंकवादियों के सक्रिय होने की जो बात कही है वह सही है। जीओसी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने अब स्थानीय की बजाय विदेशी आतंकवादियों पर फोकस करना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा, सभी सुरक्षा एजेंसियां पूरे तालमेल के साथ इन विदेशी आतंकवादियों से निपट रही हैं। दक्षिण कश्मीर में सबसे लंबे समय तक एलईटी का कमांडर रहे रियाज दार के मारे जाने पर जीओसी ने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ हर अभियान सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में एलओसी पर हालात स्थिर हैं। उन्होंने सेना के हिमालयन रेजिमेंट की तारीफ करते हुए कहा, कारगिल युद्ध में इस रेजीमेंट ने दुश्मनों को करारी शिकस्त दी।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को भारत रत्न एवं वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आडवाणी की बेटी प्रतिभा आडवाणी भी मौजूद थीं।

गाजा में इजरायली हवाई हमले में 210 फिलिस्तीनियों की मौत

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी में ताजा इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 210 फिलिस्तीनी मारे गए और 400 से अधिक अन्य घायल हो गए। इजरायली सेना ने कहा कि उसने इस दौरान चार बंधकों को छुड़ा लिया है। सेंट्रल गाजा के डेर अल-बलाह में अल-अक्सा अस्पताल के निदेशक खलील अल-दकरान ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली बमबारी के कारण बड़ी संख्या में घायल फिलिस्तीनियों को अस्पताल भेजा गया है, जिनमें से कुछ की मौत की पुष्टि हो गई है। फिलिस्तीनी प्रत्यक्षदर्शियों ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने इस इलाके को निशाना बनाया और जबरदस्त बमबारी की। इस इलाके में काफी देर तक धुआं उठते हुए देखा गया। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि नुसेरत शिविर पर फिलिस्तीनी आतंकवादियों और इजरायली सैनिकों के बीच घातक झड़पें हुईं। इस दौरान इजरायली सैनिकों ने कई आतंकवादियों को मार गिराया। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हनीयेह ने एक बयान में कहा कि इजरायल ने बच्चों और महिलाओं को निशाना बनाया।

वरिष्ठ पीडीपी नेता के बेटे का निधन, महबूबा व उमर ने जताया शोक

श्रीनगर। वरिष्ठ पीडीपी नेता सरताज मदनी के बेटे का रविवार को कुलगाम जिले में उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। पीडीपी नेता व पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला ने मदनी के बेटे के निधन पर शोक जताया। बताया गया कि वरिष्ठ पीडीपी नेता सरताज मदनी का 39 वर्षीय बेटा अरुत मदनी कल रात सोए थे। रविवार सुबह जब उनके परिजनों ने जगाया तो वे बेहोश की अवस्था में मिले। परिजन अरुत को लेकर अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मदनी के बेटे की मौत की खबर पर महबूबा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दुख जताया। उन्होंने लिखा, 'मुझे बहुत दुख हो रहा है। हमने अरुत मदनी को खो दिया। सरताज साहब के बेटे का रविवार की सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

बीजद नेता पांडियन ने सक्रिय राजनीति से लिया संन्यास

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी माने जाने वाले बीजू जनता दल (बीजद) के नेता वी.के. पांडियन ने रविवार को सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया। पांडियन ने रविवार को एक वीडियो जारी कर अपने फैसले की घोषणा की। पूर्व आईएएस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर यह फैसला किया है। उन्होंने हाल ही में विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की तरफ इशारा करते हुए कहा कि वह कुछ पॉलिटिकल नैरेटिव का समय पर जवाब देने में असफल रहे। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर विरोधी दलों द्वारा लगाये गये आक्षेप यदि इस चुनाव में पार्टी की हार का कारण रहे हैं तो वह इसके लिए माफी चाहते हैं। ओडिशा की 147 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा को 78 और बीजू जनता दल को 51 सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस ने 14 और माकपा ने एक सीट जीती जबकि तीन निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। वहीं, लोकसभा की 21 सीटों में से 20 भाजपा के खाते में और एक कांग्रेस के खाते में गई जबकि बीजद एक भी सीट नहीं जीत सकी।

पुलवामा से दो आईईडी बरामद बम निरोधक दस्ते ने नष्ट किया

पुलवामा। पुलवामा जिले के एक खेत से दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद की गई। अधिकारी ने बताया कि रविवार को सुरक्षाबलों को पुलवामा जिले के नेहामा इलाके से दो प्लास्टिक कंटेनरों में जमीन के अंदर दबाई गई आईईडी बरामद हुई। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया और बिना किसी नुकसान के आईईडी को नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तान सरकार पर उनके साथी दल पीपीपी ने लगाया गंभीर आरोप

बजट के बारे में नहीं की कोई चर्चा

एजेंसी

पाकिस्तान। पाकिस्तान सरकार के 12 जून को वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश करने की संभावना जताई जा रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने बताया कि गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद सत्तारूढ़ पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार ने आने वाले संघीय बजट पर उनसे परामर्श ही नहीं किया।

रविवार को मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने पीएम शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज पार्टी पर बजट संबंधी चर्चा न करने का आरोप लगाया। यह भी बताया कि बजट के लिए उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। पाकिस्तान

पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता सैयद खुर्शीद अहमद शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने न तो हमें बजट के संबंधित कुछ बताया और न ही हमें विश्वास में लिया।

सैयद खुर्शीद अहमद शाह ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा कि हमें नहीं पता कि पीएमएल-एन निजीकरण नीति, करों, विकास कार्यक्रमों के बारे में क्या कर रही है। पीपीपी के शाह ने कहा कि बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पीपीपी को राहत के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि सरकार बजट बना रही है या अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का बजट थोपा जा रहा है।

बता दें कि 8 फरवरी को आम चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगाए गए। इसके बाद पीएमएल-एन और पीपीपी ने खंडित चुनावी नतीजों के बाद गहन बातचीत के बाद गठबंधन सरकार बनाई। उन्होंने अपना दुख प्रकट करते हुए बताया कि बजट में पीपीपी के प्रस्तावों को शामिल नहीं किया गया।

मेरी पार्टी बदले की भावना से काम नहीं करती : नवाज शरीफ

पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने एक और पूर्व पीएम इमरान खान को देश में राजनीतिक सुलह के रास्ते में मुख्य बाधा बताया है। शरीफ ने राजनीतिक सुलह के लिए बातचीत के प्रति सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि वह बदले की भावना से काम नहीं करती है। शरीफ ने यह टिप्पणी शुक्रवार शाम को पार्टी सीनेटरों के साथ एक बैठक के दौरान की। इस बैठक में खान की पीटीआई पार्टी के साथ बातचीत के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। शरीफ ने कहा कि पूर्व पीएम खान खुद वार्ता की प्रक्रिया में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं।

चिंताजनक / ग्रीनलैंड की बर्फ में पहली बार मिले विशाल विषाणु

समुद्र के हरे शैवाल को संक्रमित करने में माहिर

ये वायरस न केवल ज्यादा बड़े होते हैं, बल्कि वातावरण में लंबे समय तक जीवित रहने की इनकी क्षमता भी बहुत अधिक होती है

एजेंसी

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों को पहली बार ग्रीनलैंड में जमा बर्फ में विशाल (जायंट) वायरसों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। यह वायरस आकार में बैक्टीरिया से भी बड़े हैं। हालांकि, इसके बावजूद इन विषाणुओं को माइक्रोस्कोप की मदद के बिना नहीं देखा जा सकता। इनके बारे में एक और चिंताजनक बात यह है कि ये वायरस न केवल ज्यादा बड़े होते हैं, बल्कि वातावरण में लंबे समय तक जीवित रहने की इनकी क्षमता भी बहुत अधिक होती है।

इन विशाल वायरसों को पहली बार 1981 में देखा गया था, जब वैज्ञानिकों को इनकी समुद्र में मौजूदगी का पता चला था। ये वायरस समुद्र में हरे शैवाल को संक्रमित करने में माहिर हैं। बाद में इन्हें जमीन, मिट्टी और यहां तक की मनुष्यों में भी खोजा गया था। शोधकर्ताओं के अनुसार, इनके केंद्र में डीएनए का एक समूह होता है। इस डीएनए में प्रोटीन के निर्माण के लिए आवश्यक सभी आनुवंशिक जानकारी या नुस्खे होते हैं जो अधिकतर वायरस में काम करते हैं, लेकिन इन नुस्खों का उपयोग करने के लिए वायरस के डबल-स्ट्रैंडेड डीएनए को सिंगल-स्ट्रैंडेड एमआरएनए में बदलने की आवश्यकता होती है। सामान्य वायरस ऐसा नहीं कर सकते। इसके बजाय उनके पास आरएनए के स्ट्रैंड होते हैं, जो वायरस से कोशिका को संक्रमित करने और उसकी मशीनरी पर कब्जा करने के बाद सक्रिय होने की प्रतीक्षा करते हैं। वहीं, दूसरी तरफ विशाल वायरस स्वयं ऐसा कर सकते हैं जो उन्हें सामान्य वायरस से बहुत अलग बनाता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, चूंकि ये विशाल वायरस अपेक्षाकृत नई खोज है, ऐसे में इनके बारे में ज्यादा जानकारी मौजूद नहीं है। ज्यादातर वायरसों से इतर इनके पास कई सक्रिय जीन होते हैं जो उन्हें डीएनए की मरम्मत करने के साथ-साथ प्रतिकृति तैयार करने और उनका उपयोग करने की अनुमति देते हैं। उनके पास ये जीन क्यों हैं और वे उनका उपयोग कैसे करते हैं यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। इन वायरस की खोज के लिए शोधकर्ताओं ने नमूनों में सभी डीएनए का विश्लेषण किया।

चारधाम यात्रा में बढ़ा मौत का आंकड़ा अब तक गई 100 तीर्थयात्रियों की जान

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा सुचारू ढंग से संचालित हो रही है। हर रोज चारों धामों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंच रहे हैं। दूसरी तरफ चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की मौतों का आंकड़ा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 100 यात्रियों की मौत हो चुकी है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से रविवार को सचिवालय स्थित कंट्रोल रूम से तीर्थयात्रियों की मौत की रिपोर्ट जारी की गई है। राज्य

आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कपाट खुलने के बाद से अब तक केदारनाथ में सबसे ज्यादा 49 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। इसके बाद बद्रीनाथ में 22 तो यमुनोत्री में 22 व गंगोत्री में सात श्रद्धालुओं की जान तीर्थयात्रा के दौरान जा चुकी है। तीर्थयात्रियों की मौत के बढ़ते आंकड़ों को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यात्रा के दौरान मौत के मामलों में अधिकांश बुजुर्ग और पहले से किसी बीमारी से ग्रस्त लोग शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि चारधाम यात्रा के पहले तीर्थयात्रियों की स्क्रीनिंग कराई जा रही है। विभाग के अनुसार, अब तक करीब दो लाख श्रद्धालुओं की स्क्रीनिंग कराई जा चुकी है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में तीर्थयात्री बीमारी छुपाकर यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं।